11

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 212 पटना (बिहार) मंगलवार,03 जून 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

बिहार बीजेपी में 'एक व्यक्ति एक पद' बना 'जुमला'? दिलीप जायसवाल की टीम में MP-MLC और 'उप मंत्री' भी शामिल

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः हाल में ही बिहार बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है. प्रदेश कमेटी में महामंत्री, उपाध्यक्ष और प्रदेश मंत्री की नियुक्ति की जा चुकी है. टीम में कई नए चेहरों को जगह मिली है लेकिन कई ऐसे चेहरे हैं, जिनकी नियुक्ति के दौरान 'एक व्यक्ति एक पद' के सिद्धांत का ख्याल नहीं रखा गया. यही वजह है कि इस टीम में कई ऐसे नेता भी हैं, जो पहले से ही अहम पद पर बने हुए हैं. सम्राट चौधरी की टीम के आधे लोगः भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कमेटी के गठन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने टीम में 5 महामंत्री, 13 उपाध्यक्ष और 14 मंत्री बनाए गए हैं. कई ऐसे चेहरे हैं, जो सम्राट चौधरी की टीम में भी शामिल थे. दिलीप जायसवाल की टीम में लगभग 50 फीसदी नेता ऐसे हैं, जो पुरानी टीम के सदस्य थे. एक व्यक्ति एक पद का सिद्धांतः भारतीय जनता पार्टी में एक व्यक्ति एक पद का सिद्धांत है. इस सिद्धांत के आधार पर जब सम्राट चौधरी बिहार के उप-मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष के पद को त्याग दिया. लोकसभा चुनाव के बाद जब उनकी जगह दिलीप जायसवाल प्रदेश अध्यक्ष बने तो उन्होंने भी भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री का पद छोड़ दिया. राजेश वर्मा के पास है दो पदः प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने अपनी टीम में पांच महामंत्रियों को शामिल किया है. इनमें एक महामंत्री राजेश वर्मा ऐसे हैं, जो सम्राट चौधरी की टीम में भी शामिल थे. वह दूसरी बार महामंत्री बने हैं. उनको कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति का सदस्य भी बनाया जा चुका है और उप मंत्री का दर्जा प्राप्त है. इस हिसाब से राजेश वर्मा के पास दो पद हैं, जोकि एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत के खिलाफ हैं. इन्हें नहीं मिली जगहः एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत पर ललन मंडल और जगन्नाथ ठाकुर को प्रदेश कमेटी में जगह नहीं मिली. दोनों नेता सम्राट चौधरी की कमेटी में महामंत्री थे लेकिन इस बार इन्हें प्रदेश कमेटी में जगह नहीं मिली. सांसद और एमएलसी को भी मिली कमेटी में जगहः धर्मशिला गुप्ता राज्यसभा सांसद हैं और पिछली कमेटी में

महिला मोर्चा की अध्यक्ष थीं. प्रदेश कमेटी में भी उनको दिलीप जायसवाल ने जगह दी है और वह प्रदेश उपाध्यक्ष बनाई गईं हैं. इस हिसाब से धर्मशिला गुप्ता के पास दो पद हैं. एक नाम प्रमोद चंद्रवंशी का भी है, जिनके पास दो-दो पद हैं. उनको भी उपाध्यक्ष बनाया गया है. वह विधान परिषद के सदस्य हैं.

बीजेपी नेताओं का क्या है तर्क?ः भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सरोज रंजन पटेल ने कहा कि दिलीप जायसवाल ने जो कमेटी बनाई है, वह बेहद संतुलित है. पिछली टीम में भी मैं उपाध्यक्ष था और इस बार भी मुझे उपाध्यक्ष बनाया गया है. मैं प्रदेश अध्यक्ष का आभार प्रकट करता हूं. वे कहते हैं कि जो कमेटी बनी है, उस विधानसभा चुनाव को फतह करने में हमें आसानी होगी. जहां तक सवाल एक व्यक्ति और एक पद के सिद्धांत का है तो पार्टी इसका पालन करती है, अपवाद स्वरूप कुछ नेताओं को परफॉर्मेंस के आधार पर जगह दी जाती है. इस बार की कमिटी भी बहुत दमदार बनाई गई है. विधानसभा चुनाव को जीतने के लिए हमारी मजबूत टीम बनी है. एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत का भी पालन किया गया है, कुछ लोग अपवाद के तौर पर जरूर टीम में शामिल हैं लेकिन सच यही है कि हमारी पार्टी हमेशा अपने सिद्धांतों का पालन करती है.- सरोज रंजन पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष, बीजेपी क्या कहते हैं जानकार?ः वरिष्ठ पत्रकार कौशलेंद्र प्रियदर्शी का मानना है कि राजनीति में शुचिता नहीं रह गई है. तमाम दल किसी तरीके से चुनाव जीतना चाहते हैं.

बीजेपी भी अपवाद नहीं है. एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत का नारा तो जरूर दिया जाता है लेकिन कई बार सिद्धांत के खिलाफ फैसले होते हैं. भारतीय जनता पार्टी के लिए विधानसभा चुनाव चुनौती है और जातिगत समीकरण और क्षेत्र को साधने के लिए पार्टी के स्तर पर एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत के खिलाफ भी फैसला लिया गया है. चुनाव जीतना ही सभी दलों की प्राथमिकता रह गई है.- कौशलेंद्र प्रियदर्शी, वरिष्ठ पत्रकार

4000 फीट की ऊंचाई पर गिद्ध से प्लेन का टक्कर, हवा में अटकी 175 यात्रियों की जान

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांचीः हवाई जहाज पर 175 यात्री सवार थे और उससे एक पक्षी टकरा गया। इससे प्लेन का अगला हिस्सा क्रैक कर गया। रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टल गया। पटना से रांची आ रही विमान की पक्षी टक्कर हो गई। जिसके बाद विमान को 40 मिनट तक हवा में रखा गया और आखिरकार पायलट की सूझबूझ से सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। इमरजेंसी लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों ने चैन की सांस ली। जानकारी के अनुसार बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर दोपहर 1:14 बजे आपात लैंडिंग कराई गई। विमान में 175 यात्री मौजूद थे। एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार एयरबस 320 विमान को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, इसमें सभी सवार यात्री सुरक्षित रहे। इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग :बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के निदेशक ने बताया कि रांची पहुंचने से पहले इंडिगो के एक विमान से पक्षी टकरा गया था। उस समय 3000 से 4000 फीट की ऊंचाई पर विमान मौजूद था। विमान से गिद्ध टकरा गया था। जिससे विमान के अगले हिस्से को नुकसान पहुंचा है। इसके बाद पायलट की सूझबूझ ने विमान को सुरक्षित लैंड कराया गया। हालांकि, इससे पहले 40 मिनट तक उड़ान जारी रखी गई थी। विमान को पक्षी के टकराने से डेंट लगा है। इंजीनियर विमान के नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

रांची एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला :रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया। पटना से रांची आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट से पक्षी टकरा गया। विमान में 175 यात्री थे। पक्षी के टकराने से विमान का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो

गया। पायलट ने समझदारी दिखाते हुए विमान को सुरक्षित लैंड कराया। विमान को हवा में 40 मिनट तक रखा गया था। यह घटना दोपहर 1:14 बजे हुई। विमान पटना से रांची आ रहा था। तभी रास्ते में एक पक्षी उससे टकरा गया।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, एयरबस 320 विमान को नुकसान पहुंचा है। लेकिन सभी यात्री सुरक्षित हैं। हवाई जहाज को डेंट लग गया :बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के डायरेक्टर ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रांची पहुंचने से पहले इंडिगो के विमान से एक पक्षी टकरा गया था। उस समय विमान 3000 से 4000 फीट की ऊंचाई पर था। विमान से एक गिद्ध टकराया था। इससे विमान के अगले हिस्से को नुकसान हुआ। पायलट ने समझदारी से काम लिया। उन्होंने विमान को सुरक्षित लैंड करा लिया। लैंडिंग से पहले विमान को 40 मिनट तक हवा में रखा गया। विमान को पक्षी के टकराने से डेंट लगा है। पायलट की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया।

नहीं पसीजा लालू का दिल, आ गई तेज प्रताप वाली चिट्ठी, तेजस्वी के पटना पहुंचने के साथ एक्शन

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः तेज प्रताप को लेकर आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव का दिल नहीं पसीजा। एक सप्ताह बाद बैक डेट के साथ पार्टी से निकालने वाली चिट्ठी जारी कर दी गई। अपने निजी संबंधों की वजह से लालू यादव के बड़े बेटे विवादों में हैं। जिसके बाद सोशल मीडिया पर बयान जारी कर लालू यादव ने 6 साल के लिए पार्टी और परिवार से बेदखल करने का एलान कर किया था। अब आधिकारिक तौर पर आरजेडी की ओर से लेटर जारी किया गया है। तेज प्रताप के पार्टी से निष्कासन वाले लेटर पर 25 मई का डेट लिखा हुआ है। आरजेडी ऑफिस की ओर से जारी लेटर में लिखा हुआ है, 'माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के निर्देश के आलोक में श्री तेज प्रताप यादव को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह वर्षों के लिए निष्कासित किया जाता है।' चिट्ठी के नीचे में आरजेडी के राष्ट्रीय प्रधान सचिव अब्दल बारी सिद्दीकी का सिग्नेचर है। तेजप्रताप्यादव को आधिकारिक तौर पर राजद से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। पार्टी ने एक सप्ताह बाद निष्कासन का आदेश जारी किया। TejPratapYadav RJD NBTBihar Patna

pic.twitter.com/rtIdzCcDMn

दरअसल, तेजस्वी यादव बेटे के पिता बने थे और पूरा लालू परिवार कोलकाता में था। सोमवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पटना पहुंचे। एयरपोर्ट पर ही उन्होंने अपने बड़े भाई तेज प्रताप यादव के राजद से निष्कासन को सही ठहराया। तेजस्वी ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद ने जो निर्णय लिया है, वो पार्टी की भलाई के लिए है। उनका निर्णय सर्वोपरि है। मैं कुछ नहीं बोलूंगा। हालांकि, तेज प्रताप की ओर से घर के अंदर और बाहर 'जयचंद' कहे जाने के सवाल को तेजस्वी टाल गए। दरअसल, अनुष्का यादव नाम की एक लड़की के साथ तेज प्रताप के फोटो और वीडियो वायरल हुए थे। इसे लेकर जमकर बयानबाजी भी हो रही। इसके बाद तेज प्रताप ने पार्टी और परिवार के कुछ लोगों पर साजिश रचने का आरोप लगाया था। इन सबके बीच बिहार आरजेडी अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे सांसद सुधाकर सिंह ने तेज प्रताप के पक्ष में बयानबाजी की, मगर अब तेज प्रताप को पार्टी से 6 साल के निष्कासित कर दिया गया।

71 साल की उम्र में दूसरी शादी की तैयारी, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी से क्यों चाहिए स्पेशल परमिशन?

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

गयाः बिहार के 'कैनाल मैन' लौंगी भुइयां 71 साल की उम्र में दूसरी शादी करने की तैयारी कर रहे हैं। लौंगी भुइयां अकेले 3 किलोमीटर लंबी नहर बनाकर मशहूर हुए थे। उनकी पहली पत्नी का 2 साल पहले निधन हो चुका है। अकेलेपन से परेशान लौंगी भुइयां अब जीवनसाथी चाहते हैं। इसके लिए वे बिहार के मंत्री जीतनराम मांझी से अनुमति लेंगे। लोग उन्हें बिहार का दूसरा दशरथ मांझी मानते हैं। उन्होंने पहाड़ काटकर गांव तक पानी पहुंचाया था। अब वे दो नए तालाब खोद रहे हैं। शादी के लिए उन्हें 70 हजार रुपए की जरूरत है। 71 साल की उम्र में दूसरी शादी की तैयारी :बिहार के दूसरे दशरथ मांझी कहे जाने वाले लौंगी भुईयां 71 साल की उम्र में फिर से शादी करने जा रहे हैं। वे गया जिले के बांके बाजार में कोठीलवा गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि उनका रिश्ता रानीगंज की एक महिला से लगभग तय हो गया है। लेकिन, वे शादी से पहले जीतनराम मांझी से इजाजत लेना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी गया के सांसद भी हैं।

लौंगी भुईयां को लोग 'कैनाल मैन' भी कहते हैं। उन्होंने अकेले ही 3 किलोमीटर लंबी नहर खोद डाली थी। बिहार में दशरथ मांझी ने अकेले पहाड़ काटकर रास्ता बनाया था। आज भी लोग उस रास्ते का इस्तेमाल करते हैं। लोग उन्हें याद करते हैं और उनकी मेहनत को सलाम करते हैं। दशरथ मांझी के काम की चर्चा पूरी दुनिया में होती है। उनके जाने के बाद, लोग लौंगी भुईयां को उसी रूप में देखते हैं।

लौंगी भुइयां की पत्नी का हो गया है निधन :दशरथ मांझी से प्रेरणा लेकर लौंगी भुईयां ने ऐसा काम किया कि लोग उन्हें बिहार का दूसरा दशरथ मांझी कहने लगे। उन्होंने अकेले ही गांव में पानी लाने की ठानी। पहाड़ काटकर 3 किलोमीटर लंबी नहर बना दी। इस काम में उन्हें 30 साल लग गए। 71 साल की उम्र में भी वे काम कर रहे हैं। आजकल वे खजरहा जंगल के

पहाड़ों के बीच दो नए तालाब खोद रहे हैं। ये तालाब 100 फीट चौड़े और 12 फीट ऊंचे होंगे। इनका इस्तेमाल मछली पालन के लिए किया जाएगा। और यह सारा काम लौंगी भुईयां अकेले ही कर रहे हैं।

लौंगी भुईयां ने बताया कि दो साल पहले उनकी पत्नी रामरती देवी का देहांत हो गया था। पत्नी के जाने के बाद वे अकेले हो गए हैं। वे सुबह 5 बजे से पहले तालाब खोदने के लिए निकल जाते हैं और देर रात घर लौटते हैं। बहु अगर जागी रही तो खाना दे देती है नहीं तो हम खुद खाना निकालकर खा लेते हैं। जीतन राम मांझी से चाहिए स्पेशल परमिशन :लौंगी भुईयां ने बताया कि रानीगंज में रहने वाली एक महिला से उनका रिश्ता आया है। वो महिला भी उनसे शादी करने के लिए तैयार है। लेकिन, इस शादी के लिए 70 हजार रुपए की जरूरत है। लौंगी भुईयां ने कहा कि वे केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी से मिलेंगे और उनसे शादी की अनुमति लेंगे। अगर वो इजाजत देंगे तब ही हम शादी करेंगे। लौंगी भुईयां ने पहाड़ी जमीन को उपजाऊ बनाने के लिए 30 साल में 3 किलोमीटर लंबी नहर खोदी थी। जब महिंद्रा कंपनी को इस बारे में पता चला, तो उन्होंने लौंगी भुईयां को एक ट्रैक्टर गिफ्ट किया। लौंगी भुईयां का मकसद गांव तक पानी पहुंचाना है। अब वे दो नए तालाब खोदने में लगे हैं। अब देखना यह है कि 71 साल की उम्र में शादी करने की इजाजत केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी देते हैं या नहीं

भाजपा के प्रवक्ता ने गुस्से में पार्टी छोड़ी, पीएमसीएच कांड पर बिफरे; क्या नहीं लिख दिया

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना :कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए भाजपा के बिहार भाजपा के प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उनका कहना है कि उन्होंने यह फैसला पीएमसीएच में डॉक्टरों की लापरवाही से बच्ची की मौत के बाद भी लापरवाही करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने की वजह से की है। हाल के दिनों में बढ़ी अपराध की घटनाएं और उसके बाद पीएमसीएच में ऊपर से नीचे तक धारदार हथियार से फाड़ दी गई रेप का शिकार हुई बच्ची के मामलों में आपका रुख हैरान करने वाला दिखा। आपराधिक घटनाओं के पीड़ित आप जैसे वीआईपी लोग तो होते नहीं, आम आदमी की पीड़ा से आपका क्या लेना-देना। मैंने पुलिसिया कार्यशैली पर सवाल क्या उठा दिए आप बौखला गए। पीएमसीएच कैंपस में एंबुलेंस में रेप पीड़िता वो बच्ची तड़पती रही जिसे बलात्कारी ने धारदार हथियार से कई जगहों पर फाड़ दिया था, उसे बेड नहीं मिला। इसके खिलाफ मैंने आवाज उठा दी तो आपको गुस्सा आ गया। बलात्कारी पर आपको गुस्सा नहीं आया, लापरवाह और भ्रष्ट अस्पताल प्रशासन पर आपको गुस्सा नहीं आया। है न कमाल की बात! मैं डॉक्टर संजय जायसवाल नहीं हूं जो एक घुड़की में पोस्ट डिलीट कर के फरार हो जाऊंगा। मैं निजी स्वार्थों को मानवीय गरिमा से ऊपर नहीं रख सकता। आपके साथ मेरा चलना अब संभव नहीं है। आपने पार्टी में प्रवक्ता के तौर पर मुझे अवसर दिया इसके लिए आपका आभार। और, इसी आभार के साथ कीजिए मेरा इस्तीफा स्वीकार, नमस्कार।

यूट्यूबर मनीष कश्यप के मामले में प्राथमिकी दर्ज ,पीएमसीएच डॉक्टर और कर्मचारियों पर आरोप

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटनाः 19 मई को बीजेपी नेता और बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप के साथ पीएमसीएच में मारपीट हुई थी. उन्होंने आरोप लगाया कि डॉक्टरों ने उनको बुरी तरह पीटा और कमरे में तीन घंटे तक बंधक बनाकर रखा. उनके मोबाइल छीन लिए और सादा कागज पर जबरन दस्तखत करवा लिए. हालांकि दोनों पक्ष में किसी ने भी मामला दर्ज नहीं कराया था लेकिन अब 10 दिन के बाद पटना के पीरबहोर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. अज्ञात डॉक्टरों के खिलाफ मुकदमा दर्जः मनीष कश्यप के नजदीकी सहयोगी मोहन तिवारी ने पटना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में यूट्यूबर के साथ मारपीट को लेकर पीरबहोर थाने में केस दर्ज कराया है. उन्होंने पीएमसीएच के कुछ अज्ञात डॉक्टरों और अस्पताल कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है. पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है. शारीरिक प्रताड़ना और धमकी का आरोपः मोहन तिवारी ने आरोप लगाया है कि पीएमसीएच के कुछ डॉक्टरों और कर्मचारियों ने मनीष कश्यप के साथ मारपीट की और उन्हें धमकाया. मामले में बीएमएस की कई धाराएं लगाई गईं हैं, जिसमें शारीरिक प्रताड़ना और धमकी शामिल है. क्या बोला अस्पताल प्रबंधन?ः पीएमसीएच प्रशासन ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है. हालांकि अस्पताल सूत्रों का कहना है कि मामले को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है. उनका दावा है कि मनीष कश्यप ने अस्पताल में अशांति फैलाने की कोशिश की थी, जिसके बाद ही उन्हें रोका गया था. छानबीन में जुटी पुलिसः इधर, केस दर्ज होने के बाद

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है. थाना प्रभारी अब्दुल हलीम ने बताया कि जल्द ही अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाएगी और संबंधित डॉक्टरों और कर्मचारियों से पूछताछ की जाएगी. उन्होंने कहा कि अगर आरोप सही पाए गए तो आरोपियों के खिलाफ कानूनी सम्मत कार्रवाई की जाएगी.

मनीष कश्यप के करीब मोहन तिवारी के द्वारा लिखित शिकायत दी गई है. उस मामले को लेकर एफआईआर दर्ज किया गया है. हालांकि चार दिन पहले ही शिकायत की गई थी और मामला दर्ज कर लिया गया था, अब मामले की जांच की जा रही है.- अब्दुल हलीम, थाना प्रभारी, पीरबहोर थाना

क्या है मामला?ः दरअसल, 19 मई को मनीष कश्यप किसी मरीज की मदद के लिए पीएमसीएच पहुंचे थे. जहां उनकी अस्पताल के कुछ कर्मचारियों और डॉक्टरों के साथ तकरार हो गई. इसके बाद उनके साथ मारपीट की गई. घटना के बाद मनीष ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी और आरोप लगाया कि अस्पताल प्रशासन ने उनके साथ मारपीट की और धमकियां दी.

बिना तपे निकल गए नौतपा

जबलपुर,। नौतपा के नौवें और अंतिम दिन भी पारा 37 डिग्री पर ही स्थिर रहो इस साल नौतपा अपने तेवर दिखाए बिना विदा हो गए। पूरे 9 दिन तक पारा 36 से 38 के बीच झूलता रहा, लेकिन उमस भरी गर्मी ने जमकर परेशान कियो नौतपा के छटवें दिन जहां हल्की वर्षा दर्ज हुई वहीं कुछ दिन बूंदाबांदी भी हुई आखिरी दिन जमकर तपन महसूस हुई। दोपहर बाद बादल छाये और उमस का वातावरण बना रहा। शाम ढलने के बाद भी तपन और उमस हावी रही। नौतपा में पूरे नौ दिन बादलों और हवाओं के बीच गुजरे, एक भी दिन पारा 40 डिग्री के ऊपर नहीं जा पायो अगले 24 घंटों के दौरान संभाग में वर्षा और धूल भरी आंधी की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग की मानें तो प्री मानसून का सिस्टम अभी डेवलप नहीं हुआ है और दक्षिण पश्चिम मानसून 16 जून तक आने की संभावना है आसमान पर बादलों की आवक जावक बनी रही। इससे उमस घेरे रही। सोमवार की सुबह से ही मौसम साफ रहा। जिससे तापमान को उछाल लेने का मौका मिला। तेज तपन से गर्मी महसूस की गई और बादलों की वजह से उमस ने हलाकान किया।

कौन हैं UPSC टॉपर शुभम की पत्नी, बिहार के आईएएस ने रचायी शादी

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

कटिहारः शुभम कुमार तो याद ही होंगे, अरे वही जो UPSC 2020 में टॉपर बने थे. इन्होंने अब शादी कर ली है. आईएएस शुभम कुमार वर्तमान में भागलपुर में नगर आयुक्त हैं. शुभम प्रियांगी के साथ वैवाहिक बंधन में बंध गए हैं. एक जून को पटना के मर्चा मिर्ची स्थित जंगल रिसोर्ट में शादी का आयोजन किया गया. कौन हैं शुभम कुमार?ः बिहार कैडर के आईएएस शुभम कुमार मूल रूप से कटिहार के कदवा प्रखंड के कुमरी गांव के रहने वाले हैं. पिता का नाम देवानंद सिंह है और माता का नाम पूनम सिंह हैं. पिता देवानंद सिंह पूर्णिया में उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक में बतौर मैनेजर के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं. पिता ने कहा कि 'बेटे को ऊंचाइयों पर देख मन प्रफुल्लित हो रहा है.' इन्होंने पूर्णिया के विद्या बिहार आवासीय विद्यालय से पढ़ाई की. आईआईटी बॉम्बे से सिविल इंजीनियरिंग करने के बाद दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी करते थे. तीसरे प्रयास में पूरे देश में टॉप किए थे. कौन हैं प्रियांगी मेहताः प्रियांगी मेहता मूल रूप से पटना के संदलपुर की रहने वाली हैं. इन्होंने बीपीएससी 68वीं में टॉप की थीं. बीएचयू से राजनीति विज्ञान में ग्रेजुएट प्रियांगी पहले प्रयास में बीपीएससी टॉपर बनी थी. इनका सपना आईएएस बनना था. इसके लिए इन्होंने यूपीएससी की परीक्षा दी थी. इन्हें 261वां रैंक आया था. वर्तमान में आईआरएस हैं. प्रियांगी पटना के एक प्राइवेट स्कूल से पढ़ाई की हैं. इनके पिता मिथलेश गुप्ता पटना के बहादुर में एक कंप्यूटर सर्विस सेंटर चलाते हैं. प्रियांगी अपने पिता की तीन बेटियों में सबसे बड़ी हैं. दूसरी बेटी अदिति बी.कॉम की पढ़ाई कर रही है. तीसरी आस्था नीट की तैयारी कर रही हैं. शुभम कुमार और प्रियांगी मेहता प्रशासनिक परीक्षा में टॉप कर अधिकारी बन गए. परिवार का नाम रोशन करने साथ अपने जीवन को भी चार चांद लगाए. दोनों एक नए जीवन की शुरूआत कर रहे हैं. शुभम कुमार और प्रियांगी की शादी पर प्रशासनिक अधिकारी, नेता सहित शुभचिंतक बधाई दे रहे हैं

अब ड्रोन वॉर का टाइम है... चीन, पाक के मुकाबले भविष्य की चुनौती के लिए कितना तैयार है भारत!

अनिल कुमार

नई दिल्ली : यूक्रेन ने हाल ही में रूसी सीमा में दाखिल होकर उसे एयरबेस पर बड़ा हमला किया। यूक्रेन के अनुसार इस हमले में रूस के 40 फाइटर प्लेन तबाह हो गए। इस हमले को सबसे खास बनाता है इसका तरीका। यूक्रेन ने ड्रोन के जरिये इन हमलों को अंजाम दिया। हमले के लिए ट्रकों में लादकर ड्रोन रूसी सीमा के काफी भीतर तक ले जाया गया। इसके बाद बड़े हमले को अंजाम दिया है। दूसरी तरफ, ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के साथ ही भारत की तरफ ड्रोन अटैक की बड़ी भूमिका सामने आई थी। इससे पहले सितंबर 2019 में पूर्वी सऊदी अरब के अबकैक और खुरैस में सऊदी अरामको की तेल फैसिलिटी पर हुए हमले ने सबका ध्यान खींचा था। इन हमलों से एक बात तो तय है कि भविष्य के युद्ध में ड्रोन और काउंटर ड्रोन की भूमिका काफी अहम हो गई है। ऐसे में जानते हैं कि भारत भविष्य में होने वाले ड्रोन वॉर के लिए कितना तैयार है।

> आज भारत में ड्रोन तकनीक को व्यापक रूप से अपनाया जा रहा है। सरकार इसके विस्तार में सक्रिय रूप से सहयोग कर रही है। युद्ध के मैदान में ड्रोनों का बहु-स्तरीय महत्व, खुफिया, निगरानी और टोही (आईएसआर) उपकरण के रूप में उनकी पारंपरिक भूमिकाओं से कहीं आगे बढ़कर स्थापित हो रहा है। भारतीय सशस्त्र बलों ने रूस यूक्रेन युद्ध समेत अन्य संघर्षों से सबक ले रही है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हमारे लिए सबसे बड़ी सीख यह है कि ड्रोन कंपनियों के लिए विस्फोटक और हथियार उद्योग के साथ सहयोग करना कितना महत्वपूर्ण है। ड्रोन अब सिर्फ निगरानी के लिए नहीं हैं। उन्हें पेलोड ले जाने, बम गिराने और कामिकेज मिशन को अंजाम देने की जरूरत है। साथ ही वे ऐसी स्थिति से निपटने के लिए अपनी रणनीति और कार्यनीति तैयार कर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में स्टार्ट-अप सहित प्राइवेट कंपनियों को सशस्त्र बलों के लिए उपयोगी तकनीकें विकसित करने में मदद करने के लिए कार्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें से कई प्रोजेक्ट ड्रोन और काउंटर-ड्रोन तकनीकों से संबंधित हैं।

रक्षा मंत्रालय कर रहा काम : भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना पिछले एक दशक से आधुनिक युद्ध में ड्रोन के बढ़ते महत्व को समझ रही है। आज भारत में ड्रोन तकनीक को व्यापक रूप से अपनाया जा रहा है। सरकार इसके विस्तार में सक्रिय रूप से सहयोग कर रही है। युद्ध के मैदान में ड्रोनों का बहु-स्तरीय महत्व, खुफिया, निगरानी और टोही (आईएसआर) उपकरण के रूप में उनकी पारंपरिक भूमिकाओं से कहीं आगे बढ़कर स्थापित हो रहा है। भारतीय सशस्त्र बलों ने रूस यूक्रेन युद्ध समेत अन्य संघर्षों से सबक ले रही है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हमारे लिए सबसे बड़ी सीख यह है कि ड्रोन कंपनियों के लिए विस्फोटक और हथियार उद्योग के साथ सहयोग करना कितना महत्वपूर्ण है। ड्रोन अब सिर्फ निगरानी के लिए नहीं हैं। उन्हें पेलोड ले जाने, बम गिराने और कामिकेज मिशन को अंजाम देने की जरूरत है। साथ ही वे ऐसी स्थिति से निपटने के लिए अपनी रणनीति और कार्यनीति तैयार कर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में स्टार्ट-अप सहित प्राइवेट कंपनियों को सशस्त्र बलों के लिए उपयोगी तकनीकें विकसित करने में मदद करने के लिए कार्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें से कई प्रोजेक्ट ड्रोन और काउंटर-ड्रोन तकनीकों से संबंधित हैं।

स्वदेशी ड्रोन तकनीक का विकास : रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने ड्रोन रोधी प्रणालियों जैसे डी4 सिस्टम और भर्गवास्त्र सिस्टम विकसित किए हैं। ये रडार और मिसाइलों के माध्यम से ड्रोन को नष्ट करने और ड्रोन स्वार्म को निष्क्रिय करने में सक्षम हैं। ये सिस्टम हाल के संघर्षों में प्रभावी सिद्ध हुए हैं। भारत स्वार्म ड्रोन तकनीक पर ध्यान दे रहा है, जो भविष्य के युद्धों में महत्वपूर्ण हो सकती है। यह तकनीक कई ड्रोनों को एक साथ समन्वित हमले के लिए उपयोग करने में सक्षम है। आकाशतीर डिफेंस सिस्टम और छ-70 गनः भारतीय सेना ने इन प्रणालियों का उपयोग कर लंबी दूरी से ड्रोन और मिसाइल हमलों को 100% सफलता के साथ नष्ट किया है।

लेजर वेपन सिस्टम : अप्रैल 2025 में, आंध्र प्रदेश के कुरनूल में 30 किलोवाट लेजर आधारित हथियार प्रणाली का प्रदर्शन किया गया, जो फिक्स्ड-विंग ड्रोन, मिसाइलों और स्वार्म ड्रोन को नष्ट करने में सक्षम है।

हार्पी ड्रोन : भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हार्पी ड्रोन का उपयोग कर पाकिस्तान के H Q-9 एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट किया, जो इसकी एडवांस ड्रोन तकनीक को दर्शाता है। भविष्य में वॉर के प्रमुख स्तंभ ड्रोन और काउंटर-ड्रोन हैं। ये मुख्य रूप से किसी भी युद्ध में सबसे आगे होंगे जो आज, कल या भविष्य में कभी भी होने वाला है। यह उद्योग अरबों डॉलर का है।

नीतिगत और रणनीतिक उपाय : भारत ने ड्रोन के उपयोग और विकास को बढ़ावा देने के लिए ड्रोन नियम 2021 लागू किए हैं। इन्हें समय-समय पर अपडेट किया गया है। यह सैन्य और नागरिक दोनों क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक को बढ़ावा देता है। भारत ने घरेलू स्तर पर एंटी ड्रोन सिस्टम डेवलप करना शुरू कर दिया है। इसमें दुश्मन ड्रोन को रोकने और पकड़ने के लिए आरएफ चैंबर और जीपीएस-आधारित नेट जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस क्षेत्र में भारत की तीव्र प्रगति ने इसे ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर ड्रोन डिफेंस में एक मजबू शक्ति बना दिया है। आधुनिक युद्ध में पैदल सेना की बजाय ड्रोन पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। ऐसे में युद्ध में किसी राष्ट्र की सफलता अब काफी हद तक उसकी तकनीकी क्षमताओं की मजबूती पर निर्भर करती है।

मिलिंद राज, ड्रोन टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट : इसके अलावा भारत ने ड्रोन और रक्षा तकनीकों के लिए अमेरिका, इजरायल और अन्य देशों के साथ सहयोग बढ़ाया है। हाल में भारत और अमेरिका के बीच एक बड़े रक्षा समझौते की चर्चा है। इसके जरिये ड्रोन और मिसाइल तकनीकों को और मजबूत कर सकता है। अडानी ग्रुप और भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड भी एंटी-ड्रोन सिस्टम विकसित कर रहे हैं।

ड्रोन वॉर में भविष्य की संभावना : भारत ड्रोन और रक्षा प्रणालियों में आत्मनिर्भरता पर जोर दे रहा है। डीआरडीओ और निजी क्षेत्र की कंपनियां जैसे टाटा, अदानी डिफेंस, और स्टार्टअप्स ड्रोन तकनीक में इनोवेशन कर रहे हैं। भारत स्वायत्त ड्रोनों और एआई-आधारित युद्ध प्रणालियों पर काम कर रहा है। ये भविष्य में ड्रोन युद्ध की रणनीतियों को और प्रभावी बनाएंगे। हालांकि, चीन और अमेरिका के साथ ही पाकिस्तान पहले ही सशस्त्र ड्रोन युद्ध क्षमता में आगे हैं लेकिन भारत की मौजूदा रणनीति और हाल के प्रदर्शन को देखते हुए, वह भविष्य के ड्रोन युद्ध में मजबूत स्थिति में है।

गुर्जरों का बीजेपी से मोहभंग, 8 जून को राजस्थान में महापंचायत

ब्यूरो

राजस्थान में भजन लाल शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर गुर्जर समुदाय के नेताओं ने 17 महीने की सत्ता में उनकी मांगों को अनसुना करने का आरोप लगाया है। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने कहा कि सरकार ने गुर्जर समुदाय के लिए "जीरो" काम किया है, जिसके चलते समुदाय ने 8 जून को भारतपुर के पिलूपुरा गांव में रेलवे ट्रैक के पास महापंचायत बुलाने का फैसला किया है। गुर्जर समुदाय का यह कदम अप्रत्याशित माना जा रहा है। क्योंकि विजय बैंसला पर बीजेपी नेता की छाप लगी हुई है। विजय बैंसला, गुर्जर आरक्षण आंदोलन के जनक स्वर्गीय कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे हैं। उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर टोंक के डेरोली-उनियारा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन कांग्रेस के उम्मीदवार से हार गए। उन्होंने 23 मई को पिलूपुरा के शहीद स्थल से महापंचायत का प्रस्ताव रखा, जो 2008 के आंदोलन का केंद्र था, जहां पुलिस की गोलीबारी में कई गुर्जर प्रदर्शनकारियों की मौत हुई थी। विजय ने कहा, "पिछले 17 महीनों से हम सरकार से लगातार बात कर रहे हैं, लेकिन कोई प्रगति नहीं हुई। इसलिए समुदाय के नेताओं ने महापंचायत बुलाने का फैसला किया। गुर्जर समुदाय ने महापंचायत के लिए बड़े पैमाने पर जुटान शुरू कर दी है। कई घरों में पीले चावल (पीले चावल) भेजकर निमंत्रण दिया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों की मुख्य शिकायत रोस्टर सिस्टम से संबंधित है, जो आरक्षण के लाभ को प्रभावित कर रहा है। वर्तमान में राजस्थान में 64% आरक्षण हैः 21% ओबीसी, 16% एससी, 12% एसटी, 10% ईडब्ल्यूएस और 5% एमबीसी के लिए। गुर्जरों को अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल में एमबीसी श्रेणी में शामिल किया गया था, लेकिन समिति का आरोप है कि रोस्टर सिस्टम के कारण स्थानीय स्तर पर आरक्षित पदों में कमी आ रही है। विजय ने बताया कि रोस्टर सिस्टम के कारण आरक्षण का "बिखराव" हो रहा है। उन्होंने कहा, "100 रिक्तियों में हमें 5 पद मिलने चाहिए, लेकिन सरकार इन पदों को तहसील, जिला और विभागों में बांट देती है। अगर किसी वर्ग में 18 पद होते हैं, तो एमबीसी को कुछ नहीं मिलता।" उन्होंने यह भी मांग की कि 2019 में हाई कोर्ट में दिए गए सरकार के बयान को लागू किया जाए, जिसमें कहा गया था कि एमबीसी उम्मीदवारों को पहले सामान्य श्रेणी, फिर ओबीसी और फिर एमबीसी श्रेणी में माना जाएगा। इसके अलावा, पिछले 6 सालों के बकाया एमबीसी नौकरियों और राजस्थान न्यायिक सेवा में बैकलॉग को भरने की मांग भी की गई। गुर्जर समुदाय ने 5% एमबीसी आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग दोहराई है, ताकि इसे न्यायिक समीक्षा से बचाया जा सके। इसके अलावा, 2006 से 2020 के बीच आरक्षण आंदोलनों के दौरान गुर्जर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज 794 मुकदमों में से 74 अभी तक वापस नहीं लिए गए हैं। विजय ने आरोप लगाया कि सरकार ने इन मुकदमों को वापस लेने के बजाय कुछ आरोपियों की जमीन जब्त करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने मांग की कि आंदोलन में शहीद हुए लोगों के परिवारों को नौकरी और मुआवजा दिया जाए। विजय ने देवनारायण योजनाओं के तहत गुर्जर छात्रों के लिए स्कॉलरशिप और स्कूटी वितरण में कमी की शिकायत की। उन्होंने कहा कि 2024 में देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना के लिए 20 करोड़ रुपये के बजट के बावजूद एक भी स्कूटी नहीं दी गई। 2024-25 में 50 करोड़ के बजट में से केवल 19 लाख रुपये खर्च हुए, और इस साल बजट का एक बड़ा हिस्सा लैप्स हो गया। उन्होंने देवनारायण बोर्ड की मासिक समीक्षा बैठक को फिर से शुरू करने की मांग की। महापंचायत को क्षेत्र के जाट समुदाय का भी समर्थन मिला है। जाट नेता नेम सिंह फौजदार, जो भारतपुर और धौलपुर के जाटों को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने की मांग कर रहे हैं, ने 8 जून के प्रदर्शन का समर्थन किया।

बीजेपी की मर्जी से बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में चिराग पासवान!

अभिषेक कुमार

पटना : केंद्रीय मंत्री और लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान के विधानसभा चुनाव लड़ने की अटकलों के बीच बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का बयान आया है। एलजेपी (आर) प्रमुख चिराग पासवान के बिहार चुनाव में उतरने के सवाल पर दिलीप जायसवाल ने कुछ इस तरह से जवाब दिया है जो कई राजनीतिक सवालों को जन्म देता दिख रहा है। दिलीप जायसवाल ने बेहद विनम्रता के साथ चिराग पासवान के विधानसभा चुनाव लड़ने के फैसले पर जवाब दिया है। चिराग पासवान को लेकर चर्चा है कि वह बिहार की राजनीति करने के लिए दिल्ली से लौटने की प्लानिंग में हैं। इतना ही नहीं, यह भी चर्चा है कि चिराग पासवान सामान्य सीट से विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी में हैं। चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (आर) इस वक्त एनडीए का घटक दल है। ऐसे में बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल से जब चिराग को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कोई भी नेता अपनी पार्टी की बेहतरी के लिए कहीं से भी चुनाव लड़ सकता है। दिलीप जायसवाल ने कहा, 'गठबंधन दल के नेता को और गठबंधन दल को कहां से किनको चुनाव लड़ना है ये उनका एकक्षत्र अधिकार है। इसलिए उसमें कहीं संशय ही नहीं होना चाहिए कि किसी दल के बारे में कोई चर्चा करने की आवश्यकता है। सभी दल को अपना-अपना अधिकार है कि वह अपने सीट का उपयोग जिस तरह से भी करना चाहे कर सकते हैं। दिलीप जायसवाल से जब पूछा गया कि एलजेपी (आर) के कार्यकर्ता चिराग पासवान को मुख्यमंत्री प्रत्याशी के रूप में प्रोजेक्ट कर रहे हैं, इसपर उन्होंने कहा कि किसी भी दल के नेता को अपने तरीके से पार्टी चलाने का अधिकार है। दिलीप जायसवाल ने जिस होशियारी से चिराग के फैसले पर बयान दिया है उसने कई सवालों को जन्म दे दिया है। सवाल उठने लगे हैं कि क्या बीजेपी की सहमती से चिराग यह फैसला लेना चाह रहे हैं। यह सवाल इसलिए भी खास क्योंकि 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में चिराग ने एनडीए से अलग होकर जेडीयू के खिलाफ प्रत्याशी उतारे थे, लेकिन बीजेपी के खिलाफ नहीं। इसका हश्र यह हुआ कि जेडीयू 43 सीटों पर सिमट गई और बीजेपी 74 सीटों के साथ एनडीए खेमे में सबसे बड़ा घटक दल बनकर उभरी।

पाकिस्तानी सेना के जाल में कैसे उलझ गए शहबाज? अब भारत से लगा रहे मदद की गुहार

संजीव कुमार

नई दिल्ली : पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बहुत बड़ी मुश्किल में फंस गए हैं। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद उनकी खुद की सेना ने ही जोश-जोश में उन्हें फंसा दिया है। विशेषज्ञ के मुताबिक पाकिस्तानी सेना न ही सरकार की बात मान रही है न ही वहां की पब्लिक की सुन रही है। ऐसे में शहबाज शरीफ मजबूर दिखाई दे रहे हैं। उन्हें देश की आर्थिक स्थिति की चिंता सता रही है।वहीं, भारत भी इस बार कुछ भी सुनने को तैयार नहीं हो रहा है। वहीं, शहबाद शरीफ किसी न किसी जुगाड़ से भारत से बातचीत कर सिंधु जल समझौता पर लगे ब्रेक को हटाना चाह रहे हैं और व्यापार को फिर से आगे बढ़ाना चाह रहे हैं। लेकिन पाकिस्तानी सेना ने जहां इसे इगो पर ले लिया है तो भारत भी अब सीधे आतंकवाद और पीओके पर बातचीत चाहता है। ऐसे में कहें तो शहबाज शरीफ को कुछ सूझ नहीं रहा है। शहबाज, कभी पाकिस्तानी सेना के सामने गिड़गिड़ाते नजर आ रहे हैं तो कभी भारत से मदद की गुहार लगा रहे हैं। पहलगाम हमले के बाद भारत ने लिए कई एक्शन :बता दें पहलगाम में हुए हमले के बाद भारत नेपाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। इससे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर दबाव बढ़ गया है। अब शरीफ ने भारत से बातचीत का प्रस्ताव रखा है। वे कश्मीर, पानी के बंटवारे और व्यापार जैसे मुद्दों पर बात करना चाहते हैं। भारत ने पहलगाम में 26 लोगों की मौत के बाद तीन तरह से जवाब दिया। पहला, भारत ने सिंधु जल संधि (क्हळ) को रोक दिया। साथ ही, पाकिस्तान के साथ सारा व्यापार भी बंद कर दिया। दूसरा, भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 100 किलोमीटर तक आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। शहबाज शरीफ दुनिया के अन्य देशों से लगा रहे पैरवी :शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह प्रस्ताव रखा। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस 26 मई को हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ कहा है कि आतंक और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। भारत पाकिस्तान से सिर्फ सीमा पार आतंकवाद पर बात करेगा। गांधीनगर में एक कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि सिंधु जल संधि को सिर्फ रोका गया है और वे पहले से ही बहुत परेशान हैं। अब सवाल यह है कि पाकिस्तान बातचीत के लिए इतना उत्सुक क्यों है? क्या सिंधु जल सिंधु के रुकने से उसे वाकई में परेशानी हो रही है?

पाकिस्तान को किस बात का डर : बता दें कि IWT एक समझौता है जिसके तहत भारत और पाकिस्तान सिंधु नदी के पानी का इस्तेमाल करते हैं। भारत ने फिलहाल इस समझौते को रोक दिया है, जिससे पाकिस्तान को पानी की कमी का डर है। इसलिए पाकिस्तान बातचीत करना चाहता है, ताकि इस समस्या का समाधान हो सके। लेकिन भारत का कहना है कि पहले पाकिस्तान को आतंकवाद पर लगाम लगानी होगी, तभी बातचीत हो सकती है। पाकिस्तान में नागरिक और सेना के बीच गहरी खाई :पाकिस्तान में नागरिक और सेना के बीच गहरी खाई है। जिंदल स्कूल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स के प्रोफेसर और डीन श्रीराम सुंदर चौलिया के अनुसार, शहबाज शरीफ की बातचीत का प्रस्ताव पाकिस्तान में नागरिक और सेना के बीच एक गहरी खाई को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पहले भी शरीफ भाइयों (नवाज और शहबाज) ने हमेशा भारत के साथ सहयोग करने की इच्छा दिखाई है। मुझे लगता है कि वे संघर्ष को बढ़ाने और उच्च स्तर पर बनाए रखने में मूर्खता देखते हैं। वे जानते हैं कि वे भारत के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्था बहुत कमजोर है और भारत से कम से कम 10 गुना छोटी है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान को लगता है कि भारत आर्थिक रूप से उससे बहुत आगे है।

पाकिस्तानी सेना फिर करवा सकती है आतंकवादी हमला : उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि पाकिस्तानी नेतृत्व को स्पष्ट संकेत हैं कि भारत दबाव बनाए रखेगा। अगर और आतंकी हमले होते हैं, तो जवाबी हमले और भी तेज होंगे। उन्हें विश्वास नहीं है कि पाकिस्तानी सेना जिहादी समूहों को और हमले करने से रोकेगी। इसलिए, यह एक ऐसा चक्रबन सकता है जो पाकिस्तान के लिए आपदा में समाप्त हो जाएगा। मुझे लगता है कि इन शांति प्रस्तावों के पीछे यही सोच है, जिसमें वे भारत के साथ बातचीत करना चाहते हैं। मतलब, पाकिस्तान को डर है कि अगर आतंकी हमले नहीं रुके तो भारत सख्त कार्रवाई करेगा, जिससे पाकिस्तान को नुकसान हो सकता है। इसलिए वो बातचीत करना चाहते हैं। सीधे शब्दों में कहें तो, पाकिस्तान के नेता भारत के साथ शांति चाहते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि लड़ाई में उनका कोई भविष्य नहीं है। वे भारत की ताकत को पहचानते हैं और टकराव से बचना चाहते हैं। वे बातचीत के जरिए मामले को सुलझाना चाहते हैं। वे ये भी मानते हैं कि उनकी सेना शायद आतंकियों को पूरी तरह कंट्रोल नहीं कर पाएगी, जिससे हालात और बिगड़ सकते हैं। इसलिए, शहबाज शरीफ का बातचीत का प्रस्ताव पाकिस्तान के अंदर की राजनीतिक और आर्थिक कमजोरियों को दिखाता है।

कश्मीर के मसले पर शहबाज पर पाकिस्तानी सेना का दबाव : कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान में अलग-अलग राय है। चाउलिया का कहना है कि शरीफ परिवार की राय, सेना और जिहादी समूहों की तुलना में थोड़ी नरम हो सकती है। वे आगे कहते हैं, लेकिन वे खुलकर ऐसा कह नहीं सकते। सेना का दबाव उन पर बना रहेगा। इसलिए, उनकी बातों में विरोधाभास दिखता है। एक तरफ, वे व्यापार और सामान्य रिश्तों की बात करते हैं। दूसरी तरफ, वे कश्मीर पर बात करना चाहते हैं। वे जानते हैं कि कश्मीर पर बातचीत शुरू करना भी बेकार है। चाउलिया के अनुसार, यह पाकिस्तान के अंदरूनी विरोधाभासों और नागरिक-सैन्य तनाव को दिखाता है। ये तनाव काफी गहरे हैं। भले ही पाकिस्तान में देशभक्ति की भावना बढ़ गई है और सेना की लोकप्रियता अचानक बढ़ गई है, लेकिन चाउलिया का मानना है कि यह सिर्फ एक अस्थायी लहर है। यह हमेशा नहीं रहने वाला। सीधे शब्दों में कहें तो, पाकिस्तान में कश्मीर को लेकर अलग-अलग विचार हैं। सरकार और सेना के बीच इस मुद्दे पर मतभेद हैं। इसलिए, उनकी बातों में स्पष्टता नहीं दिखती। एक तरफ वे रिश्ते सुधारना चाहते हैं, तो दूसरी तरफ कश्मीर का मुद्दा उठाते हैं। यह दिखाता है कि पाकिस्तान में सब कुछ ठीक नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रक से टकरा जाने से एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत

मांडर - मांडर में शिवमंदिर के निकट सोमवार को अहले सुबह बारात से लौट रही एक तेजरफ्तार बोलेरो के सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा जाने से उसमें सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी जबकि छह अन्य लोग घायल हो गये. मृत युवक की पहचान चान्हो के हुटार निवासी बलवंत साहू 25 वर्ष के रूप में की गयी है. वहीं हुटार के ही नीरज साहू 26 वर्ष, मनोहर साहू उर्फ भगत 32 वर्ष, अमर साहू 26 वर्ष, सुनील साहू 22 वर्ष, सूरज साहू 23 वर्ष एवं मनोज साहू 21 वर्ष घायल हुए हैं. जिन्हें मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद रिम्स रेफर किया गया है. घटना सुबह करीब साढ़े तीन बजे की है. जानकारी के अनुसार चान्हो के हूटार निवासी जतरु साहू के पुत्र दीपक साहू का बारात रविवार की रात को खूंटी जिला के कर्रा स्थित बनगाना लोया गांव गया था. वहीं से खा पीकर बोलेरो जेएच 01ई डब्ल्यू-7626 में सवार बाराती घर वापस लौट रहे थे. इस दौरान ही बोलेरो तेज रफ्तार के कारण असंतुलित होकर पहले से ही सड़क किनारे खड़ी ट्रक जेएच 12 बी-1779 से टकरा गयी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची मांडर पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद बोलेरो के अंदर फंसे मृत युवक व घायलों को बाहर निकाला और उन्हें रेफरल अस्पताल पहुंचाया. परिजनों के मुताबिक हादसे में मृत बलवंत साहू पिता सेवक साहू तीन भाइयों में मंझला था और मजदूरी का काम करता था!

जिले के विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 70 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःहिरणपुर प्रखंड के गोपालपुर, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के करियोडीह, अमड़ापाड़ा प्रखंड के हरिजनटोला में आयुष विभाग की ओर से सोमवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 70 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ० लवकुश यादव, डॉ अशोक मेहता एवं डॉ अमरेश कुमार ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

डीएओ ने राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा आपूर्ति किए गए धान बीज का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ सोमवार को जिला कृषि पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार द्वारा हिरणपुर लैंप्स में बीज विनिमय एवं वितरण योजना अंतर्गत राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा आपूर्ति किए गए धान बीज का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बीज का नमूना भी लिया गया जिसे अंकुरण जांच के लिए बीज परीक्षण प्रयोगशाला, रांची भेजा जाएगा। योजना अंतर्गत किसान 50 प्रतिशत अनुदान पर धान प्रभेद MTU-7029 का बीज प्राप्त कर सकते हैं।

वाहन जांच अभियान चलाकर वसूला गया जुमार्ना

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार जिला परिवहन पदाधिकारी के नेतृत्व में अमरापाड़ा थाना क्षेत्र में वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना हेलमेट, बिना ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले दो पहिया वाहनों की जांच की गई। कुल 14 वाहनों से 14950 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। वाहन जांच अभियान शाम 4:30 जनवरी से 6:30 बजे तक चला गया।

हाइवा की चपेट में आया बाइक एक युवक की हुई मौत दूसरा गंभीर रूप से घायल

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ सोमवार को शाम के समय मुफस्सिल थाना क्षेत्र के विक्रमपुर घोषपाडा के समीप एक दर्दनाक दुर्घटना घटी, जब एक तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार को कुचल दिया, जिससे एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृत व्यक्ति की पहचान सुल्तान के रूप में हुई है, जो कोटालपोखर का रहने वाला था। हादसा विक्रमपुर घोषटोला के पास हुआ, जब पाकुड़ से कोटालपोखर जा रही तेज रफ्तार हाइवा संख्या JH 16 G 4533 ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक व्यक्ति हाइवा के नीचे आ गया और बुरी तरह कुचल गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाइक पर दो लोग सवार थे और दोनों पाकुड़ से कोटालपोखर की ओर जा रहे थे। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है और पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

झारखंड लोकल बॉडी इंप्लाइज फेडरेशन के अध्यक्ष ने की नगर आयुक्त से मुलाकात

आयुक्त को सौंपा लंबित मांगों का पत्र

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-झारखण्ड लोकल बॉडीज इम्प्लाईज फेडरेशन के अध्यक्ष संजय मंडल ने नगर आयुक्त को एक मांग पत्र सौंपते हुए तत्काल कार्यवाई की मांग किया है।अपने लंबित मांगों को दशार्ते हुए कहा है कि कर्मचारियों का ईपीएफ,पीएफ,एमएसीपी,ग्रेच्युटी आदि की मांग वर्षों से लंबित है।बार बार श्रीमान के द्वारा अस्वासन देनें के बावजुद आज तक मांगों को पूरा नहीं किया गया।जिससे कर्मचारियों में आक्रोस की भावना बढ़ रही है।इसके अलावा दैनिक कर्मियों का 30 महीने से ईपीएफ बकाया है,जो लगभग एक करोड़ पचास लाख रुपया है।ईपीएफ जमा नहीं होनें के कारण कर्मचारियों के साथ अन्याय किया जा रहा है।इस लिए एक मुस्त ईपीएफ की राशि जमा किये जायें।स्थाई कर्मियों का पीएफ लगभग 50 लख रुपए हो चुका है, जो अभी तक जमा नहीं किया गया है।सरकार के निर्देश के अनुसार स्थाई कर्मियों का प्रत्येक 10 साल 20 साल और 30 साल में एमएसीपी निर्धारण होता है लेकिन निगम कार्यालय में आज तक किसी भी स्थाई कर्मियों का एमएसीपी निर्धारित नहीं किया गया है।साथ ही सरकार के आदेश के अनुसार इसे निर्धारित करने का अधिकार निगम के लेखा पदाधिकारी को है, लेकिन लेखा पदाधिकारी संवेदक के बिल भुकतान के अलावे कोई कार्य नहीं करते हैं।अभिलंब सभी की एमएसीपी निर्धारण किया जाए।सेवानिवृत्ति के बाद स्थाई कर्मियों को ग्रेच्युटी का लाभ नहीं मिल रहा है इसका भी भुगतान अभिलंब किया जाए।सभी पंप चालकों का समान वेतन भुगतान करवाया जाए,सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी का भुगतान पंप चालकों को सुनिश्चित किया जाए जैसे अन्य कई मांगों को रखते हुए कहा गया है,कि उक्त सभी को जल्द पूरा किया जाए नहीं तो फेडरेशन आंदोलन को बाध्य होगा।

पीड़ित परिवार के घर पहुंचे झामुमो जिला अध्यक्ष संजय शर्मा

मंत्री हफिजूल अंसारी को वस्तु स्थिति से करवाया अवगत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-सारवां के बनियाडीह गाँव में बीते 12 वर्षीय दलित बचे की निर्मम हत्या के संदर्भ में झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक एवं जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन के निदेर्शानुसार देवघर जिला झामुमो जिला अध्यक्ष संजय शर्मा अपने कार्यकर्ता श्याम कांत झा,नंदकिशोर दास, गोपाल दास,सत्येंद्र हाजरा,मुनेश्वर मांझी एवं अन्य के साथ मृतक परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त किया एवं हाल-चाल लिया,साथ ही परिवार को हर संभव मदद एवं दोषी व्यक्तियों के ऊपर शख्त करवाई हेतु आश्वासन दिए!सारवां थाना प्रभारी ने जिला कमेटी की अगुवाई में पीड़ित परिवारों एवं गांव के समुदायों के बीच में संवाद स्थापित कराया! जिला अध्यक्ष पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता के लिए सारवां प्रखंड पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी से कार्यालय में मिलकर पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करने की बातें की। साथ ही जिला अध्यक्ष ने सारी विषय वस्तु को फोन से मंत्री हफिजूल को अवगत कराए!मौके पर जिला अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि दलित,पिछड़ों,गरीबों के हक और अधिकार के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा हर समय उनके साथ है!

रांची एनजीओ एसोसिएशन का हुआ गठन

मानव कुमार संयोजक एवं शिव किशोर शर्मा बने जनसंपर्क अधिकारी

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - नेशनल एनजीओ कल्ब से संबद्ध झारखण्ड एनजीओ एसोसियेशन की बैठक न्यू एजी कालोनी कडरू में संपन्न हुई। इस बैठक मे रांची एनजीओ एसोसिएशन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्व सम्मति से संरक्षक डा.रंजीत उपाध्याय, अध्यक्ष विशाल कुमार, महासचिव शिवेन्द्र कुमार मिश्रा, सचिव मो.कमरान अहमद, कोषाध्यक्ष जयपाल महतो, जन संपर्क अधिकारी शिवकिशोर शर्मा एवं संयोजक मानव कुमार चुने गए। झारखंड के संयोजक सत्यजीत 'सोनू' जी के द्वारा उपरोक्त नव निर्वाचित सभी पदाधिकारियों को एक वर्ष के लिये ही मनोनीत किया गया है साथ ही रांची में जल्द ही एनजीओ स्टेट कान्फ्रेंस किए जाने पर सहमति भी बनी । आज की बैठक में मुख्यरूप से झारखंड एनजीओ एसोसिएशन के संयोजक सत्यजीत सोनू,धनवाद से नागेन्द्र कुशवाहा,मो.नासीर शाह,चतरा से रोहित कुमार,गुमला से विनय कुमार केशरी,जमशेदपुर से करूण भगत आदि उपस्थित हुए। इस बैठक की अध्यक्षता विशाल कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन सत्यजीत सोनू द्वारा किया गया।एनजीओ को एकजुट होकर राज्य के विकास कार्य में योगदान के लिए आह्वान करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई। यह जानकारी शिव किशोर शर्मा ने दी है।

कृषि वैज्ञानिक ने किसानों को किया जागरूक

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

कृषि विज्ञान केन्द्र, देवघर द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत सोनारायथाडी प्रखंड के अंतर्गत कुसुमठार, जरका- 2 एवं सोनारायथारी पंचायत में कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि वैज्ञानिक डॉ विवेक कश्यप ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया . कृषि विज्ञान केन्द्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ विवेक कश्यप ने किसान भाइयों को खरीफ फसल की वैज्ञानिक खेती, मौसम संबंधित जानकारी, प्राकृतिक खेती, मशरुम उत्पादन, रोग और कीट प्रबंधन जैसी विषय पे विस्तार में चर्चा किया । साथ ही किसान भाई अपने बिभिन्न समस्याओं को व्यक्त किए जिनके हल निकालने के प्रयास किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा यह अभियान देवघर जिले के बिभिन्न गांव में 29 मई से 12 जून तक चलाया जाएगा, जिसके तहत कृषि वैज्ञानिक अपनी तकनीकी जानकारी किसान भाइयो की घर के द्वार पहुँच कर साझा करेंगे और किसान भाइयो की समस्या के हल निकालने का भरपूर प्रयास करेंगे जिनका मुख्य उद्देश्य है खेती में लागत को कम करना और उत्पादन की वृद्धि करना। इस दौरान शाओंन चक्रवर्ती मौसम वैज्ञानिक सहित सेंकड़ों किसान उपस्थित थे.

गौपालन से मिला मोहम्मद हसनुज्जमान को राज्य स्तरीय पर पहचान और सम्मान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःमोहम्मद हसनुज्जमान को वर्ष 2022 में गौपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य स्तर पर द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार न केवल उनके परिश्रम और समर्पण का प्रमाण है, बल्कि यह दशार्ता है कि यदि कार्य में निष्ठा हो तो वह राज्य और देश स्तर पर भी पहचान दिला सकता है। इस सम्मान से उन्हें और अधिक प्रेरणा मिली और उन्होंने अपने व्यवसाय में और अधिक नवाचार व विस्तार किया। पाकुड़ जिले के रहसपुर गांव के निवासी मोहम्मद हसनुज्जमान आज एक प्रगतिशील डेयरी कृषक के रूप में पूरे जिले के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने एम.ए. और बी.एड. की उच्च शिक्षा प्राप्त की, लेकिन पारंपरिक नौकरी की राह पर चलने के बजाय उन्होंने स्वरोजगार का मार्ग चुना।

स्वरोजगार की ओर कदम

हसनुज्जमान ने 'कामधेनु डेयरी फार्मिंग योजना' के तहत 10 दुधारू गायों को अनुदानित दर पर प्राप्त कर अपनी डेयरी यूनिट की नींव रखी। यह योजना पशुपालन विभाग के माध्यम से चलाई जा रही एक महत्वपूर्ण पहल है, जो ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है।

निरंतर प्रगति और नवाचार

डेयरी की शुरूआत के बाद, उन्होंने मेहनत, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन के बल पर अपने व्यवसाय को तेजी से बढ़ाया। उन्होंने न सिर्फ आसपास के गांवों में दूध की नियमित आपूर्ति शुरू की, बल्कि पाकुड़ शहर में 'शुद्ध स्वीट्स एंड मिल्क पार्लर' नाम से एक दुकान भी खोली। इस पार्लर में वे अपनी डेयरी के ताजे दुग्ध उत्पादों जैसे दूध, दही, छाछ, घी तथा विभिन्न प्रकार की मिठाइयों की बिक्री करते हैं।

आर्थिक और सामाजिक प्रभाव

मोहम्मद हसनुज्जमान आज

प्रत्यक्ष रूप से पांच लोगों को रोजगार दे रहे हैं और कई अन्य लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। उनकी सफलता ने यह दिखा दिया है कि शिक्षा और कृषि/पशुपालन के संयोजन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया आयाम दिया जा सकता है।

पशुपालन का महत्व

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में पशुपालन ग्रामीण जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। यह न केवल पोषण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि किसानों की आय का एक स्थायी स्रोत भी प्रदान करता है। दुग्ध उत्पादन, जैविक खाद, पशु शक्ति और रोजगार सृजन जैसे कई पहलुओं में पशुपालन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं जैसे राष्ट्रीय गोकुल मिशन, कामधेनु योजना, पशुधन बीमा योजना आदि पशुपालकों को आर्थिक, तकनीकी और संरचनात्मक सहायता प्रदान करती हैं। ऐसे में हसनुज्जमान जैसे उदाहरण यह सिद्ध करते हैं कि यदि इन योजनाओं का सही उपयोग किया जाए, तो आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हो सकता है। मोहम्मद हसनुज्जमान की कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही सोच, परिश्रम और योजनाओं का लाभ लेकर कोई भी व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्र में रहकर भी आर्थिक रूप से सशक्त बन सकता है। उनकी सफलता न केवल व्यक्तिगत उन्नति की कहानी है, बल्कि यह पूरे समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देती है।

अपहरण के मामले में आरोपी को मालपहाड़ी ओपी पुलिस ने किया गिरफ्तार

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ एक लड़की के अपहरण मामले में एक आरोपी को मालपहाड़ी ओपी पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार मालपहाड़ी ओपी थाना में आरोपी भगन मरांडी के खिलाफ कांड संख 156/25 के तहत एक जून को पीड़िता के बयान पर केस दर्ज किया गया था। पुलिस केस दर्ज करते हुए आरोपी भगन मरांडी को सुंदरापहाड़ी गांव में छापेमारी करते हुए उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इधर मामले को लेकर ओपी प्रभारी अंशु कुमार उपाध्याय ने बताया कि पीड़िता के बयान पर केस दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

इलाज के अभाव में तड़प तड़प कर दम तोड़ दिया रेप पीड़िता-डॉ सुरेश पासवान

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर सुरेश पासवान ने कहा है कि मुजफ़्फरपुरजिला अंतरगत कुढ़नी ब्लॉक के रहने वाली 11 वर्षीय छात्रा के साथ हैवानियत की हदें पार करते हुए सामूहिक बालातकार किया गया तथा रेप के पश्चात उसके कई नाजुक अंगों को चाकुओं से गोदकर अधमरा करके फेक दिया गया।किसी तरह से उसके परिजन उसे इलाज के लिए एसकेएमसीएच ले गए जहाँ के डॉक्टरों के द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु ढटउऌ पटना रेफर कर कर दिया गया । PMCH इमरजेंसी के पास तीन घंटे तक एम्बुलेंस में बच्ची तड़पती रही लेकिन निर्दयी नीतीश सरकार के डॉक्टरों के द्वारा यह कहते हुए हैं इलाज करने से मना कर दिया कि बेड उपलब्ध नहीं है।बच्ची तड़पती रही लेकिन PMCH प्रशासन तमाशबीन बना रहा।परिजनों के द्वारा काफी हो हल्ला जब मचाया गया तब चार घंटे के बाद एंबुलेंस से उतार कर इमरजेंसी वार्ड के जमीन पर लेटाकर इलाज शुरू किया गया गया लेकिन तबतक काफी लेट हो चुका।काफी विलंब होने के चलते हैं उसके अंदरूनी जख्मों और अंगों के द्वारा काम करना बंद कर दिया जिसके बाद बच्ची इलाज के अभाव में तड़पते तड़पते दम तोड़ दिया। मैं बिहार सरकार के मुखिया नीतीश कुमार और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे को सीधे सीधे इस रेप पीड़िता बच्ची के मौत का ज़िम्मेवार मानता हूँ कि यदि समय पर इलाज शुरू हो जाता तो बच्ची की जान बचायी जा सकती थी इसलिए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे को अविलंब मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए।क्योंकी इनके विभाग में भ्रष्टाचार और लाल फीताशाही का बोलबाला कायम है।स्वयं तो ये बड़ी बड़ी बातें करते रहते हैं लेकिन धरातल पार सीधे सीधे अस्पतालों को दलालों के हवाले सौंप दिए है चाहे PMCH हो आइजीआईएमएस या एम्स पटना बिना दलाल के बेड मिलना स्वभाव ही नहीं नामुमकिन हो गया है । बिहार के स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो गया है। और इसके लिए सीधे सीधे स्वास्थ्य मंत्री ही ज़िम्मेवार है। इस घटना की उच्चस्तरीय जाँच कराते हुए जो भी इसमें दोषी पाए जाते हैं उनके ऊपर कठोर से कठोर विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

पत्थर खदान में खड़ी दो पोकलेन व दो हाइवा में अज्ञात अपराधियों ने लगाई आग

मंडरो:

मिजाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत दामिनभीठा मौजा में स्थित जय माता दी स्टोन वर्क्स पत्थर खदान में बीती रात रविवार को अज्ञात अपराधियों ने दो पोकलेन एवं दो हाइवा में लगाई आग, मिजाचौकी पुलिस जांच में जुटी। चारों वाहन जलकर क्षतिग्रस्त हो गया है जिसे तिरपाल से ढका गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 से 15 की संख्या में अज्ञात अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है। अपराधियों ने पत्थर खदान के गार्ड को कब्जे में लेकर दो पोकलेन एवं दो हाइवा में आग लगाकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची मिर्जाचौकी पुलिस। वही सोमवार सुबह साहिबगंज एसडीपीओ किशोर तिर्की, पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन व मिर्जाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव घटनास्थल पर पहुंचे व जांच पड़ताल किए। वही पत्थर खदान के गार्ड ने बताया की अपराधी नकाब में थे। घटना किन कारणों से हुआ है अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल सका। वही मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव द्वारा मामले की छानबीन की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

कृषि विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

साहिबगंज: कृषि विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में संपन्न हुई। बैठक में उपायुक्त ने उपस्थित पदाधिकारी से खरीफ फसल बीज वितरण से संबंधित आवश्यक जानकारी ली। जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का ने बताया कि झारखंड सरकार के द्वारा बीरसा बीज उत्पादन विनिमय वितरण तथा फसल वितरण योजना अंतर्गत विनिमय वितरण कार्यक्रम तथा बीज उत्पादन योजना अंतर्गत खरीफ 2025 में किसानों के बीच वितरण हेतु धान, मक्का, अरहर, उरद, मूंगबीन, मूंगफली, तिल, रागी एवं ज्वार का बीज जिला में आवंटित किया गया है। आवंटित बीजों को किसानों के बीच 50% एवं शत प्रतिशत अनुदानित दर पर लैम्प्स, पैक्स एवं पीजी, कृषि उत्पादक संगठन के द्वारा वितरण किया जाएगा। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि इन बीजों को जल्द से जल्द किसानों के बीच वितरण कराना सुनिश्चित करें ताकि किसान इसका लाभ उठा सके। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का एवं संबंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक देवघर के नए ऑफिसर इंचार्ज का पूर्व सैनिकों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

ई सी एच एस पॉलीक्लिनिक देवघर में नए आए ऑफिसर इंचार्ज लेफ्टिनेंट कर्नल रवि नारायण पाढ़ी साहब का पदभार के बाद पूर्व सैनिक संगठन देवघर के अध्यक्ष राम निवास सिंह एवं सभी पूर्व सैनिकों के द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया जिसमें मौके पर उपस्थित संगठन के मुख्य सलाहकार एवं निम्न सैनिक मौजूद रहे। मौके पर मौजूद :- एन के सिंह, दिलीप कुमार, सुंदर मनी झा, ए के गिरी,विनोद भारती,प्रभाकर मिश्रा,त्रिपुरारी राय सहित अन्य सैनिक मौजूद रहे।

विधवा के हत्या करने के आरोप में मां- बेटा को सश्रम उम्रकैद की सजा सुनाई गई

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में जिला जज सात न्यायधीश निशित दयाल ने गोह थाना कांड संख्या -178/22,सत्रवाद संख्या -454/22 में सजा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए अभियुक्त मां बेटा को सश्रम उम्रकैद की सजा सुनाई है, एपीपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि अभियुक्त कौशल कुमार, चन्द्रमणी देवी, सोहलपुरा गोह को भादंवि धारा 302 में सश्रम उम्रकैद, पचास हजार रुपए जुमार्ना, जुमार्ना न देने पर एक साल साधारण कारावास, और भादंवि धारा -201 में सश्रम पांच साल की सजा और पांच हजार रुपए जुमार्ना लगाया है जुमार्ना न देने पर छः महीने अतिरिक्त साधारण कारावास होगी, दोनों सजाएं साथ साथ चलेगी, दोनों अभियुक्तों ने कारा में दो वर्ष एगारह माह दस दिन बिताए हैं, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि मृतका विधवा चरकावां रफीगंज की थी उससे कौशल कुमार का नाजायज संबंध था जिसके कारण विधवा औरत गर्भवती हो गई थी जब वह कौशल कुमार पर शादी की दबाव बना रही थी तो कौशल और उसकी मां ने मिलकर उसके दो बच्चे की गैरमौजूदगी में गडासी से सर धड़ से अलग कर दो अलग-अलग स्थान छुपा दिया था, घटना तिथि 21/06/22 को चोकीदार ने मुजहाडा बघार पर एक औरत का सिर काट शव बरामद किया, दोनों बच्चे अपने मां को खोज रहे थे चोकीदार ने बच्चों को शव और साड़ी दिखलाई तो बच्चों ने अपने मां के शव होने की पुष्टि किया बच्चों के बयान पर दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था और उनके निशानदेही पर शव के सिर भी बरामद किया गया था,प्रदर्श में सिर और धड़ का फोटो,एफ एस एल रिपोर्ट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मृत्यु समिक्षा प्रतिवेदन और जप्त गंडासी था, अनुसंधानकर्ता शमीम अहमद ने घटना के सम्बंध में विस्तार से गवाही दी थी, अभियुक्तों को 24/05/25 को दोषी ठहराया गया था, न्यायधीश ने अपने आदेश में कहा है कि बिहार पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना 2014 के प्रावधानों के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद बच्चों के लिए क्षतिपूर्ति विनिश्चय करें।

देव प्रखंड के भतु बिगहा में श्री श्री 108 मारुतीनंदन पंचमुखी हनुमत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ में शामिल हुए पूर्व सांसद- सुशील कुमार सिंह

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के देव प्रखंड में केताकी पश्चिमी पंचायत के भतुबिगहा में महायज्ञ कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने पहुंच कर अपनी आध्यात्मिक श्रद्धा अर्पित किये । इस दौरान बसंत चौरासिया , सिंटू चौरासिया , पूर्व उप प्रमुख मनीष राज पाठक , मुखिया धीरेंद्र रंजन , भाजपा नेता आलोक कुमार सिंह , दीपक कुमार सिंह , सहित अन्य सभी ग्रामीण और यज्ञ समिति के लोग उपस्थित थे । माननीय पूर्व सांसद ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों से इस प्रकार धार्मिक चेतना के आयोजन के लिये यज्ञ समिति की सराहना किया । आज देश के मजबूती के सांस्कृतिक सनातन परंपरा की रक्षा के लिये यज्ञ जैसा कार्यक्रम सामाजिक समरसता और सद्भाव का प्रतिक बन सकेगा । गाँवो में बन रहे मंदिरों की व्यस्था बेहतर हो और इस प्रकार के मंदिरों से युवाओं का आत्मबल बढ़ता है ।आयोजक बसंत चौरसिया अमित चौरसिया उपेंद्र चौरसिया अरविंद चौरसिया सीटू चौरसिया मंटू चौरसिया उपस्थित थे।

03 जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

हाजीपुर:

अवकाश के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में और 03 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया है तथा 02 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन अवधि में विस्तार किया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. गाड़ी संख्या 09457/09458 साबरमती-पटना-साबरमती स्पेशल (डीडीयू-प्रयागराज-टुण्डला-जयपुर-अजमेर के रास्ते): गाड़ी संख्या 09457 साबरमती-पटना स्पेशल 04, 11, 18 एवं 25 जून, 2025 (बुधवार) को साबरमती से 18.10 बजे खुलकर गुरुवार को 21.55 बजे डीडीयू, 23.08 बजे बक्सर, 23.56 बजे आरा सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए शुक्रवार को 00.35 बजे दानापुर तथा 01.30 बजे पटना जं. पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं 09458 पटना-साबरमती स्पेशल 04, 11, 18 एवं 25 जून, 2025 (शुक्रवार) को पटना जं. से 04.30 बजे खुलकर 04.45 बजे दानापुर, 05.20 बजे आरा, 06.20 बजे बक्सर एवं 08.40 बजे डीडीयू, अगले दिन शनिवार को 03.10 बजे जयपुर, 05.15 बजे अजमेर रूकते हुए 14.30 बजे साबरमती पहुंचेगी। 2. गाड़ी संख्या 03043/03044 हावड़ा-रक्सौल-हावड़ा स्पेशल (सीतामढ़ी-दरभंगा-समस्तीपुर-बरौनी-झाझा के रास्ते): गाड़ी संख्या 03043 हावड़ा-रक्सौल स्पेशल 07, 14, 11 एवं 28 जून, 2025 (शनिवार) को हावड़ा से 23.00 बजे खुलकर अगले दिन 09.30 बजे बरौनी, 11.30 बजे समस्तीपुर, 12.50 बजे दरभंगा एवं 14.35 बजे सीतामढ़ी सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 16.15 बजे रक्सौल पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी सं 03044 रक्सौल-हावड़ा स्पेशल 08, 15, 22 एवं 29 जून, 2025 (रविवार) को रक्सौल से 17.30 बजे खुलकर 19.15 बजे सीतामढ़ी, 20.20 बजे दरभंगा, 22.00 बजे समस्तीपुर, 23.45 बजे बरौनी सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए सोमवार को 10.45 बजे हावड़ा पहुंचेगी। 3. गाड़ी संख्या 03435/03436 मालदा टाउन-आनंद विहार-मालदा टाउन स्पेशल (भागलपुर-किउल- नवादा-गया-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते): गाड़ी संख्या 03435 मालदा टाउन-आनंद विहार स्पेशल 02, 09, 16, 23 एवं 30 जून, 2025 (सोमवार) को मालदा टाउन से 09.30 बजे खुलकर 15.15 बजे किउल, 16.25 बजे नवादा, 18.15 बजे गया एवं 21.40 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 13.40 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 03436 आनंद विहार-मालदा टाउन स्पेशल 03, 10, 17, 24 जून एवं 01 जुलाई, 2025 (मंगलवार) को आनंद विहार से 15.45 बजे खुलकर अगले दिन 08.15 बजे डीडीयू, 11.40 बजे गया, 12.58 बजे नवादा, 15.00 बजे किउल, 16.50 बजे भागलपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 21.05 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी। इसके साथ ही यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर चलायी जा रही 02 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है - 1. गाड़ी सं. 09623/09624 उदयपुर सिटी-फारबिसगंज-उदयपुर सिटी स्पेशल (अजमेर-जयपुर-टुण्डला- प्रयागराज-डीडीयू-पाटलिपुत्र-हाजीपुर-बरौनी-कटिहार के रास्ते) - गाड़ी सं. 09623 उदयपुर सिटी-फारबिसगंज स्पेशल उदयपुर सिटी से 03 जून से 24 जून, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को परिचालित की जायेगी। गाड़ी सं. 09624 फारबिसगंज-उदयपुर सिटी स्पेशल फारबिसगंज से 05 जून से 26 जून, 2025 तक प्रत्येक गुरुवार को परिचालित की जायेगी। 2. गाड़ी सं. 04606/04605 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्पेशल (हाजीपुर-बरौनी-कटिहार के रास्ते) - गाड़ी सं. 04606 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-गुवाहाटी स्पेशल श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से 06 जून से 11 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित की जायेगी। गाड़ी सं. 04605 गुवाहाटी-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्पेशल गुवाहाटी से 09 जून से 14 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को परिचालित की जायेगी।

भव्यम शंकर ने जेईई एडवांस 2025 में शानदार प्रदर्शन के साथ हासिल की 2885वीं जनरल रैंक और 274 वीं कैटेगरी रैंक

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

Deoghar झारखंडः हमें यह घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व और हर्ष हो रहा है कि भव्यम शंकर ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) एडवांस 2025 में असाधारण प्रदर्शन करते हुए सामान्य वर्ग में 2885वीं रैंक और अपनी श्रेणी में 271वीं रैंक हासिल की है। यह उपलब्धि उनकी कठिन मेहनत, दृढ़ संकल्प और उनके परिवार की प्रेरणादायक विरासत का जीवंत प्रमाण है।जेईई एडवांस, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली विश्व की सबसे प्रतिष्ठित और चुनौतीपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में से एक है, जिसमें इस वर्ष लगभग 1.87 लाख उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया। भव्यम की यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि उनके परिवार, शिक्षकों और पूरे Deoghar के लिए गौरव का क्षण है।भव्यम के पिताश्री, रवि शंकर, स्वयं एक प्रतिष्ठित आईआईटियन और शीउशीि मिसाइल वैज्ञानिक हैं, जिनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन ने भव्यम को अनुशासन और उत्कृष्टता की राह पर चलने के लिए प्रेरित किया। उनकी माताजी, एकता रानी , एक गोल्ड मेडलिस्ट हैं, जिनके शैक्षणिक मार्गदर्शन और प्रोत्साहन ने भव्यम को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके साथ ही, उनके दादा-दादी [विष्णु प्रसाद चौधरी एवं मारुति देवीर] ने भी भव्यम को नैतिक और भावनात्मक समर्थन प्रदान कर उनकी इस यात्रा को और सशक्त बनाया।भव्यम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार और शिक्षकों को देते हुए कहा, मेरे पिताजी की वैज्ञानिक दृष्टि और माताजी की

शैक्षणिक प्रेरणा ने मुझे हमेशा आगे बढ़ने की ताकत दी। मेरे दादा-दादी का आशीर्वाद और शिक्षकों का मार्गदर्शन मेरे लिए अनमोल रहा। यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है।आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित जेईई एडवांस 2025 के परिणाम 1 जून, 2025 को घोषित किए गए। भव्यम की इस उपलब्धि ने उन्हें देश के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए योग्य बनाया है। उनकी यह सफलता न केवल उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखती है, बल्कि अन्य छात्रों के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण स्थापित करती है।भव्यम अब जोसा Joint Seat Allocation Authorit) काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेंगे, जहां वे अपनी रुचि और रैंक के आधार पर देश के प्रतिष्ठित आईआईटी में दाखिला लेने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। भव्यम की पढ़ाई की कहानी भी बहुत प्रेरणादायक है उन्होंने 10वीं और मित्र प्लस टू विद्यालय से उत्तीर्ण किया और डीएस प्लस टू स्कूल रिखिया से इंटर साइंस वार्षिक परीक्षा 2025 में 429 मार्क्स लाकर विद्यालय का टॉपर बना.... और दोनों ही स्कूल के शिक्षकों का आशीर्वाद और योगदान समय-समय पर मिलता रहा

अनुग्रह स्कूल के प्राचार्य पुत्र ने क्रैक किया जेईई एडवांस

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह के पुत्र प्रसून ने सोमवार की सुबह जेईई एडवांस के जारी रिजल्ट में सफलता प्राप्त कर जिले का सम्मान बढ़ाया है। प्रसून के पिता उदय कुमार सिंह ने बताया कि वह अपने पसंद के फील्ड में कल जोसा के पोर्टल पर चॉइस फिलिंग करेंगे। वह अब आईआईटी,एनआईटी, आईआईपीटी,आरजीआईपीटी आदि के कई संस्थानों में नामांकन के लिए पात्र हो गए। उन्होंने कहा यह निर्णय पूर्णतः प्रसून का होगा कि वह किस फील्ड में बेहतर करियर एक्सप्लोर कर सकते हैं।जेईई मेंस में का भी अच्छा परसेंटाइल उसे टॉप एनआईटी में कोर ब्रांच में नामांकन दिला सकता है। एडवांस क्रैक करने के उपरांत जेईई मेन टू में मिली उनकी बड़ी कामयाबी उन्हें आईआईटी खड़गपुर एवं आईआईटी रुड़की आदि में भी उनके दाखिले को आसान बना दिया है। प्रसून के माता पिता प्रसून की सतत सफलता की जर्नी से आह्लादित है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में इंजीनियरिंग के हर ब्रांच में नित्य नए एवं बड़े संभावनाओं के द्वार खुल रहे है। इसलिए बच्चे अपने दिल के करीब एवं रुचि के ब्रांच में अपने कैरियर को ऊंचा मुकाम दें। प्रसून को इस कड़ी प्रतियोगिता में प्राप्त सफलता पर स्वजनों,परिजनों, मित्रों आदि से बधाईयां मिल रही है।

आध्यात्मिक साहित्य के प्रणेता,गायत्री परिवार के संस्थापक श्री राम शर्मा के पुण्यतिथि पर सामयिक संवाद

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय की महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्था जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के तत्वावधान में भारत के महान संत मनीषी,युगद्रष्टा,आध्यात्मिक साहित्यकार श्री राम शर्मा आचार्य की 35वीं पुण्यतिथि पर सामायिक संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह, उपाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र,महामंत्री धनंजय जयपुरी के आह्वान पर संवाद करते हुए उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक श्री राम शर्मा आचार्य ने अपना सारा जीवन समाज के भलाई के लिए समर्पित कर दिया था। सांस्कृतिक एवं चारित्रिक उत्थान के लिए लोगों में जन जागरण का अभियान चलाया था।आधुनिक एवं प्राचीन विज्ञान के धार्मिक समन्वय स्वरूप को एकीकृत कर पूरे विश्व में आध्यात्मिक नवचेतना जगाने के लिए लोगों को प्रेरित किया ताकि वर्तमान समय की चुनौती पूर्ण समस्याओं से सामना किया जा सके।वे एक मनोवैज्ञानिक साहित्यकार, समाज सुधारक,मनीषी के रूप में साहित्यिक रचना को मूर्त रूप प्रदान किया था।चारों वेद ,108 उपनिषद 6 दर्शन,20 स्मृतियां एवं 18 पुराणों को सरल भाषा में परिष्कृत रूप में टीका लिखा और उसे आसान बनाकर पाठकों के बीच पढ़ने के लिए प्रस्तुत किया।इन्होंने लगभग 3200 ग्रंथों की रचना की।भारतीय दर्शन साहित्य में जितने भी कठिन ग्रंथ हैं सबको सरल भाषा में प्रस्तुत करने का कार्य किया था।अखंड ज्योति पत्रिका प्रतिवर्ष निकालकर साहित्यिक परिवेश में क्रांति लाई थी। उनके साहित्य के कारण ही हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिए आधारशिला रखी गई।

पृथ्वीराज जन्मोत्सव के मौके पर विचार गोष्ठी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित ब्लॉक मोड़ के समीप पृथ्वीराज चौहान स्मृति स्थल के प्रांगण में पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में वीर शिरोमणि सनातन संस्कृति के रक्षक पृथ्वीराज चौहान जी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।जन्मोत्सव के मौके पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया सर्वप्रथम स्मृति स्थल परिसर में अवस्थित पृथ्वीराज चौहान एवं चंद्रवरदाई जी की प्रतिमा पर आगत अतिथियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित किया गया।पृथ्वीराज चौहान ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित प्रथम सत्र के कार्यक्रम का संचालन संस्था के उपाध्यक्ष डॉ संजीव रंजन द्वारा किया गया। वरीय अधिवक्ता अवध किशोर प्रसाद, शिक्षक अरुण कुमार सिंह, समाजसेवी भानु जी अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह,जवाहरलाल नेहरू कॉलेज के पूर्व प्राचार्य के प्रोफेसर विजय कुमार सिंह एवं ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की

शुरूआत की गई। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में सामाजिक न्याय की आवश्यकता हर किसी को है इसके बिना समाज की परिकल्पना नहीं की जा सकती।कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मैट्रिक परीक्षा में बेहतर अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को अंग वस्त्र पुष्प हार एवं पृथ्वीराज चौहान सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में विवेकानंद वीआईपी स्कूल के आदर्श कुमार जो बड़ेम बारा तेतरिया के निवासी हैं। डीएवी पब्लिक स्कूल औरंगाबाद के प्रत्यूष रंजन,सरस्वती शिशु मंदिर के अंकित राज,डीएवी पब्लिक स्कूल के संस्कृति कुमारी, जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल के भव्या कुमारी, डी ए वी पब्लिक स्कूल के अनमोल रत्न, सरस्वती शिशु मंदिर के हर्ष राज शामिल हैं। इनके साथ उनके माता-पिता को भी पुष्प हार, अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया और कामना की गई कि वे जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहें और जीवन में उत्तरोत्तर प्रगति करें राष्ट्रीय स्तर पर कामयाबी हासिल करें।धन्यवाद ज्ञापन कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश सिंह द्वारा किया गया।मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह,उपाध्यक्ष प्रोफेसर ज्ञानेश्वर प्रताप सिंह,मनोज कुमार सिंह एवं भीम कुमार सिंह,कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह,सह कोषाध्यक्ष चंदन सिंह चौहान वरीय सदस्य सत्येंद्र नारायण सिंह,राम भजन सिंह,रंजीत कुमार सिंह,रविंद्र कुमार सिंह,कमलेश सिंह जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह,उपाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, महामंत्री धनंजय जयपुरी,विनय मामूली बुद्धि,अनुज बेचैन नागेंद्र प्रसाद केसरी,जनार्दन मिश्र जलज डॉ शिवपूजन सिंह,महाराणा प्रताप सेवा संस्थान के सचिव राजीव प्रताप सिंह,चंद्रकांत सिंह, रामकिशोर सिंह,ग्लोबल एकेडमी के अनिल सिंह,सुरेश विद्यार्थी सहित अन्य उपस्थित थे।

स्पेशल पोक्सो ने अभियुक्त को बीस साल का सश्रम कारावास सुनाया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में स्पेशल पोक्सो जज लक्ष्मीकांत मिश्रा ने नवीनगर थाना कांड संख्या -47/24,जी. आर -21/24 में सजा के बिन्दु पर पर सुनवाई करते हुए एक मात्र काराधिन अभियुक्त को सजा सुनाई है, स्पेशल पीपी शिवलाल मेहता ने बताया कि अभियुक्त योगेन्द्र पासवान अनुकुपा कुटुंबा को भादंवि धारा -323 में एक साल की सजा और एक हजार रुपए जुमार्ना लगाया गया है, भादंवि धारा -342 में एक साल की सजा और एक हजार रुपए जुमार्ना लगाया गया है, भादंवि धारा 363 में पांच साल की सजा और बीस हजार रुपए जुमार्ना लगाया है तथा भादंवि धारा 376(3) एवं पोक्सो एक्ट की धारा (4)2 में बीस साल की सजा और तीस हजार रुपए जुमार्ना लगाया है, अभियुक्त को 29/05/25 इस वाद में दोषी करार दिया गया था, अभियोजन पक्ष से 09 गवाही हुई थी, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि नाबालिग लड़की अपने स्कूल के वार्षिक उत्सव में गई थी प्राइज के लिए क्रार्यक्रम बाद तक स्कूल में रूकी हुई थी जब प्राइज में लेट होने लगी तो अकेले घर जाने लगी तब अज्ञात व्यक्ति ने रास्ते में जबरदस्ती बाईक पर बैठा कर टंडवा के रास्ते हरिहरगंज ले जाकर जबरदस्ती किया, पीड़िता जब रोने लगी तो अज्ञात व्यक्ति ने फोन लगाकर कर उसके मां से बात कराया, इस मोबाइल नंबर को पीड़िता के परिजन ने पुलिस को देकर अज्ञात व्यक्ति पर प्राथमिकी दर्ज कराई थी पुलिस के ताबड़तोड़ छापेमारी से दहशत में आकर अभियुक्त ने पीड़िता को शिवपुर मोड़ पर छोड़कर भाग गया, पुलिस ने पीड़िता के निशानदेही पर हरिहर गंज के ज्वेलरी शॉप में सीसीटीवी फुटेज देखा जिसमें ज्वेलरी शॉप के मालिक ने अभियुक्त का पहचान उजागर किया, अभियुक्त इस घटना के बाद एक उत्पाद वाद में जेल चला गया था, अभियुक्त 10/05/24 को इस केस में हिरासत में लिया गया था अभियुक्त का टी. आई .पी .परेड कर पीड़िता द्वारा पहचान कराई गई थी, अभियोजन द्वारा इस वाद में मेडिकल रिपोर्ट,एफ एस एल रिपोर्ट, डीएनए टेस्ट, और वैज्ञानिक तरीके से जांच कराई गई थी अभियुक्त पर आरोप गठन 13/09/24 को हुई थी आरोप गठन के बाद, तेजी से वाद के सुनवाई पूरी कर सजा सुनाई गई है।

पू. सी. रेलवे ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारी बारिश के बीच सुरक्षित ट्रेन संचालन सुनिश्चित किया

मालीगांव,

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पू. सी. रेलवे) पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारी मानसून बारिश के बीच निर्बाध और सुरक्षित ट्रेन सेवाओं को बनाए रखने के लिए व्यापक उपायों को सक्रिय रूप से लागू कर रहा है। क्षेत्र की जटिल भू-संरचना और गंभीर मौसम स्थितियों से उत्पन्न चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, पू. सी. रेलवे ने यात्री सुरक्षा और बुनियादी ढांचे की मजबूती सुनिश्चित करने के लिए अपनी निगरानी और रखरखाव गतिविधियों को तेज कर दिया है। इस मानसून के दौरान ट्रैक की सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, पू. सी. रेलवे ने सभी संवेदनशील स्थानों पर स्थायी पहरेदार तैनात किए हैं, विशेष रूप से लामडिंग-बदरपुर पहाड़ी खंड और त्रिपुरा के विभिन्न स्थानों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। ट्रैक और बुनियादी ढांचे की स्थिति की निगरानी के लिए नियमित गश्त की जा रही है। पू. सी. रेलवे के अपर महाप्रबंधक और मंडल रेल प्रबंधक सहित वरिष्ठ अधिकारी स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। निकट निगरानी और नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों द्वारा ट्रॉली गश्त की जा रही है। जमीनी स्तर पर सतर्कता को और मजबूत करने के लिए, वरिष्ठ अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों की निगरानी और आवश्यकतानुसार त्वरित प्रतिक्रिया समन्वय के लिए क्षेत्र में तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त, पू. सी. रेलवे ने भूस्खलन, जल निकासी समस्याओं और तटबंध स्थिरता से जुड़े जोखिमों को संबोधित करने के लिए तकनीकी पहल अपनाई हैं। इनमें लामडिंग-बदरपुर पहाड़ी खंड के 80 किलोमीटर के हिस्से में ड्रोन-आधारित लिडार (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग), हाई -रिजॉल्यूशन एरियल इमेजिंग और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सर्वेक्षण शामिल हैं। ये तकनीकें भूमिगत दोषों और जल-जमाव वाले क्षेत्रों का शीघ्र पता लगाने में सुविधा प्रदान करती हैं, जिससे संभावित खतरों को कम करने के लिए पहले से ही कार्रवाई करना संभव हो जाता है। इसके अलावा, भारी बारिश के दौरान सुरंग सुरक्षा और संरचनात्मक निगरानी को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण बिंदुओं पर टेरेस्ट्रियल लेजर स्कैनिंग (टीएलएस) शुरू की गई है। पू. सी. रेलवे चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के बावजूद क्षेत्र में सुरक्षित और विश्वसनीय रेल कनेक्टिविटी बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

गुरुग्राम में खेल मंत्री की बोलिंग पर सीएम सैनी ने मारे शॉट

गुरुग्राम। यहां राजीव चौक के पास युवाओं को क्रिकेट खेलते देख सीएम खुद को रोक नहीं पाए और उनके बीच जा पहुंचे। उन्होंने बल्ला लेकर एक मंझे हुए खिलाड़ी की तरह बल्ला हाथ में लेकर बोलिंग का इंतजार किया। सीएम के लिए खेल मंत्री गौरव गौतम ने बोलिंग की। दरअसल सीएम गुरुग्राम में एक देश एक चुनाव थीम के साथ आयोजित की जा रही तीन किलोमीटर रन को हरी झंडी दिखाकर

रवाना करने पहुंचे थे। यह कार्यक्रम लेजर वैली पार्किंग में सुबह छह बजे आयोजित किया गया। यहां से सीएम निकले तो राजीव चौक पर उन्हें युवा क्रिकेट खेलते नजर आए। उन्होंने अपना काफिला उधर मुड़वाया और युवाओं के बीच जा पहुंचे। उन्होंने बल्ला हाथ में थामा और विकेट पर बैटिंग के लिए तैनात हो गए। खेल मंत्री गौरव गौतम ने उनके लिए बोलिंग की, जिस पर सीएम ने शॉट लगाए। युवाओं के साथ युवा बनकर सीएम ने काफी देर तक क्रिकेट खेला। इसके बाद सभी का हाल चाल जानकर वे वहां से चले गए।

नगर निगम ने हमारा प्यार हिसार संस्था के साथ चलाया सफाई अभियान

हिसार। नगर निगम एवं हमारा प्यार हिसार की ओर से डाबड़ा रोड से साउथ बाइपास से लेकर सेक्टर 9-11 मोड तक संयुक्त महा सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह, पार्षद जगमोहन मित्तल, पार्षद डॉ. सुमन यादव, सीएसआई राजकुमार, एएसआई कपिल, एएसआई राहुल, दरोगा सुधीर सहित सफाई कर्मचारी व हमारा प्यार हिसार संस्था के सदस्य मौजूद रहे। सफाई महा अभियान की शुरूआत तोशाम रोड साउथ बाईपास से की गई। इस दौरान सड़क के दोनों ओर मिट्टी को उठाया गया। इसके साथ डिवाइडर लगती झाड़ियों व छोटी कीकर को हटाया गया। इसके साथ ही ट्री ट्रिमिंग मशीन से वृक्षों की ट्रिमिंग की गई। जेसीबी की सहायता से मिट्टी को समतल किया गया। सफाई की मशीनों से रोड की सफाई की गई। सफाई कर्मचारियों ने सड़क व उसके साथ की सफाई की गई। नगर निगम के कर्मचारियों के साथ हमारा प्यार हिसार के संस्था के सदस्यों ने भी इस सफाई महा अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान संस्था के सभी सदस्यों ने श्रमदान किया। संयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह ने बताया कि मेयर प्रवीण पोपली और निगमायुक्त नीरज के आदेशानुसार इस प्रकार के सफाई अभियान समय-समय पर चलाए जाते है।

साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक व पर्यावरण संरक्षण में सहायक : प्रो. बीआर कम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। गिरी सेंटर में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज एवं नलवा के विधायक रणधीर पनिहार ने शिरकत की। साइकिल रैली में विभिन्न महाविद्यालयों एवं साई के विधार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कुलपति प्रो. कम्बोज एवं नलवा से विधायक रणधीर पनिहार ने साइकिल रैली को संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर रवाना किया। कुलपति प्रो. कम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि साइकिल चलाना न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है बल्कि यह पर्यावरण के संरक्षण में भी सहायक है। यह एक सरल, सुलभ, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल परिवहन का साधन है। हमें प्रत्येक दिन साइकिल चलाकर स्वस्थ जीवन जीना चाहिए। इससे तनाव, चिंता और डिप्रेशन में राहत मिलती है। इससे मोटापा घटता है और वजन नियंत्रित रहता है। साइकिल चलाने से पैरों की ताकत और फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है ।

निवास प्रमाण पत्र के लिए नहीं होगी तिथि की बाध्यता

चंडीगढ़। हरियाणा में सीईटी पंजीकरण के दौरान अभ्यर्थियों को आ रही दिक्कतों के मद्देनजर कर्मचारी चयन आयोग ने निवास प्रमाण पत्र के लिए तिथि की बाध्यता को खत्म कर दिया है। हरियाणा में इन दिनों युवा सीईटी के लिए आवेदन कर रहा है। अब तक लाखों की संख्या में युवा आवेदन कर चुके हैं। कुछ अभ्यर्थियों को सीईटी रजिस्ट्रेशन के दौरान सर्टिफिकेट को लेकर कुछ प्रश्न सामने आए थे। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से बताया कि निवास प्रमाण पत्र के लिए किसी भी प्रकार की तिथि की बाध्यता नहीं है। अभ्यर्थी किसी भी तिथि के सर्टिफिकेट अपलोड कर सकते हैं। यह सर्टिफिकेट मान्य होंगे। उन्होंने कहा कि डीएससी व ओएससी सर्टिफिकेट के लिए भी किसी भी प्रकार की तिथि की बाध्यता नहीं है। अभ्यर्थी किसी भी तिथि के सर्टिफिकेट अपलोड कर सकते हैं, जो कि मान्य होंगे।

वन नेशन वन इलेक्शन है राष्ट्रहित का विचार : नायब सिंह सैनी

● मुख्यमंत्री ने एक राष्ट्र-एक चुनाव के विचार के प्रचार प्रसार में युवाओं से सहभागी बनने का किया आह्वान

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव (वन नेशन वन इलेक्शन) सिर्फ एक राजनीतिक विचार नहीं है, यह राष्ट्रहित का विचार है। यह समय, संसाधन और जन-भागीदारी को और अधिक सशक्त करने वाला विचार है। यह बात उन्होंने गुरुग्राम में एक राष्ट्र-एक चुनाव थीम पर आयोजित गुरुग्राम रन को रवाना करने से पूर्व अपने संबोधन में कही। कार्यक्रम में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक समेत कई विधायक व नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह वह विचार है जिसके अनुसार जब एक राष्ट्र एक साथ चलता है, तब वह हर बाधा को पार कर सकता है।

जब देश एक साथ सोचता है, तब वह हर संकट का समाधान निकाल सकता है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव सिर्फ एक नारा नहीं है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस समग्र सोच का प्रतीक है, जो एकता में शक्ति को मानती है। वन नेशन-वन इलेक्शन प्रधानमंत्री के उसी सपने की कड़ी है, जिसे हमने एक भारत श्रेष्ठ भारत के रूप में देखा है। यह विचार देश के हर नागरिक को एक समान अवसर देता है, एक साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में चुनाव एक समय पर कराने से चुनावों पर आने वाला खर्च कई गुणा कम हो सकता है। प्रशासनिक मशीनरी का बेहतर उपयोग हो सकता है। साथ ही विकास की रफ्तार बिना रुके आगे बढ़ सकती है। गुरुग्राम रन में भाग ले रही युवा शक्ति इस बात का प्रतीक है कि भारत का भविष्य जाग चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा यह दौड़ सिर्फ शरीर की फिटनेस की नहीं, लोकतंत्र की फिटनेस का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन को सफल बनाना है, तो हमें नवाचार की, संवाद की और संवेदनशीलता की जरूरत है। उन्होंने युवा शक्ति से आह्वान किया कि वे कॉलेजों में, गांव की चौपालों में, सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा कर एक सार्थक माहौल बनाने में सहभागी बने। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सरकार का काम नहीं है। यह राष्ट्र निर्माण का कार्य है, जिसमें हर नागरिक की भूमिका अनिवार्य है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुग्राम सिर्फ एक आधुनिक शहर नहीं है।

मेहनत व लग्न से खिलाड़ी को मिलेंगी ऊंचाइयां: राजीव जैन

एजेंसी

सोनीपत। लिटिल एंजल्स स्कूल के बैडमिंटन हॉल में 43वीं जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन नगर निगम मेयर और मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि मेहनत और लगन से खिलाड़ी ऊंचाइयां हासिल कर सकते हैं। खेलों को जीवन का हिस्सा बनाकर युवा न केवल स्वस्थ रह सकते हैं, बल्कि खेलों में अनुशासन और समर्पण से उज्ज्वल भविष्य भी बना सकते हैं। इस प्रतियोगिता में 400 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। अंडर-11, 13, 15, 17, 19 और वेटरन्स (30 से 65 वर्ष) वर्ग के मुकाबले 6 जून तक आयोजित होंगे। कार्यक्रम में एसोसिएशन पदाधिकारियों द्वारा राजीव जैन को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार खेलो इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर रही है। खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि और मानदेय बढ़ने से उनका मनोबल भी ऊंचा हुआ है। स्कूल की प्रधानाचार्या आशा गोयल ने आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महासचिव जगबीर छिक्कारा, विवेक आर्य, नवीन कुमार, प्रियव्रत, के.के. सांगवान, हरदीप सरोहा, अजय राठी, सुरजीत दहिया, शशि कांत कौशिक, सुशील पराशर सहित कई खिलाड़ी उपस्थित रहे।

प्रत्येक नागरिक मॉनसून में लगाए दो पौधे : राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम जिले के हयातपुर गांव में स्वच्छ हरियाणा और प्लास्टिक मुक्त अभियान के अंतर्गत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर एक वृक्ष मां के नाम थीम के तहत 1100 पौधों का सामूहिक रोपण किया गया। उपस्थित नागरिकों को पॉलिथीन मुक्त हरियाणा का संकल्प दिलाया गया। कैबिनेट मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। आगामी मॉनसून में हर व्यक्ति दो पौधे अवश्य लगाए। एक अपने लिए और दूसरा अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए। यह न केवल हमारे पर्यावरण की रक्षा करेगा, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ जीवन की नींव रखेगा। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि वृक्षारोपण का उद्देश्य मात्र पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें संरक्षित करना भी है। इसलिए पौधारोपण करते समय नागरिक ऐसे स्थलों का

चयन करें जहाँ वे आगामी पाँच वर्षों तक पौधों की देखभाल सुनिश्चित कर सकें। राव ने कहा कि हरित क्षेत्र किसी भी क्षेत्र के वायु गुणवत्ता सूचकांक को बेहतर करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि गुरुग्राम जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अधिकतम हरित क्षेत्र का सृजन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हवा, पानी और भोजन ये तीनों मानव जीवन के आधार स्तंभ हैं। यदि इनमें से कोई भी तत्व दूषित होता है, तो उसका सीधा प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है।

योग हमारे पूर्वजों की देन : एसपी

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के एसपी डॉ. मयंक गुप्ता ने कहा कि योग हमारी प्राचीन पद्धति है जो हमारे पूर्वजों की देन है। यह न केवल मनुष्य के शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। एसपी पुलिस लाइन में अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव को लेकर आयोजित योग दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में सात सौ पुलिस कर्मचारियों ने भाग लिया। सिरसा आयुष विभाग के अधिकारी डॉ. सुरेंद्र नागर के मार्गदर्शन में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर विभिन्न प्रकार की योगिक क्रियाएं करवाई गई। एसपी ने कहा कि योग करने से मनुष्य शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्ण रूप से स्वस्थ रहता है। उन्होंने कहा कि सुबह- योग करने से व्यक्ति में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव के उपलक्ष में पूरे हरियाणा में योग दिवस मनाने का कार्यक्रम शुरू किया गया है। डॉ. मयंक गुप्ता ने कहा कि योग जीवन जीने का एक तरीका है जो पूरी दुनिया में भारत की देन है। भारत एक ऐसा देश है जिसने पूरे विश्व को योग

करना सिखाया है इसीलिए भारत को विश्व गुरु के नाम से भी जाना जाता है। एसपी ने कहा कि पुलिस विभाग में योग अभ्यास में निपुण मास्टर ट्रेनर लगाए जाएंगे और योग अभ्यास को पुलिसकर्मियों की दिनचर्या में शामिल किया जाएगा। इससे पुलिस कर्मियों को अपने कर्तव्यों का पालन करने में मदद मिलेगी और वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपनी ड्यूटी व कर्तव्य पालन का बेहतर निर्वहन कर सकें। एसपी ने कहा कि पुलिस कर्मियों के लिए योग विशेष रुप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें तनाव और थकान से मुक्त मिलती, इसलिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और नियमित योग अभ्यास कर अपने आप को स्वस्थ रखें। इस अवसर पर योगाचार्य ने योग के महत्व को बताते हुए कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है।

मानेसर नगर निगम से सात पार्षद भाजपा में हुए शामिल

एजेंसी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी गुरुग्राम की पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़ के नेतृत्व में पार्टी की नीतियों में विश्वास जताते हुए मानेसर नगर निगम से कई पार्षद भाजपा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश जरावता, पूर्व जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ की मौजूदगी में सभी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

भाजपा में शामिल होने वाले पार्षद वार्ड-12 गांव मानेसर से प्रवीन कुमार, वार्ड-11 गांव मानेसर से मनोज कुमार, वार्ड-16 गांव नौरंगपुर से दयाराम, वार्ड-7 गांव बास कुसला से कंवर पाल, वार्ड-14 गांव नाहरपुर से संगीता, वार्ड-8 गांव कासन से भूपेंद्र चौहान और वार्ड-15 गांव नखड़ौला से पिंकी हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने सभी पार्षदों को पटके पहनाकर पार्टी में शामिल करते हुए सम्मानित किया। साथ ही विश्वास दिलाया कि संगठन में उन्हें उचित मान-सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का परिवार आज शामिल हुए पार्षदों के साथ बढ़ गया है। हम सब मिलकर क्षेत्र के बेहतरी के लिए काम करेंगे। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि मानेसर नगर निगम से सभी पार्षदों को साथ लेकर विकास के काम किए जाएंगे। भाजपा पटौदी जिला अध्यक्ष गुरुग्राम ग्रामीण अजीत ड्क्ससह ने कहा कि सभी पार्षदों का संगठन में ह्रदय की गहराइयों से स्वागत है। भाजपा प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़ ने कहा कि संगठन को और अधिक मजबूत बनाने और भविष्य में जनसेवा के लिए एकजुट होकर काम करेंगे। सभी पार्षदों का स्वागत करते हुए मानेसर नगर निगम से भाजपा के मेयर प्रत्याशी रहे सरपंच सुंदर लाल यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक राजनीतिक दल से अधिक परिवार है। परिवार में हर सदस्य को गरिमापूर्ण तरीके से आगे बढ़ाने का काम किया जाता है। संगठन में मेहनती कार्यकर्ताओं को सदा बड़ा सम्मान संगठन ने दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी के नेतृत्व में सरकार प्रदेश का समान विकास कर रही है।

कपास में गुलाबी सुंडी की निगरानी हेतु फैरामोन ट्रैप लगाने की सिफारिश

एजेंसी

जींद। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिकों ने विभिन्न गांवों में जाकर कृषि की आधुनिक तकनीकों के बारे में किसानों को जागरूक किया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र पांडू पिडारा के प्रभारी डा. रामकरण गौड ने बताया कि कपास में गुलाबी सुंडी का नियंत्रण करना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को अपने खेत में फैरामोन ट्रैप, दो ट्रैप प्रति एकड़ के हिसाब से लगाने चाहिए और उनमें तीन दिन और रात को गुलाबी सुंडी का वयस्क चैक करना चाहिए कि कितने प्रोड प्रति रात उसके अंदर ट्रैप हुए हैं। अगर प्रति रात छह से आठ प्रौड ट्रैप होते हैं तो हमारे को सुंडी के नियंत्रण के लिए कदम उठाना पड़ेगा। इसके लिए हम बिजाई से 0 से 60 दिन तक नीम बेस्ड प्रोडक्ट जैसे की नीमबीसीडीन या नीम सीडकर्नल एक्सट्रैक्ट का स्प्रे करना चाहिए। किसानों को विकसित टेक्नोलॉजी के साथ चलना पड़ेगा। आजकल हर किसान भाई के पास मोबाइल फोन होता है वह उसमें अपने फसल की फोटो उतार कर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के व्हाट्सएप पर भी भेज सकते हैं और अपनी समस्या के बारे में पूछ सकते हैं। गांव झील, बडनपुर व सुंदरपुरा में डा. सुरेंद्र मित्तल ने कृषि विज्ञान केंद्रों व वहां पर प्रदान की जाने वाली जानकारियों के बारे में बताया। डा. राजेश ने मौसम से जुडी जानकारी प्रदान की। पशु चिकित्सक डा. नवीन ने पशुओं के रखरखाव की जानकारी दी। कृषि विशेषज्ञ डा. केशव ने फसल चक्र की महत्ता पर प्रकाश डाला।

पेशेवर नशा तस्करों को अब एक साल तक रहना होगा जेल में : शशांक सावन

पुलिस ने पीआईटी एनडीपीएस के तहत की कार्रवाई, दो महिला तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

हिसार। पुलिस नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों पर बड़ी कार्रवाई करने जा रही है। पुलिस अब नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी ताकि कोई भी नशा तस्कर एक साल से पहले जेल से बाहर न आ सके।पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा कि हिसार पुलिस द्वारा पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत दो महिलाओं अंबेडकर बस्ती निवासी बिमला और शांति नगर निवासी बबली पर कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। उक्त दोनों आरोपियों पर हाल ही में एनडीपीएस एक्ट के तहत तीन और तीन से अधिक केस दर्ज है। इनमें पुलिस द्वारा आरोपियों से वाणिज्यिक मात्रा में

नशीले पदार्थों की बरामदगी की गई। ये मामले अभी न्यायालय में विचाराधीन है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हिसार पुलिस ने पिछले पांच महीनों में एनडीपीएस एक्ट के तहत 47 केस दर्ज करके 86 आरोपियों को गिरफ्तारी सुनिश्चित की है। इनमें सात मामलों में वाणिज्यिक मात्रा में नशीले पदार्थ की बरामदगी हुई है। पुलिस पेशेवर नशा तस्करों के खिलाफ पीआईटी एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस इलिसिट ट्रैफिक प्रिवेंशन एक्ट, 1988) के तहत कार्रवाई करेगी, जो हाल के दिनों में एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल में रहे है पुलिस द्वारा उन नशा तस्करों की सूची तैयार की जा रही है। पुलिस उन पर कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

पहरावर में बनेगा राष्ट्रीय स्तर का लॉ कॉलेज व भगवान परशुराम कॉलेज ऑफ नर्सिंग:अरविंद शर्मा

कैबिनेट मंत्री बोले, पहरावर धाम में स्थापित होगी भगवान परशुराम की भव्य प्रतिमा

एजेंसी

रोहतक। प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने गांव पहरावर में बनेगा राष्ट्रीय स्तर का लॉ कॉलेज सहित गौड़ संस्था के प्रशासनिक भवन, भगवान परशुराम पब्लिक स्कूल, भगवान परशुराम कालेज ऑफ नर्सिंग फार गर्ल्स का मुख्यमंत्री ने शिलान्यास किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में नया इतिहास रचा गया है। इस आयोजन में सर्व समाज की भागीदारी व शहीद, सैनिकों के सम्मान को समर्पित किए जाने की पूरे देश मे चर्चा हो रही है। कैबिनेट मंत्री सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम की भव्य व सबसे बड़ी प्रतिमा समाज के सहयोग से रोहतक के पहरावर धाम में स्थापित की जाएगी। इसके लिए नामचीन आर्किटेक्ट्स व कारीगरों से विशेष कार्य योजना तैयार करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 50 साल बाद गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा कैम्पस में जो शुरुआत हुई हैं, उससे प्रदेश के

युवाओं को बड़े अवसर व अपार संभावनाएं उपलब्ध होंगी। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तीसरे कैम्पस में भगवान परशुराम जन्मोत्सव अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में बड़ा जनसैलाब उमड़ा। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के हाथों गौड़ संस्था कैम्पस में शुभ शुरुआत हुई है, जिसको लेकर विप्र समाज व सर्व समाज में खुशी की लहर है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में सर्व समाज की भागीदारी व शहीद, सैनिकों के सम्मान को समर्पित किए जाने की पूरे देश मे चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जहां मैचिंग ग्रांट की घोषणा के साथ पहरावर कैम्पस में शैक्षणिक परिसरों के विकास को गति देने का काम किया है, वहीं गांव पहरावर में विभिन्न विकास कार्यों की मांगों पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनी सहमति देते हुए उनकी फिजिबलिटी की जांच करवाते हुए पूरा करवाने का भरोसा दिया है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के चुनाव से पहले संस्था के सदस्यता अभियान को खुलवाया जाएगा, इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से भी चर्चा करके अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि गांव पहरावर द्वारा दान में दी गई जमीन पर कांग्रेस के समय में आई अड़चन को पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल द्वारा दूर किया गया।

श्याम जागरण से लौट रहे छात्र की चाकू से गोदकर हत्या

हिसार। हांसी में पीसीएसडी स्कूल प्रांगण में चल रहे श्याम महोत्सव के दौरान श्याम मंदिर रोड़ पर करीब आधा दर्जन बदमाशों ने बाइक सवार एक युवक को घेरकर चाकू से गोदकर हत्या कर दी। हमलावरों द्वारा चाकूओं से हमला करने के बाद युवक ने मंदिर के अंदर भाग कर जान बचाने का प्रयास किया लेकिन बदमाशों ने उसका पीछा कर मंदिर के अंदर भी उस पर चाकू से हमला कर दिया और उसके बाद घायल युवक को मौके पर छोड़ वहां से फरार हो गए। खून से लथपथ युवकों को जागरण में श्याम भक्तो ने उपचार हेतु नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे हिसार रेफर कर दिया। परिजनों द्वारा उसे हिसार के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उपचार के दौरान सुबह उसकी मौत हो। मृतक की पहचान हांसी की दयाल सिंह कालोनी निवासी 20 वर्षीय सुरेंद्र के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हिसार के नागरिक अस्पताल पहुंचाया।

आंदोलन में मारे गए साथियों को किसानों ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

जींद। गांव गुलकनी में किसान आंदोलन के दौरान साल 2002 में जान गंवाने वाले किसानों को श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय किसान यूनियन द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें भाकियू के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव टिकैत के अलावा राष्ट्रीय महासचिव युद्धवीर सिंह के अलावा प्रदेश भर से किसान पहुंचे। सबसे पहले सुबह आठ बजे हवन किया गया। किसान नेताओं ने संबोधन से पहले किसानों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद किसान नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि बिजली के बिलों को लेकर प्रदेश भर में साल 1992 से बिजली आंदोलन चला आ रहा है। साल 2002 में गांव गुलकनी के पास भाकियू के कार्यक्रम के धरने के दौरान जिला प्रशासन ने गोली चलवा दी। पुलिस की गोली लगने से 9 किसानों की जान चली गई

थी। जान गंवाने वाले किसानों में राजपुरा भैण गांव के पांच किसान हवा सिंह, दिलबाग, राजेश, महासिंह, ओमप्रकाश, गांव गुलकनी निवासी चार किसान बिजेंद्र शर्मा, राम गोपाल, राजबीर, नरेश शामिल हैं। बाद में इन जान गंवाने वाले किसानों के स्टेच्यू यूनियन द्वारा गुलकनी में बनवाए गए। तभी से हर साल गुलकनी गांव में भाकियू द्वारा किसान शहीदी दिवस मनाया जाता है। नौगामा खाप व भाकियू ने इन किसानों की याद में गुलकनी गांव में स्मारक का निर्माण करवाया हुआ है। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से किसान पहुंचे और किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले किसानों को याद किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामफल कंडेला, प्रदेश अध्यक्ष रतनमान, युवा प्रदेश अध्यक्ष रवि आजाद, जिला अध्यक्ष बारू राम, ने कहा कि भाकियू द्वारा जल्द ही कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा और इसे गांव-गांव के स्तर पर ले जाया जाएगा।

भारत आखिर क्यों नहीं मान रहा गाजा में जो कुछ हो रहा है वह नरसंहार है!

>> विचार

> “ इज़रायल ने गाजा के सैकड़ों और संभवतः हजारों फिलिस्तीनियों को बिना किसी सूचना के हिरासत में रखा है और उन्हें यातनाएं देने के साथ अन्य क्रूर, अमानवीय या अपमानजनक हालात में कैद कर रखा है, जिसके कारण कई लोगों की मौत भी हुई है। गाज़ा में फिलिस्तीनियों के साथ इज़रायल जो कुछ कर रहा है, क्या वह नरसंहार नहीं है? बेशक है। एम्नेस्टी इंटरनेशनल समेत बहुत सारे समूहों का यही निष्कर्ष है। किसी समूह को 'आंशिक रूप से' नष्ट करने का इरादा नरसंहार के अपराध के लिए अपेक्षित विशिष्ट इरादे को स्थापित करने के लिए पर्याप्त सबूत है। समूह का हिस्सा क्या है, यह निर्धारित करने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय न्यायशास्त्र में एक विशिष्ट संख्यात्मक सीमा के बजाय इंतेहा को अपनाया गया है।

आकार पटेल

9 फरवरी 2022 को राज्यसभा में सरकार से सवाल पूछा गया कि, क्या गृहमंत्री यह बताने का कष्ट करेंगे कि क्या यह तथ्य है कि सरकार ने संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित जेनोसाइड कन्वेंशन यानी नरसंहार रोके के लिए की गई संधि (1948) की पुष्टि की है। (बी) यदि हां, तो क्या सरकार ने नरसंहार रोकने के संबंध में कोई कानून बनाया है? इस पर मोदी सरकार का जवाब था, भारत ने 29 नवंबर, 1949 को नरसंहार अपराध की रोकथाम और दंड पर संधि, 1948 पर हस्ताक्षर किए और 27 अगस्त, 1959 को इस कन्वेंशन का अनुमोदन किया यानी पुष्टि की और इस प्रकार नरसंहार को एक अंतर्राष्ट्रीय अपराध के रूप में मान्यता दी। दरअसल इस संधि में शामिल सिद्धांत सामान्य अंतरराष्ट्रीय कानून का हिस्सा हैं और इसलिए पहले से ही भारत के सामान्य कानून का हिस्सा हैं। दंड प्रक्रिया संहिता यानी सीआरपीसी सहित भारतीय दंड संहिता यानी आईपीसी के प्रावधान ऐसे अपराध की श्रेणी के दोषी व्यक्तियों के लिए प्रभावी सजा देते हैं और उन कृत्यों का संज्ञान लेते हैं जिन्हें नरसंहार की प्रकृति का मानते हुए दोषी अपराध माना जाता है। नरसंहार अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत एक अपराध है, भले ही इसे शांतकाल में या फिर सशस्त्र संघर्ष के दौरान अमल में लाया गया हो। जेनोसाइट कन्वेंशन के तहत इसे निषेद्य और अपराध की श्रेणी में लाया गया है, इसका और रोम संधि का इजरायल ने 1950 में अनुमोदन किया था। नरसंहार के तहत 5 विशेष कृत्य आते हैं: लोगों के समूह की हत्या, लोगों के समूह को गंभीर शारीरिक या मानसिक पीड़ा पहुंचाना, जानबूझकर किसी समूह पर जीवन की ऐसी शर्तें थोपना जिससे आंशिक या पूर्ण शारीरिक नुकसान हो, किसी समूह में जन्म को प्रतिबंधित कर देना और बलपूर्वक एक समूह के बच्चों को दूसरे समूह में भेजना। नरसंहार के अपराध की श्रेणी में आने के लिए, ये कृत्य ह्यकिसी राष्ट्रीय, जातीय, नस्लीय या धार्मिक समूह को पूरी तरह या आंशिक रूप से नष्ट करने के इरादे सेह्न भी किए गए हो सकते हैं। यही खास मंशा है जो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत नरसंहार को अन्य अपराधों से अलग करता है। कोई फिलिस्तीनी भले ही इज़रायल में रहने वाला इज़रायल का नागरिक हो, या फिलिस्तीनी क्षेत्र में इज़रायली सैन्य शासन के अधीन रह रहा हो या फ़िलिस्तीनी शरणार्थी हो, मोटे तौर पर उसकी पहचान तो फिलिस्तीनी ही है। इन फिलिस्तीनियों के बीच गहरे और साझा राजनीतिक, जातीय, सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्ते हैं। फ़लिस्तीनी एक आम भाषा साझा करते हैं और अलग-अलग धर्म का होने के बावजूद उनके रीति-रिवाज और सांस्कृतिक प्रथाएं समान हैं। इसलिए, वे जेनोसाइट कन्वेंशन के तहत संरक्षित

एक अलग राष्ट्रीय, जातीय और नस्लीय समूह ही माने जाते हैं। अक्टूबर 2023 से इज़रायल ने गाज़ा पट्टी में भयावह और बड़े पैमाने पर काफी लंबे समय तक हमले किए हैं। इसके बाद से यह लगातार जमीनी और हवाई हमले कर रहा है, जिनमें बड़े विस्फोटी हथियारों का इस्तेमाल किया जा रहा है। बड़े पैमाने पर गाज़ा में तबाही हुई है और इलाके के इलाके जमींदोज़ हो गए हैं। जिन इमारतों को तबाह किया गया है उनमें जीवन रक्षक इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे अस्पताल आदि), कृषि भूमि और सांस्कृतिक और धार्मिक इमारतें भी शामिल हैं। इन हमलों में उन जगहों को भी नेस्तनाबूद कर दिया गया है जो फिलिस्तीनियों की गहरे धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व से जुड़ी हैं। इज़रायल के सैन्य हमले में हज़ारों फ़लिस्तीनी मारे गए हैं और गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनमें हज़ारों बच्चे भी शामिल हैं, जो सीधे या अंधाधुंध हमलों में मारे गए हैं। कई खानदानों में तो कई पीढ़ियों के पूरे परिवार खत्म हो गए हैं। इज़रायल ने गाजा के 22 लाख निवासियों में से 90 फीसदी से ज़्यादा लोगों को जबरन विस्थापित कर दिया है, उनमें से कई को कई बार, लगातार सिकुड़ते, लगातार बदलते ज़मीन के ऐसे इलाकों में रहने को मजबूर हो गए हैं जहां बुनियादी जरूरतें तक मुहैया नहीं हैं। इन लोगों को एक सोची-समझी मौत के मुंह में ढकेल दिया गया है। इज़रायल ने जानबूझ कर जीवन रक्षक वस्तुओं और मानवीय सहायता के आने और उसके वितरण में बाधा डाली है या इनकार किया है। बिजली आपूर्ति ठप कर दी गई है, जिससे नुकसान और विनाश के साथ-साथ पानी, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली ध्वस्त हो गई है। इज़रायल ने गाजा के सैकड़ों और संभवतः हजारों फिलिस्तीनियों को बिना किसी सूचना के हिरासत में रखा है और उन्हें यातनाएं देने के साथ अन्य क्रूर, अमानवीय या अपमानजनक हालात में कैद कर रखा है, जिसके कारण कई लोगों की मौत भी हुई है। गाज़ा में फिलिस्तीनियों के साथ इज़रायल जो कुछ कर रहा है, क्या वह नरसंहार नहीं है? बेशक है। एम्नेस्टी इंटरनेशनल समेत बहुत सारे समूहों का यही निष्कर्ष है। किसी समूह को 'आंशिक रूप से' नष्ट करने का इरादा नरसंहार के अपराध के लिए अपेक्षित विशिष्ट इरादे को स्थापित करने के लिए पर्याप्त सबूत है। समूह का हिस्सा क्या है, यह निर्धारित करने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय न्यायशास्त्र में एक विशिष्ट संख्यात्मक सीमा के बजाय इंतेहा को अपनाया गया है। इस मानक के अनुसार अपराधी में संबंधित समूह के कम से कम 'काफी हिस्से' को नष्ट करने का इरादा सामने आना चाहिए, जो पूरे समूह पर प्रभाव डालने के लिए काफी हो। इसे इज़राइल के युद्ध पर लागू करते हुए, एमनेस्टी इंटरनेशनल का मानना है कि गाजा में रहने वाले फिलिस्तीनी पूरे फिलिस्तीनी समूह का एक बड़ा हिस्सा हैं। 2023 में, गाजा में रहने वाले फिलिस्तीनी, कब्जे वाले फिलिस्तीन में रहने वाले लगभग 55 लाख फिलिस्तीनियों का लगभग 40 फीसदी थे। महत्वपूर्ण बात यह है कि नरसंहार को स्थापित करने के लिए अपराधी को लक्षित समूह को पूरी तरह या आंशिक रूप से नष्ट करने में सफल होने की आवश्यकता नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायशास्त्र यह मानता है कि 'शब्द "पूरी तरह या आंशिक रूप से" वास्तविक विनाश के विपरीत इरादे को संदर्भित करता है।' समान रूप से महत्वपूर्ण, विशिष्ट इरादे का पता लगाने या अनुमान लगाने के लिए एक या एकमात्र इरादे को खोजने की आवश्यकता नहीं है। किसी राज्य या देश की कार्रवाइयों का दोहरा उद्देश्य हो सकता है - सैन्य नतीजे हासिल करना और किसी समूह को नष्ट करना। नरसंहार भी सैन्य नतीजे हासिल करने का साधन हो सकता है। दूसरे शब्दों में, नरसंहार का निष्कर्ष तब निकाला जा सकता है जब राज्य या देश किसी निश्चित सैन्य नतीजे को हासिल करने के लिए, किसी लक्ष्य के साधन के रूप में, या जब तक वह इसे हासिल नहीं कर लेता, तब तक किसी संरक्षित समूह को नष्ट करने का इरादा रखता है। गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ जो हो रहा है, वह नरसंहार है। उसे भारत एक अंतरराष्ट्रीय अपराध मानता है और भारत ने नरसंहार को रोकने और दंडित करने के लिए कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत को इस अपराध के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और कार्रवाई करनी चाहिए जो हमारी आंखों के सामने रोजाना जारी है।

संपादकीय

विकास दर कम भी हो सकती है

वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी, अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च) में देश की आर्थिक विकास दर 7.4 फीसदी रही। बेशक यह कई अपेक्षाओं और अनुमानों से परे मानी जा सकती है, लेकिन यह अभूतपूर्व नहीं है। कुल वित्त वर्ष की विकास दर 6.5 फीसदी रही है, यह पुष्टि भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने की है। विशेषज्ञों का मानना है कि सामान्य निर्यात में गिरावट और औद्योगिक गतिविधियों में सुस्ती का असर कुल अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई देता है। विशेषज्ञों का यह भी आकलन है कि मार्च तिमाही में अर्थव्यवस्था का मजबूत प्रदर्शन स्पष्ट करता है कि घरेलू मांग, निवेश, बचत आदि में बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल, 2025 में 26,632 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। यह किसी एक माह में सबसे बड़ा निवेश है। रिजर्व बैंक की ताजा रपट के मुताबिक, 2023-24 में घरेलू नेट वित्तीय बचत 5.1 फीसदी पर पहुंच गई थी, जो पिछले साल 4.9 फीसदी थी। यह आंकड़ा देश की आर्थिक सेहत के लिए सकारात्मक संकेत है। अब भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन गया है। 2025-26 में भी भारत की आर्थिक विकास दर 6.3 फीसदी से 6.8 फीसदी तक रह सकती है। अर्थात भारत की आर्थिक शक्ति और भी बढ़ेगी और हम अपना लक्ष्य हासिल कर सकेंगे। व्यापार, होटल, परिवहन और संचार के साथ-साथ वित्तीय, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं के क्षेत्र में विकास पहले की अपेक्षा धीमी गति से हुआ है। जीडीपी डाटा स्पष्ट करता है कि पिछले साल निजी खपत 7.2 फीसदी की दर से बढ़ी है। हालांकि कुछ कंपनियों की व्याख्या भिन्न है। वे मानती हैं कि मांग में नरमी आई है और मध्य वर्ग सिकुड़ा है। वे निवेश से प्राप्त पूंजी की स्थिरता पर भी सवाल करती आई हैं, जबकि तिमाही का डाटा स्पष्ट करता है कि सकल सावधि पूंजी निर्माण 9.4 फीसदी की दर से बढ़ा है। गौरतलब यह है कि अप्रैल, 2025 में खुदरा महंगाई दर 3.16 फीसदी रही। यह बीते कई माह की सबसे कम महंगाई दर है। खाद्य वस्तुओं की महंगाई घटना और निजी खपत बढना भी सकारात्मक संकेत हैं। विश्लेषक यह भी मान रहे हैं कि आने वाली तिमाहियों में यह विकास दर कम भी हो सकती है।

पंजाब में भाजपा की सियासी उदासीनता का सवाल

ज्योति मल्होत्रा

लुधियाना पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में 19 जून को होने वाले मतदान से सत्रह दिन पहले, पंजाब भाजपा दो सवाल पूछ रही है। पहला, यह लुधियाना पश्चिम है कहां? और दूसरा, लुधियाना पश्चिम से है कौन? पार्टी की राज्य इकाई में चला हुआ संकट पिछले कई महीनों से बाकी पूरे देश में चल रही उस आंधी से बिल्कुल अलहदा है, जिसने जिस किसी पार्टी की सरकार पर नज़र गड़ा दी, उसे ही ध्वस्त कर डाला है। हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्लीह्नयहां तक कि मणिपुर में भी भाजपा के लोग स्थानीय स्तर पर सरकार बदलने के प्रयास में अधिकांश विधायकों (44) के समर्थन का दावा कर रहे हैं। चौबीसों घंटे बतौर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का वजूद रेखांकित करवाने के लिए भाजपा के धुआंधार प्रचार को ऑपरेशन सिंदूर की जरूरत नहीं है झ अपने 90 करोड़ सदस्यों के साथ भाजपा का दावा है कि वह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से भी बड़ी है। निश्चित रूप से, ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल पार्टी के भीतर, बल्कि पूरे देश और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कद को बढ़ाया है। पहली बार उन्होंने ही पाकिस्तान के काफी अंदर जाकर आतंकी ढांचे को निशाना बनाने का फैसला लिया। फिर, जब पाकिस्तानियों ने बारामूला से भुज तक भारतीय सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों की बौछार करके जवाबी हमला किया, तो यह प्रधानमंत्री ही थे जिन्होंने पाकिस्तान के 11 ठिकानों और रनवे पर बमबारी करके हवाई युद्ध को आगे विस्तार देने का फैसला लिया। ब्रह्मोस मिसाइल ने निश्चित रूप से अपना काम बखूबी किया है, लेकिन रावलपिंडी स्थित पाकिस्तानी सेना मुख्यालय पर सीधा हमला करने के फैसले का श्रेय निश्चित रूप से पीएम मोदी को दिया जाना चाहिए। उनके अनन्य साथी, शक्तिशाली गृह मंत्री और मोदी के सबसे करीबी विश्वासपात्र अमित शाह के बारे में हम देख चुके हैं कि

प्रधानमंत्री और उनके बीच निकटता इस कदर है कि जरा भी भेद नहीं है। मानो वे एक-दूसरे की बात को पूरा करते हैं। दोनों का, पार्टी और देश के मामलों में पूरा नियंत्रण है। अमित शाह के बारे में बार-बार कहा जाता है कि वे कुछ भी संयोग पर नहीं छोड़ते। ऐसा कहा जाता है कि चुनाव पंचायत का हो या लोकसभा का, हरेक को ऐसे लड़ते हैं, मानो वह महाभारत की बिसात पर हों और हर जवाबी चाल के तोड़ में तीन चालें पहले से सोचकर चलते हैं। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के खत्म होने के कुछ ही दिनों के भीतर, जहां प्रधानमंत्री देश भर में दौरा करके लोगों को हाल ही में समाप्त हुए संघर्ष के बारे में अवगत करा रहे थे वहीं अमित शाह जमीन पर हुए नुकसान का आकलन करने के लिए जम्मू क्षेत्र में फिर से जा पहुंचे। शायद, यह सब कुछ नया नहीं है। साल 2014 में पार्टी के सत्ता में आने के बाद से मोदी-शाह ने भाजपा और देश को अपने मुट्ठी में कर रखा है झ विपक्ष को विभाजित करना, समाज और मीडिया दोनों को प्रभावित करना, देवताओं का आह्वान करना और इसे राष्ट्रवाद से जोड़ देना, हालांकि, जैसा कि हम जानते हैं, हिंदू देवताओं के बारे में भी कई प्यारी चीजें हैं! सभी पार्टी अध्यक्षों, पिछले और वर्तमान, को यह बात अच्छी तरह पता है। हिमाचल प्रदेश से संबंध रखने वाले और सौम्य स्वभाव के वर्तमान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा तक को भी मालूम नहीं होगा कि उनका विस्तारित अध्यक्ष पद कब तक और कितने समय तक रहने वाला है। कहा जाता है कि आरएसएस पूरी तरह से मोदी की गाड़ी पर सवार है, हिंदुत्व का इसका संदेश देशभर में फैलाया जा रहा है; अपने शताब्दी वर्ष में इससे ज्यादा और क्या चाहिए। तो, पहले प्रश्न पर वापस आते हैं। भाजपा में कोई भी, यहां तक कि मोदी-शाह को भी, पंजाब के एक हिस्से यानि लुधियाना पश्चिम में उपचुनाव की परवाह क्यों नहीं है, इसे देखते हुए कि पंजाब एक सीमावर्ती सूबा है, और अभी-अभी पाकिस्तान के साथ लगभग युद्ध जैसी स्थिति से गुजरा है, भले ही लड़ाई मुख्य रूप से हवाई युद्ध रही; लेकिन संघर्ष विराम के एक दिन के भीतर ही आदमपुर में प्रधानमंत्री के अलावा और कोई नहीं आया क्योंकि यह दिखाना था कि एस-400 ने पाकिस्तान की हत्फ मिसाइलों को मार गिराया था। इस पूर्ण उदासीनता पर गौर करें। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ कई महीने पहले इस्तीफा दे चुके हैं और उनकी जगह किसी को लाने की कोई कोशिश नहीं की गई। प्रभावशाली अमरेंद्र सिंह, जिन्होंने कांग्रेस को सबक सिखाने के लिए पार्टी छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गए, राजनीति के मसलों से कोसों दूर हैं और गर्मियों में कहीं और घूमने की सोच रहे होंगे। गुजरात के विजय रूपानी, जो कि भाजपा के पंजाब प्रदेश प्रभारी हैं, अब एक तरह से छुप रहे हैं, लेकिन हर कोई यह सब देख रहा है। लुधियाना पश्चिम मुख्य रूप से हिंदू बहुल मतदान क्षेत्र है, यह तादाद 85 प्रतिशत तक है, जो वर्तमान में दो विधायकों वाली भाजपा के लिए बेहतर कर दिखाने के दृढ़ संकल्प के वास्ते एकदम सही जमीन है। यूं 2024 के लोकसभा चुनावों में भी भाजपा का प्रदर्शन बहुत बुरा नहीं रहा, जब 18 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। आपातकाल के दौरान पंजाब में काफी समय बिताने वाले प्रधानमंत्री के बारे में कहा जाता है कि उन्हें पंजाब से खासा लगाव है। लेकिन निश्चित तौर पर ऊहापोह है। लुधियाना के स्थानीय नेता बिक्रम सिंह सिद्धू के बारे में लुधियाना पश्चिम से संभावित उम्मीदवार होने की बात कही जा रही है उन्होंने पिछली बार भी चुनाव लड़ा था सिवाय इसके कि स्थानीय ह्यसंगठन या आरएसएस के मंत्री श्रीनिवासुलु, उन्हें पसंद नहीं करते और उन्हें तो संगठन को पूरी तरह समर्पित एक अन्य स्थानीय व्यक्ति जीवन गुप्ता भा रहे हैं, लेकिन जैसा कि एक व्यक्ति ने चुटकी ली : 10 वोट भी नहीं मिलेंगे। इस बीच, श्रीनिवासुलु पंजाब भाजपा में अलोकप्रिय हैं। एक तेलुगु भाषी सज्जन, जो शिद्दत से मीलों-मील दौरा करते हैं, इस पिंड से उस पिंड घूमते रहते हैं, लेकिन फायदा कुछ नहीं हो रहा। यह वास्तव में उनकी गलती नहीं है। पंजाबियों के लिए वे अजूबा हैं और पंजाबी उनके लिए। न्यूटन का तीसरा नियम यहीं लागू होता है : हर क्रिया की बराबर और विपरीत प्रतिक्रिया होती है। यकीनन, कश्मीर से कन्याकुमारी तक, वाया पंजाब और आंध्र प्रदेश, भारत एक है, लेकिन भाजपा को पता होना चाहिए कि मैगी में कुछ स्थानीय स्वाद का तड़का हमेशा पसंद किया जाता है। तो, मूल प्रश्न पर वापस आते हैं। भाजपा लुधियाना पश्चिम से लड़ने में दिलचस्पी क्यों नहीं ले रही? शायद, केवल 13 लोकसभा सीटों वाला पंजाब इतना मायने नहीं रखता; और अकाली दल के बिना, भाजपा के लिए राज्य के सिख-बहुल गांवों में प्रवेश करना मुश्किल है। हो सकता है उपरोक्त में से कोई एक भी सच न हो और असली कारण यह हो कि पंजाबी, जो सदियों से दिल्ली दरबार की मुखाल्फत करने के आदी रहे हैं, उनके लिए भगवा पार्टी के मोह से बचना आसान है। लेकिन फिर भाजपा इस स्थिति को बदलना क्यों नहीं चाहती?

(लेखिका द ट्रिब्यून की प्रधान संपादक हैं।)

झूम कर बरसने वाले बदरा को व्यर्थ बहने ना दें, संरक्षित करें

अनुपम राजीव राजवैद्य

बादल गरजे, बूंदें आईं, खुश है धरती थोड़ी-थोड़ी। क्यूं पानी बहने देकर, बूंद बूंद है हमने छोड़ी। कहां मिलेगी ऐसी खुशबू, फिर से हमको सौंधी सौंधी। अब तो आवा पानी झोंकी। छत पे गिरता, गली में बहता, नालों से फिर नदी में जाता। हम सबके कुछ काम न आता। धरती कहे पुकार के भैया, एका रोकी.. एका रोकी.. एका रोकी। अब तो आवा पानी झोंकी। इन पंक्तियों को चरितार्थ किया है छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के लोगों ने। प्रदेश में मानसून की दस्तक के बीच 29 मई को कोरिया में जल संरक्षण के लिए ऐसा कार्य किया कि वह गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड में दर्ज हो गया। यहां की 165 ग्राम पंचायतों और 3 नगरीय निकायों ने 3 घंटे में 660 सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया। सोख्ता गड्ढे यानी कि सोकपिट या लीचपिट जमीन में बने गड्ढे होते हैं। सोख्ता गड्ढे जल संचयन और भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए बनाए जाते हैं। इनका निर्माण बहुत आसानी से किया

जा सकता है। करीबन एक मीटर गहरा गड्ढा खोदना होता है, जिसे पत्थर या ईंट के टुकड़ों से भरा जाता है। इस गड्ढे को ऐसे ढक्कन से ढक दिया जाता है, जिसमें छोटे-छोटे छेद होते हैं। इन छेदों से बारिश का पानी या व्यर्थ बहते जल को जमीन में पहुंचाया जाता है। इसके माध्यम से गिरते भूजल स्तर को काफी हद तक रोका जा सकता है। कोरिया जिले में यह कार्य पूरी तरह से जन सहयोग से किया गया। इसे हमें सिर्फ एक रेकॉर्ड बनाने का कार्य नहीं समझना चाहिए। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि इस मायने में है कि कोरिया जिले के लोगों ने इस मानसून में बारिश के पानी को व्यर्थ बहने से बचाने की दिशा में बड़ा कार्य कर लिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक आज बनाए गए 660 सोख्ता गड्ढों में 60 तालाबों के बराबर जल संचयन की क्षमता विकसित हो गई है। जल प्रबंधन और संरक्षण के लिए किए गए इस कार्य को पूरे प्रदेश में किया जाना चाहिए। इसके लिए सरकार का मुंह नहीं ताकना चाहिए, क्योंकि सोख्ता गड्ढों का निर्माण आप और हम स्वयं कर सकते हैं। इसमें ज्यादा खर्च भी नहीं आएगा। तो आइए हम संकल्प लें कि इस मानसून में हम वर्षा जल को व्यर्थ बहने नहीं देंगे और अपने कल को संरक्षित करेंगे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

घर को बनाएं खूबसूरत

घर का चाहे कोई भी कमरा क्यों न हो, उसके कॉर्नर को सजाने के लिए अक्सर विकल्प की कमी महसूस की जाती है। आप अपने घर के कॉर्नर को सजाने के लिए प्लांट्स के अलावा फूलदान व टेलीफोन रख सकते है। इससे जगह का तो इस्तेमाल होगा ही साथ ही घर भी निखरा दिखेगा..

अक्सर घर की साज-सज्जा में हम घर के कमरों के कॉर्नर की अहमियत और उसके उपयोग पर ध्यान नहीं देते, लेकिन इन कोनों पर ध्यान देते हुए इसका सही उपयोग किया जो घर की सजा-सज्जा और खूबसूरती में निखार आएगा, साथ ही आपको घर में मिलेगी अतिरिक्त जगह। यही नहीं जगह को आप अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इंटीरियर डिजाइनर्स की मानें तो उनका कहना है कि घर का कोई भी हिस्सा चाहे वह ड्राइंग रूम हो, किचन, बालकनी या फिर बेडरूम ही क्यों न हो, कमरों में स्पेस मैनेजमेंट के जरिये ही उसका उचित इस्तेमाल किया जा सकेगा। हालांकि इसका एक पहलू यह भी है कि जगह की कमी और बढ़ती आवश्यकताओं ने लोगों के सामने ज्यादा विकल्प उपलब्ध नहीं हैं। इसी विकल्प को ध्यान में रखते हुए आजकल इंटीरियर डिजाइनर भी सलाह देते हैं कि घर के कमरे के कोने का उचित इस्तेमाल करें और यहां पर उन्हीं चीजों को स्थान दें जिनका इस्तेमाल रोजाना करना हो।

वैसे यह शत-प्रतिशत सही भी नहीं है इसलिए कई डिजाइनर्स का यह भी कहना है कि कमरों के कोनों में उन चीजों का रखा जाए जहां कम से कम आवाजाही हो। यह कहना किसी हद तक सही भी है क्योंकि ऐसी स्थिति में चीजों के अस्त-व्यस्त रहने की गुंजाइश बनी रहती है। घर में बेडरूम, ड्राइंग रूम, बालकनी और किचन में बहुत सा स्पेस बचा रहता है, जिसका इस्तेमाल हम जाने-अनजाने नहीं करते। ऐसा बेहतर प्लानिंग न होने की वजह से होता है। ऐसे में जरूरत है तो स्पेस को पहचानने और उसके सही इस्तेमाल की और यह काम बहुत मुश्किल नहीं है। तो क्यों न आप भी कुछ खास बातों को ध्यान में रखते हुए अपने घर के कोनों का इस्तेमाल करें। यह बात बेडरूम ड्राइंग रूम किचन या फिर बालकनी पर भी लागू होती है। मसलन टेलीविजन रखने से लेकर सिंगल या डबल बेड शोपीस, बच्चों के खिलौनों और गमलों आदि पर भी लागू होती है। जहां तक टेलीविजन की बात है, उसे कोने में रखना बेहतर हो सकता है। घर के कोने रखा टीवी घर के सभी सदस्यों को दिखेगा और यही आपको मकसद भी होना चाहिए। टीवी के दोनों कोनों के नजदीक ही गमले रखने से लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ जाएगी। गमले दरवाजे के दोनों तरफ भी रखे जा सकते हैं। लेकिन इसकी पहली शर्त यह है कि दरवाजे पर खूबसूरत और रंगीन पर्दा जरूर लगा हो। पर्दा लगा होने की स्थिति में कोने की खूबसूरती बढ़ जाएगी।

यही स्थिति डाइनिंग टेबल की है। इसके किचन के नजदीक रखा जाना चाहिए। अमूमन ड्राइंग रूम और बेडरूम व किचन के बीच स्पेस होता है, इसका इस्तेमाल डाइनिंग टेबल रखने के लिए कर सकते हैं। आधुनिक घरों को डिजाइन करते वक्त डाइनिंग के लिए विशेष तौर पर जगह निकाली जाती है। किताबें रखने के लिए ड्राइंग रूम के दरवाजे के पीछे रैक रखी जा सकती है। या फिर आप चाहें तो इसके लिए रैक भी बनवा सकते हैं। घर के लिविंग रूम के कोने में टेलीफोन या फिर कम्प्यूटर भी रखे जा सकते हैं। कम्प्यूटर को वैसे भी ऐसी जगह रखना चाहिए, जहां आवाजाही कम से कम हो।

कॉर्नर चाहे बड़ों के कमरों के हों या फिर बच्चों के, कमरे के कोने में रखा सामान उसके व्यक्तित्व को भी एक पहचान देता है। वैसे बच्चे कोने की अहमियत शायद न समझें, इसीलिए जूते या स्कूल बैग और रद्दी कागज बिखेरने के लिए इनका इस्तेमाल करें। बच्चों के कमरों में कॉनर्स पर टेबल लगाई जा सकती है, जिसमें उनके खिलौने और टेक्स्ट बुक्स के अलावा मैगजीन आदि रखी जा सकती हैं। इस हिस्से को निखार देने के लिए उन्हीं के द्वारा बनाई पेंटिंग्स के जरिये भी इस हिस्से की खूबसूरती और बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा उनकी स्पो?र्ट्स किट या फिर फ्रेम कराई गई फोटो भी लगा सकते हैं। इससे यह स्पेस जीवंत और सकारात्मक भी लगेगा।

बात बेडरूम की करें तो कोनों में ग्लास या फिर वुडन स्टैंड लगवाकर उस पर गुलदस्ता, लैंपशेड, कोई एंटीक पीस सजाया जा सकता है। आप चाहें तो छोटा सा मंदिर बनवाकर उसमें मूर्तियां भी रख सकते हैं। हां यह जरूर ध्यान रखें कि कॉर्नर में बनाए जाने वाले इन स्टैंड्स की हाइट कम से कम पांच फीट की जरूर हो, जिससे कि छोटे बच्चे इन्हें किसी तरह का नुकसान न पहुंचा सकें। इसमें कोई दो राय नहीं कि मौजूदा समय में घरों के आकार छोटे हो रहे हैं, जिससे इनमें रहने वालों को अक्सर स्पेस की कमी महसूस होती है। फिर भी घर में जितना भी स्पेस हो, अगर उसका सही इस्तेमाल किया जाए तो इस समस्या से काफी हद तक राहत

सोफा वही सोच नई

हमेशा उपयोग के हिसाब से ही फैब्रिक का चयन करें। सफाई के लिहाज से भी उनका रंग, टेक्सचर, मजबूती आपके लिए काफी मायने रखती है, इसलिए इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें। उदाहरण के तौर पर गहरा और प्रिंटेड सिंथेटिक फैब्रिक ज्यादा इस्तेमाल होने वाले स्थान के लिए बेहतर विकल्प है, जबकि इसके उलट सिल्क की देखभाल करना काफी कठिन है।

लेदर

यह सजावट का काफी महंगा विकल्प है, लेकिन मजबूती के मामले में इसका कोई सानी नहीं है। इसमें दाग-धब्बे आसानी से नहीं पड़ते और थोड़ी सी सफाई से ही इसकी खूबसूरती हमेशा बरकरार रहती है। घर के सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाले हिस्से के लिए यह एक बेहतरीन विकल्प है। हालांकि गर्मी के मौसम में यह थोड़ा परेशानी भरा रहता है। यदि आपका इरादा पक्का है कि लुक तो आपको यही चाहिए तो नकली या सिंथेटिक लेदर ले सकती हैं।

कॉटन

कॉटन अपहोलस्ट्री में नेचुरल कॉटन और कॉटन ब्लेंड्स दोनों तरह के फैब्रिक्स मिलते हैं। कॉटन ब्लेंड्स नेचुरल कॉटन की अपेक्षा अधिक मजबूत और टिकाऊ होता है। स्टेन रेजिस्टेंट फिनिश वाले ब्लेंड्स के बाद बच्चों के बीच अधिक उपयोगी सिद्ध होते हैं। हालांकि इनमें दाग-धब्बे और सिकुड़न आने की संभावना रहती है।

सिल्क

यह काफी नाजुक होता है और इसमें दाग-धब्बे लगने की संभावना भी बहुत ज्यादा रहती है, इसलिए इन्हें घर के उन स्थानों पर जगह दें, जिनका इस्तेमाल कम ही होता है। इसके अलावा बच्चों तथा जानवरों से तो इन्हें दूर ही रखें। इनमें रंगों के बहुत सारे विकल्प मौजूद हैं और भी बेहतरीन लुक के लिए बहुत तरह के पैटर्न, जो लगाने पर काफी एलीगेंट और रिच लगते हैं। एन्वॉयरमेंट फ्रेंडली बनने के लिए आप सिंथेटिक सिल्क का प्रयोग कर सकती हैं।

एक्रिलिक

एक्रिलिक एक सिंथेटिक फैब्रिक है। मजबूत और टिकाऊ होने के साथ ही इसमें सिकुड़न और सिलवटें आने की संभावना कम रहती है। इसे साफ करना भी काफी आसान है। मनपसंद रंगों में मिलने वाले अच्छी क्वालिटी के इस उत्पाद का मजा आप सारे परिवार के साथ बैठकर ले सकती हैं, वह भी बिना किसी टेंशन के। जिन लोगों को एलर्जी की शिकायत रहती है वह अपने फर्नीचर के लिए हाइपोएलर्जेनिक एक्रिलिक फैब्रिक के बारे में विचार कर सकती हैं।

लिनेन

कई सारे रंगों और पैटर्न में मिलने वाला लिनेन काफी मजबूत और टिकाऊ विकल्प है। हालांकि लिनेन में भी सिल्क की तरह सिलवटें और दाग-धब्बे आसानी से पड़ जाते हैं और ये ड्राईक्लीनिंग मांगता है। रोजमर्रा में भी इनकी सफाई का विशेष ध्यान रखना पड़ता है। जो भी हो फर्नीचर के लिए लिनेन एक बेहतरीन विकल्प है।

जब घर में बनाएं ऑफिस

ज्यादातर लोग घरेलू और कामकाजी जीवन को अलग-अलग रखना पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से घर से ऑफिस चलाने की अवधारणा बहुत लोकप्रिय हुई है। पहलेपहल यह कंसेप्ट 1990 में चलन में आया। इसे नाम दिया गया- सोहो ।

आज के दौर में हर शिक्षित स्त्री काम करना चाहती है, लिहाजा घर में ऑफिस का विचार और फलने-फूलने लगा है। लेकिन कम लोगों के पास ही घर में इतनी जगह होती है कि वे सुचारु ढंग से ऑफिस चला सकें। कुछ लोग अपने घर के लिविंग स्पेस में ही ऑफिस निकाल लेते है। लेकिन यदि प्रोफेशनल ढंग से न काम किया जाए और व्यवस्थित ऑफिस न बनाया जाए तो उससे फायदा कम ही मिल पाता है। घर में ही सुविधाजनक और शांत कार्यस्थल बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

खाली जगह का सदुपयोग करे

कई बार घर के खाली स्थानों पर नजर जाती ही नहीं, जबकि इनका उपयोग ऑफिस के लिए किया जा सकता है। यदि आपका काम ज्यादा घंटे का नहीं है तो आप अपने स्टडी या लिविंग स्पेस का ही पार्टिशन करके अपने लिए छोटा ऑफिस बना सकती हैं। लेकिन यदि काम ज्यादा गंभीरता और समय की मांग करता है तो इसे अलग स्थान की जरूरत है। यदि आपके घर में तीन-चार बैलकनी है तो एक को कवर करके आप इसका उपयोग ऑफिस के लिए कर सकती है। घर में जगह कम हो तो स्टोर रूम या ड्रेसिंग रूम को भी ऑफिस की शक्ल दी जा सकती है। अपने बेसमेंट, गैरेज में भी रेनोवेशन करके आप इसे ऑफिस का रूप दे सकती है। लेकिन इन स्थानों का चुनाव तभी करे, जबकि भविष्य में भी आपको इनकी जरूरत न हो, क्योंकि बार-बार ऑफिस शिफ्ट करना मुश्किल होता है। महत्वपूर्ण यह है कि होम ऑफिस में समर्पित भाव से कार्य कर सकें, इसलिए जगह के चुनाव में सावधानियां बरतें।

हवादार हो कमरा

एक हवादार कमरा कार्यक्षमता को बढ़ा देता है। ए.सी. और पंखे होने के बावजूद यदि ऑफिस में प्राकृतिक तौर पर हवा की आवाजाही की व्यवस्था हो तो यह बेहतर होगा। यदि आप रचनात्मक कार्यो से जुड़ी है तो खिड़की के बाहर हरियाली को निहारना, मौसम के बदलते रूपों को देखना भी आपको प्रेरणा प्रदान करता है। इसलिए एक बड़ी विंडो, जिससे बाहर कुछ अच्छे दृश्य नजर आएं, ऑफिस में जरूर हो।

प्रकाश व्यवस्था

अपने घर के जिस भी कोने में ऑफिस बनाएं, यह ध्यान रखें कि वहां प्रकाश की समुचित आवाजाही हो, क्योंकि कम या अंधेरी सी रोशनी में काम करना हानिकारक होता है। ऑफिस के इस कमरे को पूरे वर्ष के मौसम के अनुसार व्यवस्थित करे। उदाहरण के लिए यदि गर्मी में ऑफिस बना रही हैं तो आगामी बरसात और सर्दियों के मौसम का भी ध्यान जरूर रखें और उसी के अनुरूप ऑफिस को व्यवस्थित करे। लाइट्स ऐसी लगाएं जो आपकी कार्य प्रकृति के अनुरूप हो।

शांत माहौल जरूरी

घर में ऑफिस बनाने का नुकसान यह होता है कि घरेलू कार्यो से आप खुद को अलग नहीं कर सकतीं। ऑफिस के साथ यदि मुख्य प्रवेश द्वार, किचन या बच्चों का कमरा है तो शांत भाव से आप काम नहीं कर सकतीं। किचन से बीच-बीच में चाय-कॉफी का स्वाद तो ले सकती है, लेकिन यदि यहां पूरे घर का भोजन बनता है तो आपको परेशानी हो सकती है। छह-सात घंटे काम करने के लिए जिस शांत माहौल की जरूरत होती है, वह आपको नहीं मिल सकता। शोरगुल वाले या व्यस्त कमरों से थोड़ी दूरी पर स्थित होना चाहिए ऑफिस। यदि आप फ्लैट सिस्टम में रहती हैं और आप आपके पास अतिरिक्त कमरे नहीं है तो फिर अपने कमरे में साउंड प्रूफ सिस्टम का प्रयोग कर सकती है। इसके अलावा मजबूत वूडेन पैनल्स भी इस शोरगुल से आपको बचा सकते है। यदि घर दोमंजिला है तो आप एक मंजिल को अपने ऑफिस के लिए प्रयोग कर सकती है।

सुविधाजनक हो फर्नीचर

व्यवस्थित और छोटी जगह में ज्यादा सामान खपाने वाला फर्नीचर आपके होम ऑफिस में होना चाहिए। यदि आपको कंप्यूटर पर कार्य करना है तो डेस्कटॉप, की-बोर्ड और चेयर का चुनाव सावधानी से करे। अलमारियां, कैबिनेट्स इस तरह से डिजाइन करे कि सारा सामान आपकी पहुंच में रहे, साथ ही व्यवस्थित भी दिखे। बहुत भारी-भरकम फर्नीचर से ऑफिस बहुत भरा-भरा दिखता है। थोड़ी जगह खाली रहे, यह जरूरी है।

अनावश्यक चीजें न रखें

अपने इस कार्यस्थल को ऐसे डिजाइन करे कि सारा कार्य शांति से हो सके। अनावश्यक चीजों के संग्रह से बचें। रोजमर्रा के व्यर्थ कागजों को डस्टबिन में डालती रहे। इस कमरे में मौजूद पहले के सामानों को दूसरे कमरे या स्टोर रूम में एडजस्ट करे, ताकि अपनी सुविधानुसार ऑफिस को व्यवस्थित कर सकें। फैक्स मशीन या प्रिंटर के आसपास फालतू पेपर्स का जमघट न लगाएं और न ही अपनी मेज की दराज और कैबिनेट्स में अनावश्यक रद्दी एकत्र करे। छोटे से इस ऑफिस को जितना क्लटर फ्री यानी साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखेंगी, उतना ही काम में ध्यान केंद्रित कर सकेंगी।

मूड फ्रेश रखने के लिए

शांत और एकाग्रचित्त होकर कार्य करने के लिए कुछ ऐसे सामान ऑफिस में जरूर रखें, जो आपके मूड को अच्छा रखें। अपनी वॉल्स को पसंदीदा रंगों से सजाएं, कुछ इंडोर प्लांट्स के पॉट्स रखें। फैमिली फोटो के साथ कुछ अच्छे लैंडस्केप्स भी लगाएं। म्यूजिक का शौक है तो अपनी पसंदीदा सीडीज इस रूम में रख सकती है, लेकिन ध्यान रखें कि यह काम करने की जगह है, इसलिए इसे बहुत ज्यादा न भरें।

ड्रग्स तस्करी के मामले में नाइजीरियन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मादक पदार्थ का धंधा करने के आरोप में नाइजीरियन नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान डेविड लीने (48) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से कुल 282 ग्राम उम्दा किस्म की कोकीन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत एक करोड़ से ज्यादा की बताई जा रही है। वर्ष 2015 में मेडिकल वीजा पर आया डेविड अवैध रूप से भारत में अपने परिवार के साथ रह रहा था। भारत में रहने के दौरान आरोपित ने पहले सैलून खोला। इसके बाद आरोपित ने प्रॉपर्टी डीलिंग का भी काम किया। काम न चलने पर इसने पत्नी के साथ मिलकर अफ्रीकी कम्यूनिटी के लिए एक किचन भी खोला था। काम न चलने की वजह से छह माह पूर्व ही इसने एक अन्य नाइजीरियन नागरिक लियो के कहने पर मादक पदार्थों का धंधा शुरू किया था। आरोपी के पास से साउथ अफ्रीका एक फर्जी पासपोर्ट भी बरामद हुआ है। क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि उनकी टीम पिछले काफी समय से मादक पदार्थों का धंधा करने वालों पर नजर रखे हुए है। इसी कड़ी में टीम को सूचना मिली कि एक नाइजीरियन नागरिक कोकीन सप्लाई करने महावीर नगर, तिलक नगर आने वाला है। सूचना के बाद फौरन एक टीम का गठन किया गया।

लूटपाट के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। ज्योति नगर और खजूरी खास इलाके में लूटपाट के दो मामलों में फरार चल रहे भगोड़े बदमाश को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान जावेद उर्फ हैप्पी (35) के रूप में हुई है। आरोपित लूटपाट, झपटमारी, चोरी, अवैध हथियार समेत करीब 21 मामलों में शामिल रहा है। दयालपुर में हुई चोरी के एक मामले में आरोपित को अदालत सजा सुना चुकी है। ज्योति नगर और खजूरी खास इलाके में पिस्टल दिखाकर हुई लूट के मामले में अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। पुलिस पकड़े गए आरोपित से पूछताछ कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। आरोपित को करावल नगर से दबोचा गया। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि महिला सिपाही सिमरन को भगोड़े बदमाश जावेद उर्फ हैप्पी की सूचना मिली थी कि आरोपित करावल नगर में आने वाला है। सूचना के बाद फौरन एक टीम का गठन कर आरोपित को 31 मई को करावल नगर इलाके से दबोच लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपित ने खजूरी और ज्योति नगर में लूट में शामिल होने की बात स्वीकार की। पुलिस की पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वर्ष 2013 में उसने अपराध की दुनिया में कदम रखा था। वर्ष 2013 में इसके खिलाफ चोरी का एक मामला दर्ज हुआ था।

सुंदर नगरी सिलेंडर ब्लास्ट में दो बच्चे की मौत

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के नंद नगरी थाना क्षेत्र के सुंदर नगरी इलाके में गाड़ी में इस्तेमाल किए जाने वाले सीएनजी सिलेंडर में ब्लास्ट से दो मासूम बच्चों की इलाज के दौरान जीटीबी अस्पताल में मौत हो गई। इस हादसे में दोनों बच्चे 80 प्रतिशत से ज्यादा झुलस गए थे। मृतक बच्चों की पहचान साकिब और अब्बास के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुंदर नगरी इलाके के एक गोदाम में तकरीबन 4:30 बजे पुराना सीएनजी सिलेंडर की मरम्मत के दौरान जोरदार धमाका हुआ था। धमाका इतना जबरदस्त था कि गोदाम में लगे लोहे का दरवाजा टूट गया था। वहीं, इसकी चपेट में पास में खेल रहे तीन मासूम बच्चे आ गए थे। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची थी। घायलों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान आज दो बच्चे की मौत हो गई। उत्तर पूर्वी दिल्ली के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि हादसे को लेकर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं, इस दुर्घटना को लेकर इलाके के लोगों में भारी रोष है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि गोदाम में सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए पुराने सीएनजी सिलेंडरों की मरम्मत की जा रही थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह गोदाम लंबे समय से इस तरह के खतरनाक कामों में लिप्त था।

दिल्ली मेट्रो ने शुरू की विशेष श्रेणी के यात्रियों के लिए प्रायोरिटी फ्रिस्किंग सुविधा

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के साथ मिलकर विशेष श्रेणी के यात्रियों के लिए मेट्रो स्टेशनों पर प्रायोरिटी फ्रिस्किंग (प्राथमिकता जांच) की सुविधा शुरू की है। इस पहल का उद्देश्य विशेष जरूरत वाले यात्रियों को एक सहज, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करना है। इस सुविधा का लाभ दिव्यांगजन, गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चों के साथ महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और घायल व्यक्ति उठा सकेंगे। मेट्रो स्टेशनों पर ऐसे यात्रियों को अब सुरक्षा जांच के दौरान प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे उन्हें लंबी कतारों में इंतजार नहीं करना पड़ेगा। डीएमआरसी ने बताया कि यह पहल मेट्रो प्रणाली को और अधिक समावेशी, सुलभ और संवेदनशील बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से दिल्ली मेट्रो यह सुनिश्चित करना चाहती है कि सभी यात्री, विशेषकर विशेष जरूरतमंद वाले लोग, बिना किसी परेशानी के मेट्रो सेवाओं का लाभ उठा सकें। डीएमआरसी ने बताया कि यदि किसी यात्री को लेकर संदेह हो तो सुरक्षा कर्मी उनसे उचित दस्तावेज दिखाने का अनुरोध कर सकते हैं।

अंत्योदय का संकल्प लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत बनाने के लिए भाजपा निरंतर प्रयासरतः जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'अंत्योदय' का संकल्प लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत बनाने के लिए भाजपा निरंतर जुटी है, आज भारत प्रगति व प्रतिष्ठा के उत्कर्ष के पथ पर अग्रसर है। जेपी नड्डा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद व्याख्यान के 60 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राष्ट्रीय स्मृति संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने उनके जीवनवृत्त पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय पंडित जी ने अत्यंत कम समय में जनसंघ को एक राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित किया। इस दौरान एक कुशल नेता, विचारक व संगठक के रूप में

उपाध्याय जी का राष्ट्रनिर्माण में योगदान अतुलनीय है। जेपी नड्डा ने कहा कि कोई व्यक्ति सिर्फ नेता होता है, कोई विचारक होता है, कोई संगठक होता है, लेकिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय में तीनों गुण थे।

उन्होंने बहुत कम समय में जनसंघ को एक राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय विचारधारा और संस्कृति को धरातल पर उतारने का काम किया। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं दो दिन में नहीं बनी हैं बल्कि हजारों साल की है, जिनका राजनीतिक और सामाजिक महत्व है। अगर हम समाजवाद की बात करें तो पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा से स्पष्ट था कि अंतिम व्यक्ति की चिंता करो। उन्हीं की प्रेरणा से हम अंत्योदय की ओर बढ़े। विचारधारा स्थूल नहीं होती, वो समय के साथ लगातार बढ़ती रहती है। जिस बीज को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने बोया था वो आज स्थायी शासन के रूप में फल-फूल रहा है।

विकलांग युवती की अपहरण के बाद गला दबाकर हत्या

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के मदनपुर खादर इलाके में एक विकलांग युवती की अपहरण के बाद गला दबाकर हत्या कर दी गई। युवती रात अपने परिजनों के साथ घर की छत पर सो रही थी। देर रात उसका शव घर के समीप बनी एक खाली झुग्गी में पड़ा मिला। पुलिस ने अपहरण व हत्या का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने अभी युवती के साथ रेप या सेक्सुअल असॉल्ट की पुष्टि तो नहीं की मगर इससे इंकार भी नहीं किया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। जानकारी के अनुसार 22 वर्षीय विकलांग युवती अपने परिवार के साथ मदनपुर खादर एक्सटेंशन इलाके में रहती थी। शनिवार रात करीब 1 बजे पहले सरिता विहार और बाद में कालिंदी कुंज थाना पुलिस को युवती के अपहरण की पीसीआर कॉल मिली। इसके बाद कालिंदी कुंज पुलिस कॉलर द्वारा बताए स्थान पर पहुंची। वहां पता चला कि विकलांग युवती का उसके घर से रात को सोते समय अपहरण हुआ है। युवती अपने परिजनों के साथ छत पर सो रही थी। पुलिस की टीम घटनास्थल पर जांच पड़ताल कर ही रही थी तभी उसी गली में स्थित एक खाली झुग्गी में युवती का शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच पड़ताल की। आसपास के इलाके में छानबीन की। पड़ोस की गलियों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली गई। युवती के परिजनों तथा आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस ने वारदात में शामिल संदिग्ध की पहचान कर ली है। उसे पकड़ने के लिए कई टीमों को लगाया गया है।

देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 3758 के पार, दो की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। कोरोना वायरस से पिछले 24 घंटे के दौरान दो मरीजों की मौत हुई है। कर्नाटक में 63 वर्षीय बुजुर्ग मरीज ने दम तोड़ दिया, जिन्हें पहले से अन्य गंभीर बीमारियां भी थीं। केरल में 24 साल की एक युवती की संक्रमण से मौत हुई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने सुबह जारी आंकड़ों में बताया कि देश में एक्टिव कोविड केस की संख्या बढ़कर 3758 हो गई है। बीते 24 घंटे में 363 नए संक्रमित मरीज सामने आए, जबकि 1818 मरीजों को इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। आंकड़ों के अनुसार सभी राज्यों में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे है। केरल में सबसे ज्यादा 1400, महाराष्ट्र में 485 और दिल्ली में 436 कोरोना के मामले हैं। देश में कोरोना के 4 नए वैरिएंट मिले हैं। आईसीएमआर के मुताबिक दक्षिण और पश्चिम भारत में कोरोना के चार नए वैरिएंट की पहचान हुई

है। इनमें एलएफ.7, एक्सेफजी, जेएन 1 और एंबी.1.8.1 शामिल हैं। जेएन.1 भारत में सबसे आम वैरिएंट बन गया है, जो टेस्टिंग में 50 प्रतिशत से ज्यादा सैंपल में मिला है। यह ओमिक्रॉन के बी ए.2.86 का स्ट्रेन है और इम्यूनिटी को कमजोर करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हालांकि इसे 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' की श्रेणी में रखा है, लेकिन इन वैरिएंट को बहुत चिंताजनक नहीं माना है।

एयर मार्शल जसवीर सिंह मान ने पश्चिमी वायु कमान में वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर का कार्यभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना की पश्चिमी वायु कमान में एयर मार्शल जसवीर सिंह मान ने वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर के रूप में कार्यभार संभाला। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं और उन्हें 16 दिसंबर, 1989 को वायु सेना में लड़ाकू पायलट के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने मुख्य रूप से विभिन्न प्रकार के लड़ाकू विमानों पर 3000 घंटे से अधिक उड़ान भरी है। एयर ऑफिसर को राष्ट्रपति पुरस्कार 'अति विशिष्ट सेवा पदक' और 'वायु सेना पदक' मिल चुका है। वायु सेना में वह एक पायलट अटैक इंस्ट्रक्टर रहे हैं और अपने ऑपरेशनल करियर में उन्होंने एक फाइटर स्क्वाड्रन की कमान संभाली है। वह एक फॉरवर्ड बेस के चीफ ऑपरेशन ऑफिसर और एक प्रीमियम फाइटर बेस के एयर ऑफिसर कमांडिंग रहे हैं। उन्होंने एयर हेडक्वार्टर और कमांड हेडक्वार्टर में कई महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया है। वायु अधिकारी ने 2017 में रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर एयर फोर्स और 2018 में यूएसएएफ के साथ संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास का निर्देशन किया है। उन्होंने सेंट्रल एयर कमांड के वरिष्ठ प्रभारी अधिकारी प्रशासन और वायु रक्षा कमांडर के पदों पर कार्य किया। एयर मार्शल प्रतिष्ठित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज और रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज, लंदन (यूके) के पूर्व छात्र भी

हैं। भारतीय वायु सेना के पश्चिमी वायु कमान के वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर के रूप में कार्यभार संभालने से पहले वे वायु सेना मुख्यालय में महानिदेशक (हथियार प्रणाली) थे।

चार प्रमुख प्रवृत्तियों से आकार लेंगे भविष्य के युद्ध : सीडीएस

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कहना है कि भविष्य के युद्ध चार प्रमुख प्रवृत्तियों द्वारा आकार लेंगे। इनमें से एक है सभी क्षेत्रों में सेंसर्स का प्रसार। दूसरा- लंबी दूरी तक मार करने वाली हाइपरसोनिक और सटीक हथियार प्रणालियां। तीसरा, स्वायत्त प्रणालियों के साथ मानव-मानव रहित टीमिंग। चौथा है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और क्वांटम तकनीक द्वारा संचालित युद्धक्षेत्र की बुद्धिमत्ता।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने यह जानकारी सिंगापुर में दी। वह यहां आयोजित प्रतिष्ठित 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' में 'भविष्य की चुनौतियों के लिए रक्षा नवाचार समाधान' विषय पर बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में जनरल अनिल चौहान ने बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और तेजी से हो रहे तकनीकी परिवर्तनों पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण ने गैर-राज्य तत्वों (नॉन स्टेट एक्टर्स) को सशक्त किया है, जिससे प्रॉक्सी युद्धों और अस्थिरता को बढ़ावा मिला है।

उन्होंने क्षमताओं के विकास के लिए अनुकूलनशीलता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को मूलमंत्र बताया। भारत ने निजी उद्योगों के साथ सहयोग करते हुए एक संयुक्त रक्षा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है। उन्होंने बताया कि भारत ने 'रणनीति-प्रेरित आधुनिकीकरण' को अपनाया है। इससे युद्धक प्रणालियां परिचालन आवश्यकताओं और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित की जा सकें। जनरल चौहान ने कहा कि वर्तमान में चल रहा परिवर्तन सिर्फ हथियारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सिद्धांत, संगठनात्मक संस्कृति और मानव संसाधन का भी कायाकल्प शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत की अनूठी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और आकांक्षाएं इसके रक्षा दृष्टिकोण को आकार देती हैं। अपने संबोधन के अंत में, जनरल अनिल चौहान ने वैश्विक शांति और उत्तरदायी नवाचार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' को वैश्विक स्थिरता हेतु संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच बताया। 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' के दौरान भारत और फिलीपींस के रक्षा प्रमुखों के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी हुई। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और फिलीपींस के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रोमियो एस ब्रावनर जूनियर के बीच यह महत्वपूर्ण बातचीत हुई। इस दौरान सैन्य सहयोग बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा और रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में क्षेत्रीय सुरक्षा पर भी विचार-विमर्श हुआ। दोनों देशों के सैन्य प्रमुखों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग और क्षमता संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह बातचीत भारत-फिलीपींस रणनीतिक समन्वय को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। सीडीएस चौहान इससे पहले यहां अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, जापान समेत कई अपने राष्ट्रों के सैन्य प्रमुखों से मुलाकात कर चुके हैं।

पाक जासूसी रैकेटः एनआईए की 8 राज्यों में बड़ी कार्रवाई, 15 ठिकानों पर छापेमार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में देश भर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान देश के आठ राज्यों में 15 स्थानों पर बड़े पैमाने पर तलाशी ली गई। दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल राज्यों में पाकिस्तान खुफिया संचालकों (पीआईओ) से जुड़े संदिग्धों के परिसरों की तलाशी ली गई। एनआईए की टीमों ने तलाशी के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और संवेदनशील वित्तीय दस्तावेज, अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। भारत विरोधी आतंकी साजिश के तहत पाकिस्तान स्थित गुर्गों द्वारा चलाए जा रहे जासूसी रैकेट के सुराग के लिए उनकी गहन जांच की जा रही है। एनआईए की जांच के अनुसार, तलाशी में जिन संदिग्धों को निशाना बनाया गया, उनके पाकिस्तानी गुर्गों से संबंध थे और वे भारत में जासूसी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए वित्तीय माध्यम के रूप में काम करते थे। एनआईए ने 20 मई को एक आरोपी व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद आरसी-12/2025/एनआईए/डीएलआई मामला दर्ज किया था, जो 2023 से पीआईओ के साथ संवेदनशील जानकारी साझा कर रहा था। आरोपी राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित वर्गीकृत जानकारी लीक करने के बदले भारत में विभिन्न माध्यमों से धन प्राप्त कर रहा था। आरोपी का नाम मोतीराम जाट है, जो सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) के एएसआई पद पर कार्यरत था। एनआईए की टीम ने जासूसी मामले में मुकदमा उसी केस में दर्ज किया था। मोतीराम जाट पहलगाम हमले से पहले वहीं पोस्टेड था।

राहुल गांधी पर मनजिंदर सिंह सिरसा का तंज,कहा -'वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं'

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर सोमवार को जोरदार तंज कसा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं और चीन से चंदा लेते हैं। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान सिरसा ने राहुल गांधी के साथ कांग्रेस पार्टी को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पाकिस्तान के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। पाकिस्तान जो सवाल पूछता है, वही सवाल राहुल गांधी पूछने का काम करते हैं। राहुल गांधी की ओर से पूछे गए सवाल पाकिस्तान के टीवी चैनलों पर चलाए जाते हैं। सिरसा ने कहा कि देश की जनता देख रही है कि राहुल गांधी देश के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उनके मन में कुछ और ही चल रहा है। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाक सीजफायर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता को लेकर कांग्रेस लगातार केंद्र से सवाल पूछ रही है और मांग कर रही है कि किन परिस्थितियों में सीजफायर करना पड़ा, इसकी जानकारी संसद का विशेष सत्र बुलाकर दें। दिल्ली की भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे होने पर मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि आज हम विभिन्न स्थानों पर नई सड़कों, सीवेज लाइनों और पेयजल आपूर्ति पर काम शुरू करने जा रहे हैं। पिछले 100

दिनों में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बहुत मेहनत की है। पूर्व की सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल के दौरान सिर्फ बहाने बनाए गए हैं। हमारे सामने चुनौतियां हैं, जिससे हमें निपटना है। इसीलिए दिल्ली में काम करने वाली सरकार आई है, बहाना बनाने वाली सरकार नहीं। सिरसा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, आज नवजीवन स्कूल में पौधरोपण करते समय बच्चों की आंखों में हरियाली के सपने देखे। विश्व पर्यावरण दिवस के इस सप्ताह में मैंने एक संकल्प लिया है। प्रकृति से प्रेम को सिर्फ शब्दों में नहीं, काम में भी बदलना है। पर्यावरण की रक्षा सिर्फ एक दिन की मुहिम नहीं, यह एक जीवनशैली है। पीएम मोदी की सोच और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में पौधा लगाना, जल बचाना और धरती को संवेदनशीलता से देखना, यही है असली विकसित भारत और विकसित दिल्ली का सपना।

एनसीआर में अगले तीन दिन तेज आंधी-तूफान और बारिश की चेतावनी, मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। बीते जहां 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया, वहीं आगामी तीन दिनों तक भी मौसम के ऐसे ही रुख बरकरार रहने के आसार हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 2 जून से 4 जून तक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज बारिश, बिजली चमकने और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग की वेबसाइट पर जारी आंकड़ों के मुताबिक, 2 जून को अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री रहने का अनुमान है। नमी (ह्यूमिडिटी) 56 से 98 प्रतिशत तक रह सकती है। मौसम विभाग ने थंडरस्टॉर्म विद रेन यानी गरज-चमक के साथ बारिश की भविष्यवाणी की है। 3 जून को भी तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहने की आशंका जताई गई है। इस दिन भी तेज हवाओं के साथ बिजली और बारिश की संभावना है। उसके बाद 4 जून को तापमान 36 डिग्री और 24 डिग्री रहने की संभावना जताई गई है। इन तीनों दिनों के लिए विभाग ने खास चेतावनी जारी की है कि थंडरस्टॉर्म एकांपनीड विद लाइटनिंग एंड गेस्टी विंड्स (40-50 किलोमीटर प्रति घंटा)÷ यानी तेज आंधी के साथ बिजली गिरने और तेज हवाएं चल सकती हैं। ऐसे में नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। गौरतलब है कि बीते आए तूफान ने कई इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया था। 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने कई जगहों पर पेड़ उखाड़ दिए, बिजली के खंभे गिरा दिए और ट्रैफिक व्यवस्था पर भी असर डाला। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही और सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रही। 5 जून से मौसम थोड़ा सामान्य होने के संकेत हैं। इस दिन थंडरस्टॉर्म विद रेन की संभावना तो है, लेकिन मौसम विभाग ने कोई चेतावनी जारी नहीं की है।

सीबीआई की बड़ी कार्रवाई : 25 लाख की रिश्वत लेते आईआरएस अधिकारी समेत दो लोग गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय राजस्व सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी और एक निजी व्यक्ति को केंद्रीय जांच ब्यूरो ने रिश्वतखोरी के एक गंभीर मामले में गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई तब की गई जब आरोपियों ने एक शिकायतकर्ता से 45 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की, जिसमें से 25 लाख रुपये की पहली किस्त लेते वक्त दोनों को रंगे हाथों पकड़ा गया। सीबीआई ने इस हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि मुख्य आरोपी वर्ष 2007 बैच का एक वरिष्ठ IRS अधिकारी है, जो वर्तमान में करदाता सेवा निदेशालय, नई दिल्ली में अपर महानिदेशक (ष्ठत्न) के पद पर तैनात था। उसके साथ गिरफ्तार किया गया दूसरा आरोपी एक निजी व्यक्ति है, जो इस पूरी डीलिंग में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा था। सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर के अनुसार, आरोप है कि आरोपी अधिकारी ने शिकायतकर्ता के खिलाफ चल रही आयकर विभाग की कार्रवाई को प्रभावित करने, उसे राहत दिलाने और विभागीय जांच को उसके पक्ष में मोड़ने के लिए 45 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। अधिकारी ने यह भी चेतावनी दी थी कि अगर शिकायतकर्ता उसकी बात नहीं मानेगा, तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी

कार्रवाई, भारी जुर्माना और निरंतर उत्पीड़न सुनिश्चित किया जाएगा। सीबीआई ने 31 मई 2025 को इस मामले में शिकायत दर्ज होने के तुरंत बाद सक्रियता दिखाते हुए ऑपरेशन प्लान किया। योजना के तहत शिकायतकर्ता को ट्रैप टीम के साथ मोहाली भेजा गया, जहाँ आरोपी निजी व्यक्ति को दिल्ली स्थित IRS अधिकारी के कहने पर 25 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

इसके बाद सीबीआई ने दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में स्थित आरोपी अधिकारी के सरकारी आवास पर छापा मारा और उसे भी वहीं से गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने दिल्ली, पंजाब और मुंबई में आरोपियों से जुड़े कई ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, इस कार्रवाई में कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण, नकदी और लेन-देन के प्रमाण मिले हैं। अधिकारियों का कहना है कि तलाशी अभियान अभी भी जारी है और कई अहम सुराग सामने आ सकते हैं।

प्रतिबंधित ई-सिगरेट की तस्करी में आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने प्रतिबंधित ई-सिगरेट और विदेशी ब्रांड की प्रतिबंधित सिगरेट की अवैध तस्करी के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने द्वारका और उत्तम नगर इलाके में छापेमारी कर कुल 388 ई-सिगरेट और 8,000 अन्य प्रतिबंधित सिगरेट जब्त की हैं, जिनकी बाजार में अनुमानित कीमत 6.62 लाख आंकी गई है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार गिरफ्तार आरोपित की पहचान उत्तम नगर निवासी शिवम (22) के रूप में हुई है। वह द्वारका सेक्टर-12 स्थित अपने पान की दुकान से यह अवैध कारोबार चला रहा था। डीसीपी के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली थी कि द्वारका क्षेत्र में एक दुकान पर बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित ई-सिगरेट का भंडारण किया

गया है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए इंस्पेक्टर कमल कुमार की देखरेख में पुलिस टीम ने गुलाब पान सेंटर, सेक्टर-12, द्वारका पर छापा मारा जहां से 93 प्रतिबंधित ई-सिगरेट बरामद हुई और शिवम को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान शिवम ने खुलासा किया कि उसके घर (राजापुरी, उत्तम नगर) में और भी बड़ा स्टॉक रखा गया है। इसके बाद टीम ने वहां छापा मारा और 295 ई-सिगरेट तथा 8,000 प्रतिबंधित सिगरेट जब्त कीं। इन सिगरेट पर स्वास्थ्य चेतावनी संबंधी किसी भी प्रकार का निर्देश नहीं था, जो स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशों का उल्लंघन है। आगे पूछताछ में शिवम ने बताया कि वह पिछले तीन वर्षों से यह अवैध धंधा कर रहा है। उसे यह सामग्री चांदनी चौक के विभिन्न सप्लायर्स से मिलती थी।

चीन सहित पड़ोसी देशों से एफडीआई की मंजूरी में आई तेजी

नई दिल्ली। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्रेस नोट 3 के प्रावधानों के तहत भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से लंबित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों की संख्या कम है। 2020 के प्रेस नोट 3 के तहत सरकार ने भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से विदेशी निवेश के लिए इसकी पूर्व स्वीकृति अनिवार्य कर दी है। ये देश हैं चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान। निर्णय के अनुसार, इन देशों के एफडीआई प्रस्तावों को भारत में किसी भी क्षेत्र में निवेश के लिए सरकार की मंजूरी की आवश्यकता होगी। नाम न बताने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि अंतर-मंत्रालयी समिति की बैठकों की समीक्षा कैबिनेट सचिव स्तर पर भी नियमित रूप से होती है। वर्तमान में, गृह सचिव की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी समिति प्रेस नोट के तहत आवेदनों पर विचार कर रही है। उद्योग विशेषज्ञों ने सरकार से प्रेस नोट 3 नियमों को आसान बनाने का आग्रह किया है, क्योंकि छोटी सी चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों को भी इसके तहत मंजूरी लेनी पड़ती है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने और निर्यात बाजार का दोहन करने के लिए चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हासिल करने के कारगर प्रयास किए गए।

इंडिगो ने तीस और ए-350 विमानों के लिए दिया ऑर्डर

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने चौड़ी बॉडी के 30 और ए350-900 विमानों का ऑर्डर देने की घोषणा की। पिछले साल अप्रैल में एयरलाइन ने 30 ए350 विमानों का ऑर्डर दिया था, जिसमें 70 और विमान खरीदने का विकल्प भी रखा था। राष्ट्रीय राजधानी में मीडिया से बातचीत में इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने बताया कि 70 विमानों के विकल्प में से अब 30 विमानों का पक्का ऑर्डर दिया जा रहा है। इंडिगो ने आयटा वर्ल्ड एयर ट्रांसपोर्ट समिट (वाट्स) के मौके पर एयरबस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत उसने अपने चौड़ी बॉडी ऑर्डर को 30 से बढ़ाकर 60 कर दिया। एयरलाइन ने कहा, यह अंतराष्ट्रीय विस्तार की दीर्घकालिक योजनाओं को परिभाषित करने की दिशा में एक और कदम है। इंडिगो के पास वर्तमान में 430 से अधिक विमानों का बेड़ा है और यह प्रतिदिन लगभग 2,300 उड़ानें संचालित करती है। कंपनी के पास 900 से अधिक विमान ऑर्डर पर हैं, जो आने वाले वर्षों में डिलीवर होंगे। 2030 तक 600 से अधिक विमानों के साथ एक वैश्विक वाहक बनने की महत्वाकांक्षा के साथ इंडिगो न केवल चौड़ी बॉडी के विमानों के संचालन पर ध्यान दे रही है, बल्कि यूरोप और उत्तरी अमेरिका के गंतव्यों तक बेहतर कनेक्टिविटी के लिए अपनी साझेदारियां भी बढ़ा रही है। मार्च 2026 के अंत तक इंडिगो किराए के बोइंग 787 विमानों के साथ 10 नए विदेशी शहरों के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना बना रही है।

पेरिस में तीन जून को WTO की बैठक; कृषि-मत्स्य पालन और निवेश सुविधा के मुद्दे उठाएगा भारत

नई दिल्ली। पेरिस में तीन जून को व्यापार मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक में भारत कृषि, मत्स्यपालन समझौते, चीन के नेतृत्व वाले निवेश प्रस्ताव और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की निष्क्रिय अपीलीय निकाय से जुड़े मुद्दों पर अपनी चिंताओं को सामने रखेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह अनौपचारिक बैठक आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की मंत्री परिषद की बैठक के इतर होगी। इसमें करीब 25 देशों के व्यापार मंत्री भाग लेंगे। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह 1 जून से फ्रांस और इटली के पांच दिवसीय दौरे पर हैं। अधिकारी ने बताया कि भारत इस बैठक में डब्ल्यूटीओ के सभी प्रमुख मुद्दों पर अपनी चिंताओं को उठाएगा, जिसमें कृषि (सार्वजनिक भंडारण का स्थायी समाधान ढूंढना), मत्स्यपालन समझौता, निवेश सुविधा से जुड़ा प्रस्ताव, विश्व व्यापार संगठन में सुधार और डब्ल्यूटीओ की जिनेवा स्थित अपीलीय संस्था की निष्क्रियता के मुद्दे शामिल हैं।

दो साल में पहली बार प्राकृतिक गैस की कीमतों में कटौती, सीएनजी पर हो सकता है असर

नई दिल्ली। सरकार ने दो साल में पहली बार प्राकृतिक गैस की कीमतों में कटौती की है। इस प्राकृतिक गैस से ही वाहनों के लिए सीएनजी और खाना बनाने के लिए एलपीजी गैस बनाई जाती है। सरकार ने प्राकृतिक गैस की कीमत को 6.75 यूएस डॉलर से घटाकर 6.41 यूएस डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट्स करने का फैसला किया है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल ने यह नोटिफिकेशन जारी किया है। इससे पहले सरकार ने अप्रैल 2023 में प्राकृतिक गैस की कीमतें तय करने का नया फार्मूला लागू किया था। इस फार्मूले के तहत एक विशेषज्ञ समिति ने सुझाया कि लेगेसी फील्ड्स से निकलने वाली गैस, जिसे एपीएम गैस भी कहा जाता है, उसकी हर महीने कीमत तय करने के लिए, हर महीने औसतन कच्चे तेल आयात की कीमत का 10 प्रतिशत, जो न्यूनतम 4 डॉलर और अधिकतम 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू फिक्स किया गया था। इस फार्मूले के लागू होने के बाद से अब तक कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ था। अब सरकार ने इसमें 0.25 यूएस डॉलर की सालाना कटौती करने का फैसला किया है।

अगले पांच साल में विभिन्न कारोबारों में 15-20 अरब डॉलर का करेंगे निवेश : गौतम अदाणी

एजेंसी

नई दिल्ली। अदाणी ग्रुप अगले पांच साल में विभिन्न कारोबारों में 15-20 अरब डॉलर का निवेश करेगा। समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कंपनी के मजबूत बैलेंस शीट और वृद्धि का हवाला देते हुए यह बात कही है। समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में, अरबपति उद्योगपति ने कहा, 'लगातार अधिग्रहण और गहन जांच का सामना करने के बावजूद, अदाणी समूह कभी पीछे नहीं हटा। इसके बजाय अपनी रणनीति में बदलाव किया और अधिक लचीला, दुर्जेय तथा अटूट बनकर उभरा।' गौतम अदाणी ने लिखा, 'कठोर प्रतिकूल परिस्थितियों और निरंतर जांच के बावजूद - हम कभी पीछे नहीं हटे। इसके बजाय - हमने अपने अंदर बदलाव किए। हमने फिर से कल्पना की। और, हम बन गए हैं - अधिक दुर्जेय, अधिक अटूट, अधिक मजबूत और अधिक लचीले।' उन्होंने कहा, 'हमारा विश्वास स्पष्टता पर

आधारित है। हमारे उद्देश्य भारत की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हैं। हमारी ताकत उस विश्वास से आती है, जो आप, हमारे शेयरधारक, हम पर रखते हैं।' उन्होंने कहा कि 'हर चुनौती हमारे संकल्प को मजबूत करती है। हर बाधा एक सीढ़ी बन जाती है।' उन्होंने कहा, 'हम ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां नकारात्मकता अक्सर सच्चाई से ज्यादा गूंजती है। लेकिन, हम कानूनी प्रक्रियाओं में सहयोग करते हैं और मैं यह भी दोहराना चाहता हूं - जोर देकर - कि हमारा संचालन वैश्विक मानकों का है, हमारे अनुपालन ढांचे मजबूत हैं और हम उनसे समझौता नहीं करते हैं।' बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन से लेकर डेटा सेंटर, रक्षा निर्माण और सिटी गैस तक - अदाणी समूह के व्यवसाय पिछले कुछ वर्षों में बढ़े हैं। गौतम अदाणी ने कहा, 'इतिहास को हमें हमारी बैलेंस शीट के आकार के लिए नहीं, बल्कि हमारी रीढ़ की हड्डी की मजबूती के लिए याद रखना चाहिए; न केवल उन बाजारों के लिए जिनमें हमने प्रवेश किया, बल्कि उन तूफानों के लिए भी जिनमें हमने काम किया और मजबूती से उभरे। जब सब कुछ अच्छा हो तो नेतृत्व करना आसान है, लेकिन सच्चा नेतृत्व संकट का सामना करते हुए ही बनता है। उन्होंने कहा, 'ये आंकड़े अपनी दिलचस्प कहानी बयां करते हैं - रिकॉर्ड तोड़ राजस्व, अभूतपूर्व वृद्धि और ऐतिहासिक लाभ के एक साल में - गहरी सच्चाई यह है कि ये मील के पत्थर हमारी अथक ताकत और दृढ़ता के प्रतिबिंब हैं। वे एक ऐसे समूह के सबूत हैं, जो बाधाओं से परे सपने देखने की हिम्मत रखता है, उसके पीछे एक ऐसे राष्ट्र की शक्ति है, जो हर सांस में आने वाले हर कल के लिए संभावनाओं का सृजन करता है।'

विदेशी मुद्रा भंडार 6.9 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 692.7 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी बढ़ोतरी होने से 23 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.9 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 692.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.9 अरब डॉलर लुढ़ककर 685.7 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 23 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.5 अरब डॉलर की मजबूती के साथ 586.2 अरब डॉलर पर पहुंच गई। इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 2.4 अरब डॉलर की भारी बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 83.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर 8.1 करोड़ डॉलर के इजाफ़े के साथ 18.6 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में तीन करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह पिछले सप्ताह के मुकाबले बढ़कर 4.4 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

जीएसटी कलेक्शनः मई में सालाना आधार पर 16.40 प्रतिशत की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। इस साल मई के महीने में जीएसटी कलेक्शन सालाना आधार पर 16.40 प्रतिशत बढ़कर 2.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। हालांकि मासिक आधार पर जीएसटी कलेक्शन में अप्रैल की तुलना में गिरावट आई है।

अप्रैल में देश में जीएसटी कलेक्शन अपने सर्वोच्च स्तर 2.37 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया था। सरकार द्वारा जीएसटी पोर्टल पर जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले साल मई के महीने में कुल जीएसटी कलेक्शन 1,72,739 करोड़ रुपये रहा था, जो इस साल 16.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 2.01 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसमें घरेलू लेनदेन से लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये का रेवेन्यू प्राप्त हुआ, जो 13.70 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है। इसी तरह आयात से होने वाला जीएसटी कलेक्शन भी 25.20 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 51,266 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। जीएसटी पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार मई में कुल

सेंट्रल जीएसटी रेवेन्यू 35,434 करोड़ रुपये रहा। इसी तरह स्टेट जीएसटी रेवेन्यू कलेक्शन 43,902 करोड़ रुपये हुआ। इसके अलावा इंटीग्रेटेड जीएसटी कलेक्शन 1.09 लाख करोड़ रुपये हुआ, जबकि सरचार्ज से 12,879 करोड़ रुपये के रेवेन्यू का कलेक्शन हुआ। सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में जीएसटी कलेक्शन में 17 से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। दूसरी ओर, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में जीएसटी कलेक्शन में औसतन 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, गुजरात और तेलंगाना जैसे राज्यों में जीएसटी कलेक्शन में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

अगले सप्ताह सिर्फ 1 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 10 कंपनियों के शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में बहुत मामूली हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह सिर्फ एक नया आईपीओ लांच होने वाला है। यह आईपीओ भी एसएमई सेगमेंट का है। इसके अलावा पिछले सप्ताह ओपन हुए एक आईपीओ में भी मंगलवार तक बोली लगाई जा सकेगी। इस सप्ताह होने वाली लिस्टिंग की बात करें, तो 10 कंपनियां लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत करेंगी। इनमें से चार कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि छह कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। इस सप्ताह नए आईपीओ के रूप में 4 जून को गंगा बाथ फिटिंग्स का 32.65 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 6 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 46 से 49 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 66.63 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 9 जून को होगा। इसके बाद 11 जून को कंपनी के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा 30 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले 3बी फिल्म्स के 33.75 करोड़ रुपये के आईपीओ में मंगलवार 3 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। इस आईपीओ के तहत अभी तक 0.86 गुना सब्सक्रिप्शन आ चुका है। इस आईपीओ में शेयर का मूल्य 50 रुपये तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 3,000 शेयर का है। शेयरों का एलॉटमेंट 4 जून को किया जाएगा, जबकि लिस्टिंग 6 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। अगले सप्ताह के दौरान में कुल 10 कंपनियों लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगी। सप्ताह के पहले दिन 2 जून को ही लीला होटल्स और एजीज वोपैक टर्मिनल्स के शेयर बीएसई ओर एनएसई पर लिस्ट होंगे। सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार यानी 3 जून को प्रॉस्ट्राम इंफोसिस्टम्स के शेयरों की बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग होगी। इसी दिन से एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर निकिता पेपर्स और ब्लू वाटर लॉजिस्टिक्स के शेयर लिस्ट होंगे। वहीं, एस्टोनिल लैब्स के शेयर इसी दिन बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करेंगे। बुधवार 4 जून को स्कोडा ट्यूब्स के शेयर बीएसई ओर एनएसई पर लिस्ट होंगे। इसी दिन एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर एनआर वंदना टेक्सटाइल और नेपच्यून पेट्रोकेमिकल्स के शेयरों की लिस्टिंग होगी।

पीएम मोदी एडीबी के अध्यक्ष मसातो कांडा से मिले, इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 10 अरब डॉलर देने का वादा किया

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसातो कांडा से अपने आधिकारिक निवास पर मुलाकात की। इस बैठक में भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर में 10 अरब डॉलर के निवेश को लेकर बातचीत की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एडीबी अध्यक्ष की पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, मसातो कांडा के साथ एक शानदार बैठक हुई, जिसमें हमने कई मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। पिछले दशक में भारत के तेजी से हुए परिवर्तन ने अनगिनत लोगों को सशक्त बनाया है और हम इस यात्रा में और गति लाने के लिए काम कर रहे हैं। कांडा ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में लिखा,÷विकसित

भारत 2047 का विजन साहसिक है और एडीबी इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य का समर्थन कर रहा है। हम अगले पांच वर्षों में नगर निगम के इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास, मेट्रो नेटवर्क का विस्तार, नए रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर बनाने और शहर की सेवाओं के आधुनिकीकरण में थर्ड पार्टी कैपिटल सहित 10 अरब डॉलर का निवेश करेंगे। उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, एडीबी का संस्थापक सदस्य भारत हमारा सबसे बड़ा उधारकर्ता है और एक मजबूत साझेदार है। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के लिए फाइनेंस को बढ़ाकर, ज्ञान सहयोग को गहरा करके और पूंजी जुटाकर हम 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने और अपने 1.4 अरब लोगों के लिए समावेशी, लचीला और टिकाऊ विकास प्रदान करने के भारत के अभियान का समर्थन करने के लिए तैयार हैं।÷

एडीबी ने कथित तौर पर जल आपूर्ति, स्वच्छता, आवास और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित परियोजनाओं पर 22 राज्यों के 110 से अधिक शहरों के साथ साझेदारी की है, जिसमें 5.15 अरब डॉलर की राशि के 27 लोन शामिल हैं।

इससे पहले, एडीबी अध्यक्ष ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की, जहां दोनों लीडर्स ने ग्रामीण क्षेत्र में समृद्धि लाने, रूफ टॉप सोलर एनर्जी क्षमता बढ़ाने और यूसीएफ को चालू करने की योजनाओं पर चर्चा की।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.25 प्रतिशत गिरकर 60.79 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.27 प्रतिशत की गिरावट लेकर 62.61 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

टॉप 10 में शामिल देश की 4 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.01 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 4 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.01 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 6 कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 34 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। बाजार के उतार-चढ़ाव के कारण कई महीने बाद एलआईसी देश की टॉप 10 कंपनियों की सूची में शामिल होने में सफल हुई, जबकि आईटीसी टॉप 10 की सूची से बाहर हो गई। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 1,01,369.50 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 34,852.35 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। 26 मई से 30 मई के बीच हुए कारोबार के दौरान भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 59,233.61 करोड़ रुपये बढ़ कर 6,03,120.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 19,589.54 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 7,25,036.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा, भारती एयरटेल का मार्केट कैप सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के बाद 14,084.20 करोड़ रुपये बढ़ कर 10,58,766.92 करोड़ रुपये के स्तर पर और एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 8,462.15 करोड़ रुपये की तेजी के साथ 14,89,185.62 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 17,909.53 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 12,53,486.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 7,645.85 करोड़ रुपये घट कर 19,22,693.71 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 4,061.05 करोड़ रुपये कम होकर 5,70,146.49 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 2,605.81 करोड़ रुपये घट कर 10,31,262.20 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 1,973.66 करोड़ रुपये कम होकर 5,52,001.22 करोड़ रुपये के स्तर पर और इंफोसिस का मार्केट कैप 656.45 करोड़ रुपये गिर कर 6,49,220.46 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सोने के भाव में मामूली तेजी, चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में मामूली तेजी दर्ज की गई है। भाव में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,320 रुपये से लेकर 97,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,210 रुपये से लेकर 89,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 770 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो

चुका है। सोने के विपरीत चांदी की कीमत में सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान हुए मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद साप्ताहिक आधार पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। एक सप्ताह के कारोबार के बाद आज भी चांदी पिछले सप्ताह की कीमत यानी 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 97,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,320 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड में नरमी

एजेंसी

इंदौर,। सप्ताहांत खाद्य तेलों में भाव ऊपर नीचे हुए। प्रोडक्शन सेंटरों की कमी के साथ मूंगफली तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड सस्ता बिका। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली रही, इससे भाव ऊंचे रहे।

मूंगफली तेल 141 से 1430 रुपये प्रति 10 किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1350 से 1370 रुपये पर रुका। हालांकि कारोबार के दौरान भाव ऊपर नीचे हुए। सोयाबीन रिफाइंड 1220 से 1225 रुपये पर खुलकर 1160 से 1165 रुपये बिका। पाम तेल 1260 से 1265 रुपये खुलकर 1250 से 1255 रुपये होकर थमा। तिलहन जिन्सों में मांग से मिश्रित रंगत दर्ज की गई। पशु आहार कपास्या खली में लिवाली से मजबूती रही।

केदारनाथ यात्रा : एक महीने में करीब 200 सौ करोड़ का हुआ कारोबार, सात लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा के दर्शन

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में श्री केदारनाथ धाम यात्रा हर वर्ष नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। एक ओर जहां बाबा केदारनाथ के दर्शन को देश-विदेश से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा नए रिकॉर्ड कायम कर रहा है वहीं स्थानीय लोगों के रोजगार बढ़ने के साथ ही यात्रा से बड़ी मात्रा में राजस्व प्राप्त हो रहा है। एक महीने में जहां सात लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए हैं वहीं सरकारी सुविधाओं से लेकर स्थानीय व्यापारियों ने दो अरब से अधिक का कारोबार किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केदारनाथ धाम यात्रा उत्तराखंड की आस्था और संस्कृति की धुरी बन चुकी है। सरकार का लक्ष्य केवल तीर्थयात्रियों को सुविधाएं देना नहीं, बल्कि स्थानीय युवाओं, महिलाओं एवं व्यापारियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी है। हम प्रयासरत हैं कि यात्रा सुरक्षित, सुगम और समृद्ध बनाने की दिशा में हर संभव कदम उठाएं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वर्ष 2025 की यात्रा के लिए 02 मई को बाबा केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुल गए थे। बाबा के कपाट खुले एक महीने का समय पूर्ण हो चुका है। (रविवार) 01 जून को बाबा के दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या 07 लाख पार हो चुकी है। पिछले एक महीने का औसत निकला जाए तो प्रतिदिन 24 हजार श्रद्धालु बाबा के दर्शनों को केदारपुरी पहुंचे हैं।

केदारनाथ धाम यात्रा देश की सबसे कठिन धार्मिक यात्राओं में से एक है। करीब 20 किलोमीटर का कठिन पैदल मार्ग पार करने के बाद हिमालय पर्वत की गोद में बसे 11 वें ज्योतिलिंग के दर्शन हो पाते हैं। इस कठिन पैदल धार्मिक यात्रा में घोड़ा-खच्चरों का बेहद अहम योगदान होता है। असमर्थ एवं बुजुर्ग भक्त अक्सर इन्हीं के माध्यम से यात्रा करते हैं वहीं खाद्य पदार्थ से लेकर अन्य अनिवार्य सामग्री इन्हीं घोड़े-खच्चरों से यात्रा मार्ग एवं केदारपुरी में पहुंचाई जाती है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आशीष रावत ने बताया कि 31 मई तक 1,39,444 श्रद्धालु घोड़े-खच्चरों के माध्यम से दर्शनों को पहुंचे हैं जिसके माध्यम से 40 करोड़ 50 लाख से अधिक की आय प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष संक्रामक बीमारी इक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस के चलते कुछ दिन घोड़ा-खच्चर संचालन प्रभावित भी रहा। जिला पर्यटन अधिकारी और नोडल हेली सेवा राहुल चौबे ने बताया कि इस वर्ष आठ हेली कंपनियां नौ हेलीपैड से अपना संचालन कर रही हैं। 31 मई तक लगभग 33000 श्रद्धालु हेली सेवाओं के माध्यम से बाबा केदारनाथ धाम पहुंचे हैं, जिससे करीब 35 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि हेली बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट से ही बुकिंग की जाए। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत रुद्रप्रयाग संजय कुमार ने बताया कि इस वर्ष की यात्रा के लिए 7000 से अधिक डंडी-कंडी संचालक पंजीकृत हैं। 31 मई तक 29275 श्रद्धालु डंडी-कंडी के माध्यम से यात्रा कर चुके हैं, जिससे एक करोड़, 16 लाख, 89 हजार 100 रुपये की आय प्राप्त हुई है। वहीं गंदगी फैलने एवं अन्य नियमों के उल्लंघन पर विभिन्न प्रतिष्ठानों का 2,26,000 रुपये का चालन कर अर्थदंड भी वसूला गया है। टैक्सी संचालन से करीब 07 करोड़ अर्जित-सहायक परिवहन अधिकारी रुद्रप्रयाग कुलवंत सिंह चौहान ने बताया कि इस वर्ष श्री केदारनाथ धाम यात्रा में शटल सेवा के लिए 225 गाड़ियां पंजीकृत हैं। इन्हीं गाड़ियों में श्रद्धालु सोनप्रयाग से गौरीकुंड तक पहुंचते हैं। अब तक सात लाख से अधिक श्रद्धालु श्री केदारनाथ धाम पहुंच चुके हैं। हर यात्री को 50 रुपये जाने एवं 50 रुपये वापस सोनप्रयाग आने के चुकाने पड़ते हैं।

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन गुवाहाटी में खोलेंगी बॉक्सिंग अकादमी, 03 जून को होगा शुभारंभ

एजेंसी

गुवाहाटी। भारत को ओलंपिक में गौरव दिलाने वाली बॉक्सिंग स्टार लवलीना बोरगोहेन अब खेल के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करने जा रही हैं। टोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना ने असम की राजधानी गुवाहाटी में 'लवलीना बॉक्सिंग अकादमी' की स्थापना की है, जिसका उद्घाटन 03 जून को होगा। इस भव्य उद्घाटन समारोह में असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंता बिस्वा सरमा और स्वयं लवलीना बोरगोहेन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। अपने विजन को साझा करते हुए लवलीना ने कहा, यह अकादमी केवल एक प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि मेरा सपना है जिसे मैंने वर्षों से संजोया है। असम के उन अनगिनत बच्चों के लिए यह एक अवसर है जो बॉक्सिंग में करियर बनाना चाहते हैं। यहां उन्हें सिर्फ मुक्केबाजी नहीं सिखाई जाएगी, बल्कि अनुशासन, आत्मबल और संघर्ष की भावना भी विकसित की जाएगी। 'लवलीना बॉक्सिंग अकादमी' न केवल प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और सुविधाएं प्रदान करेगी, बल्कि पूर्वोत्तर भारत के लिए खेल अवसंरचना के विकास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगी। यह अकादमी युवा प्रतिभाओं को तराशने, उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला करने के लिए तैयार करने और भारत को बॉक्सिंग के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक सशक्त प्रयास है।

पानीपत में 4 जून से होगा छठा टेनिस क्रिकेट फेडरेशन कप, देशभर की 12 टीमें लेंगी हिस्सा

पानीपत (हरियाणा)। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया (डीएलआई) के तत्वावधान में छठा टेनिस क्रिकेट फेडरेशन कप 4 जून से पानीपत में खेला जाएगा। दिन-रात के प्रारूप में होने वाला यह टूर्नामेंट 6 जून तक चलेगा। इस तीन दिवसीय टूर्नामेंट में देशभर की 12 टीमें हिस्सा लेंगी।टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीसीएआई) के अध्यक्ष कन्हैया गुर्जर ने बताया कि यह फेडरेशन कप इंटरनेशनल टेनिस क्रिकेट फेडरेशन (आईटीसीएफ) की सदस्य संस्था टेनिस क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीसीएआई) की ओर से आयोजित किया जा रहा है। रूस और पोलैंड के खिलाफ इंटरनेशनल टेनिस क्रिकेट सीरीज में शामिल होने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ियों का चयन इसी फेडरेशन कप से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह टूर्नामेंट टेनिस क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। फेडरेशन कप के बारे में ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के चीफ स्ट्रैटेजिस्ट चेतन्य नंदा ने कहा कि हम फेडरेशन कप में आने वाली प्रतिभाओं को देखने के लिए बहुत उत्सुक हैं। हम टेनिस क्रिकेट के भविष्य में विश्वास रखते हैं और यह कप अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को तैयार करने और निखारने की दिशा में एक सटीक कदम है। उन्होंने आगे कहा कि इस लीग में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को टेनिस क्रिकेट बॉल वर्ल्ड कप और एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया दो श्रेणियों जूनियर (13-18 वर्ष) और सीनियर (18 प्लस) में आयोजित की जाएगी।

करछना, मेजा और कोरांव के ट्रॉयल में उतरे 194 क्रिकेटर

प्रयागराज। नीलम करवरिया कप क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए सेंट जांस अकादमी मैदान पर तीन विधानसभा क्षेत्र की टीम का ट्रॉयल पूरा हो गया। इन तीन विधानसभा के ट्रॉयल में 194 क्रिकेटरों ने भाग्य आजमाया। आयोजन सचिव सक्षम करवरिया ने बताया कि 30 मई एवं एक जून को कोरांव विधानसभा का ट्रॉयल सेंट जांस अकादमी मैदान पर हुआ, जिसमें 44 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया लेकिन 33 ने ट्रॉयल दिया। इससे पहले इसी मैदान पर 17 व 18 मई को करछना विधान सभा के ट्रॉयल में 77 खिलाड़ी और 24 व 25 मई को मेजा के ट्रॉयल में 84 खिलाड़ी उतरे थे। मुख्य चयनकर्ता केकी काला के साथ एलबी काला, प्रदीप सिंह, राकेश मिश्र, सुशील ओझा और जाहिद अली ने गहन परीक्षण के बाद खिलाड़ियों का चयन किया। ट्रॉयल में बीके मिश्र और आशीष भारतीय ने भी सहयोग दिया। अब अगला ट्रॉयल बारा विधानसभा के लिए सात व आठ जून को खंडाला क्रिकेट ग्राउंड, रीवा रोड, जारी बाजार में होगा।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट : विश्व चैंपियन डी गुकेश ने मैग्नस कार्लसन को हराकर चुकता किया बदला

स्टावेंजर। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर उनसे पहली बाजी में मिली हार का बदला चुकता कर दिया। भारतीय खिलाड़ी की यह नार्वे के दिग्गज खिलाड़ी के खिलाफ क्लासिकल शतरंज में पहली जीत है। इस जीत से 19 वर्षीय गुकेश 8.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह अब संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज कार्लसन और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना से केवल एक अंक पीछे हैं। प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी चीन के वेई यी के खिलाफ आर्मगेडन टाई-ब्रेक में जीत के बाद 7.5 अंकों के साथ हिकारू नाकामुरा के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।

ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास, टी20 में जारी रखेंगे करियर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास ले लिया है। हालांकि वे टी20 फॉर्मेट में उपलब्ध रहेंगे और 2026 में होने वाले अगले टी20 वर्ल्ड कप तक खेलते रहने की उम्मीद है। 36 वर्षीय मैक्सवेल ने यह ऐलान 'द फाइनल वर्ड पॉडकास्ट' में एक लंबे इंटरव्यू के दौरान किया। उन्होंने बताया कि 2022 में पैर टूटने के बाद वनडे क्रिकेट उनके शरीर पर भारी पड़ रहा था। इसी साल चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भी उन्हें काफी थकान महसूस हुई। मैक्सवेल ने कहा, मुझे लगने लगा था कि मैं टीम को थोड़ा पीछे खींच रहा हूं। मैंने चयनकर्ता जॉर्ज बेली से बात की और कहा कि मैं 2027 वर्ल्ड कप तक नहीं खेल पाऊंगा। अब समय है कि मेरी जगह किसी और को तैयार किया जाए। उन्होंने आगे कहा, मैं कभी भी ऐसे नहीं खेलना चाहता था कि बस रिकॉर्ड या निजी संतोष के लिए टीम में बना रहूं। जब मुझे लगे कि मैं टीम के भविष्य का हिस्सा नहीं हूं, तब विदा लेना ही बेहतर है।

मैक्सवेल ने 149 वनडे मैचों में 33.81 की औसत से 3990 रन बनाए और 77 विकेट लिए। हालांकि उनकी सबसे बड़ी खासियत थी उनका विस्फोटक अंदाज - 126.70 का स्ट्राइक रेट, जो एंड्रे रसेल के बाद इस फॉर्मेट के इतिहास का दूसरा सर्वश्रेष्ठ है। 2000 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में यह सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। 2023 विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ 201* रन की पारी ने उन्हें अमर बना दिया। यह न केवल ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहला दोहरा शतक था, बल्कि किसी भी बल्लेबाज द्वारा रन चेज में बनाया गया पहला दोहरा शतक भी था - और वो भी नंबर 6 पर आकर, जब ऑस्ट्रेलिया 91/7 के संकट में था। 2023 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड्स के खिलाफ मात्र 40 गेंदों में शतक - वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे तेज शतक। 2015 वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खिलाफ 51 गेंदों में शतक - वर्ल्ड कप का चौथा सबसे तेज शतक। 2020 इंग्लैंड दौरा - मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ 73/5 से पीछा करते हुए एलेक्स कैरी के साथ 212 रनों की साझेदारी कर मैच जिताया। 2015 वर्ल्ड कप क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 44 रन और दो विकेट। 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में रोहित शर्मा का अहम विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की जीत की नींव रखी। 2014 पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अंतिम ओवर में डबल विकेट मेडन कर सिर्फ दो रन डिफेंड किए। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, ग्लेन वनडे इतिहास के सबसे डाइनामिक खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उनका बैटिंग टैलेंट, गेंदबाजी में योगदान और फील्डिंग में ऊर्जा अतुलनीय रही है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, ग्लेन की विस्फोटक बल्लेबाजी ने दुनिया भर के दर्शकों का दिल जीता। कई बच्चों ने उन्हें देखकर बल्ला उठाया। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट उनके योगदान के लिए हमेशा आभारी रहेगा।

सिंगापुर बैडमिंटन ओपन में थाईलैंड की धाक, एकल और मिश्रित युगल में जीता स्वर्ण

एजेंसी

सिंगापुर। सिंगापुर बैडमिंटन ओपन में थाईलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। पुरुष एकल में कुनलावुत विटिडसर्न ने दमदार जीत दर्ज की, जबकि देचापोल पुआवरानुक्रोह और सुपिस्सरा पावसंप्रान की जोड़ी ने मिश्रित युगल वर्ग में खिताबी मुकाबला जीता। पुरुष एकल फाइनल में कुनलावुत ने चीन के लू गुआंगजु को महज 37 मिनट में 21-6, 21-10 से हराकर चौंकाया। यह इस सीजन में उनका चौथा खिताब है। इस जीत के साथ वे आगामी विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की रैंकिंग में विश्व नंबर-1 बन जाएंगे और वर्ष 2000 के बाद जन्मे पहले पुरुष खिलाड़ी बनेंगे जो यह उपलब्धि हासिल करेंगे। इससे पहले थाईलैंड की मिश्रित युगल जोड़ी देचापोल और सुपिस्सरा ने हांगकांग की टीम टांग चुन मैन और त्से यिंग सुएत को सीधे सेटों में 2-0 से हराकर खिताब जीता। दोनों ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन तालमेल दिखाया और फाइनल में भी दबदबा बनाए रखा। महिला एकल में चीन की चेन युफेई ने अपने ही देश की वांग झीयी को सीधे सेटों में पराजित करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। यह सीजन का उनका चौथा खिताब है।महिला युगल में दक्षिण कोरिया की किम ह्ये-जिओंग और कोंग ही-योंग की जोड़ी ने जापान की रिन इवानागा और कीए नाकानिशी को 21-16, 21-14 से हराकर खिताब जीता। जबकि पुरुष युगल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक ने कड़े मुकाबले में कोरिया की जोड़ी किम वोन-हो और सिओ सेउंग-जे को 15-21, 21-18, 21-19 से मात दी।

थाईलैंड ओपन मुक्केबाजी: दीपक और नमन ने दिलाया स्वर्ण, भारत ने 8 मेडल के साथ किया शानदार समापन

एजेंसी

बैंकॉक। थाईलैंड ओपन बॉक्सिंग टूर्नामेंट 2025 में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल आठ पदक अपने नाम किए। दीपक और नमन तंवर ने स्वर्ण पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया, जबकि महिला वर्ग में भी भारतीय बॉक्सर दमदार प्रदर्शन के साथ पदक तालिका में योगदान देती नजर आईं।

दीपक और नमन तंवर ने दिलाया स्वर्ण

पुरुषों की 75 किलोग्राम भारवर्ग में दीपक ने उज्बेकिस्तान के अब्दुरखिमोव जावोखिर को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मुकाबले की शुरुआत में दीपक ने संयम से खेला, लेकिन पहले राउंड के मध्य से ही उन्होंने नियंत्रण बनाना शुरू कर दिया और अंत तक पूरी तरह हावी रहे। वहीं, 90 किलोग्राम के फाइनल में नमन तंवर ने चीन के हान शुएजेन को 4-1 से मात दी। नमन ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले दो राउंड में बढ़त बना ली। हालांकि तीसरे राउंड में चीनी बॉक्सर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन नमन ने अपने अनुभव से मुकाबले को अपने पक्ष में रखा।

किरण को सिल्वर, पांच महिला बॉक्सर को ब्रॉन्ज

महिलाओं की 80+ किलोग्राम

कैटेगरी में किरण को कजाखस्तान की येलदाना तालिपोवा के खिलाफ 2-3 से करीबी हार झेलनी पड़ी और उन्हें सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

इसके अलावा भारत की पांच महिला मुक्केबाज–तमन्ना (51 किग्रा), प्रिया (57 किग्रा), संजू (60 किग्रा), सनेह (70 किग्रा) और ललफकमावी राल्ते (80 किग्रा)–ने कांस्य पदक हासिल किए। 90+ किलोग्राम कैटेगरी में सेमीफाइनल जीतने के बावजूद भारतीय बॉक्सर अंशुल गिल को पदक से वंचित कर दिया गया। मुकाबले के बाद की एक हरकत पर उज्बेकिस्तान के कोच ने आपत्ति जताई और शिकायत के बाद अंशुल को अयोग्य घोषित कर दिया गया।

भारत का बढ़ता आत्मविश्वास, अगला लक्ष्य वर्ल्ड बॉक्सिंग कप

भारत ने इस टूर्नामेंट में 19 सदस्यीय दल उतारा था, जिसमें से कई मुक्केबाजों ने विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को टक्कर दी। इससे पहले ब्राज़ील में हुई वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में भारत ने 1 गोल्ड सहित 6 मेडल जीते थे।

अब भारतीय टीम जून के अंत में कज़ाखस्तान में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के दूसरे चरण में भाग लेगी, जबकि फाइनल मुकाबले इस साल नई दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे। इस प्रदर्शन से भारतीय बॉक्सिंग टीम का मनोबल ऊँचा हुआ है और आने वाले टूर्नामेंट्स में देश को और भी पदकों की उम्मीद है।

जो रूट के शतक से इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को दूसरे वनडे में हराकर सीरीज जीती

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट की नाबाद 166 रन की शानदार पारी की बदौलत मेज़बान टीम ने कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। इसी के साथ रूट ने न सिर्फ अपना 18वां वनडे शतक लगाया, बल्कि वनडे क्रिकेट में 7,000 रन भी पूरे कर लिए। रूट की क्लासिक पारी, इंग्लैंड ने 309 रन का लक्ष्य किया हासिल जो रूट ने 139 गेंदों पर 166 रन बनाए और टीम को संकट से निकालते हुए जीत दिलाई। इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही थी और टीम सिर्फ 2 रन पर अपने दोनों ओपनर-जेमी स्मिथ और बेन डकेट-को खो बैठी थी। कप्तान हैरी ब्रूक (47) और फिर रूट ने पारी को संभाला। रूट ने विल जैक्स (49) के साथ 143 रन की साझेदारी की और फिर निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर टीम को 7 गेंद बाकी रहते जीत दिला दी।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। 18 साल के ओपनर ज्वेल एंड्रयू खाता खोले बिना आउट हो गए। इसके बाद ब्रैंडन किंग (59) और कीसी कार्टी (103) ने

141 रन की तेज़ साझेदारी कर पारी को संभाला। कार्टी ने चौथा वनडे शतक लगाया, हालांकि उन्हें शुरुआत में दो जीवनदान भी मिले। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद ने 63 रन देकर 4 विकेट झटके और वेस्टइंडीज की लय तोड़ी। इसी के साथ रशीद इंग्लैंड के सबसे सफल स्पिनर बन गए। वेस्टइंडीज की पूरी टीम 47.4 ओवर में 308 रन पर ऑलआउट हो गई। 309 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने सिर्फ 2 रन पर दोनों ओपनर खो दिए। कप्तान ब्रूक और रूट ने पारी को संभालने की कोशिश की। ब्रूक 47 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रूट ने एक छोर संभाले रखा। एक समय स्कोर 6 विकेट पर 225 था, लेकिन रूट ने आदिल रशीद (10*) के साथ मिलकर टीम को जीत दिला दी।

रूट बने इंग्लैंड के सबसे सफल वनडे बल्लेबाज इस मैच में रूट ने इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया, उन्होंने पूर्व कप्तान ऑइन मॉर्गन को पीछे छोड़ा। तीन मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला मंगलवार को लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जाएगा।

आईपीएल 2025 को मिलेगा नया चैंपियन, फाइनल में भिड़ेंगी आरसीबी और पंजाब किंग्स

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) को आठ साल बाद नया चैंपियन मिलने जा रहा है। रविवार रात अहमदाबाद में हुए क्वालिफायर-2 में पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को हराकर फाइनल में जगह बना ली। अब 3 जून को फाइनल मुकाबले में पंजाब का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। खास बात यह है कि आईपीएल के इतिहास में न तो आरसीबी और न ही पंजाब कभी खिताब जीत पाई हैं। ऐसे में इस बार ट्रॉफी किसी नई टीम के नाम होगी। चौथी बार फाइनल खेलेगी आरसीबी, अब तक तीन बार रनर-अप रहा है रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का यह चौथा आईपीएल फाइनल होगा। इससे पहले टीम 2009,

2011 और 2016 में फाइनल में पहुंच चुकी है, लेकिन तीनों बार हार का सामना करना पड़ा। 2009 में डेक्कन चार्जर्स, 2011 में चेन्नई सुपर किंग्स और 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों उन्हें खिताब गंवाना पड़ा था।

दूसरी बार फाइनल में पहुंची पंजाब किंग्स, बदली किस्मत

पंजाब किंग्स (पूर्व नाम किंग्स इलेवन पंजाब) दूसरी बार आईपीएल फाइनल में पहुंची है। इससे पहले टीम 2014 में फाइनल में पहुंची थी, जहां उसे कोलकाता नाइट राइडर्स से हार का सामना करना पड़ा था। 2011 से प्लेऑफ की शुरुआत के बाद से 2024 तक पंजाब सिर्फ एक बार ही प्लेऑफ में पहुंची थी। इस बार टीम ने लीग स्टेज में दमदार प्रदर्शन कर नंबर-1 पर रहते हुए प्लेऑफ में एंट्री ली और अब फाइनल में पहुंची है। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह आईपीएल इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने तीन अलग-अलग टीमों को फाइनल तक पहुंचाया है।

तिरंगा रैली: फिट इंडिया की 25वीं कड़ी में देशभक्ति, फिटनेस और पर्यावरण का संगम

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सेनाओं को समर्पित, पर्यावरण जागरूकता और फिटनेस को प्रोत्साहित करने वाली फिट इंडिया की 25वीं कड़ी आज 'तिरंगा साइकिलिंग रैली' के रूप में देशभर में धूमधाम से आयोजित हुई। इस राष्ट्रीय आयोजन में 5000 से अधिक स्थानों से 15,000 से ज्यादा साइकिल सवारों ने हिस्सा लिया और वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली में मेजर ध्यानचंद स्टेडियम से केंद्रीय खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने लगभग 1500 साइकिलिस्टों के साथ इस रैली का नेतृत्व किया। इस अवसर पर खेल सचिव हरि रंजन राव, ओलंपिक पदक विजेता योगेश्वर दत्त, क्रिकेटर सबा करीम, रेसलर सरिता मोर, फिल्म अभिनेत्री शरवरी और भारतीय साइकिलिंग टीम मौजूद रही। रैली का यह संस्करण हालिया ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सेना की वीरता को समर्पित रहा। डॉ मांडविया ने कहा, यह तिरंगा रैली हमारे जवानों के प्रति श्रद्धांजलि है। फिटनेस और देशभक्ति एक-दूसरे के पूरक हैं। इस अवसर पर फिट इंडिया ऐप में कार्बन क्रेडिट ट्रैकर फीचर और मासिक फिट इंडिया न्यूजलेटर की शुरुआत की गई। अब साइकिलिंग से जुड़ी गति और दूरी के आधार पर उपयोगकर्ता अपने द्वारा बचाए गए कार्बन क्रेडिट ट्रैक कर सकेंगे। फिल्म 'मुंज्या' और 'महाराज' में अभिनय कर चुकीं अभिनेत्री शरवरी को यंग फिट इंडिया आइकन की उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, बचपन में गर्मियों की छुट्टियों में साइकिल चलाना मेरी सबसे प्यारी यादों में से एक है। आज जब यह रैली हमारे सैनिकों को समर्पित है।

माउसली और होल्डन ने जड़े शतक, इंग्लैंड लायंस ने 7 विकेट पर बनाए 527 रन

एजेंसी

नई दिल्ली। कैंटरबरी टेस्ट का तीसरा दिन इंग्लैंड लायंस के बल्लेबाज़ों के नाम रहा, जब डैन माउसली (113) और मैक्स होल्डन (101) ने शतक लगाते हुए इंडिया ए की पहली पारी की बढ़त को तेजी से कम किया। इससे पहले टॉम हेन्स पहले ही 175 रन की शानदार पारी खेल चुके थे। हालांकि दिन का अंत करुण नायर की गेंद पर माउसली के एलबीडब्ल्यू आउट होने के साथ हुआ। इंग्लैंड लायंस ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 527/7 रन बना लिए हैं और अब वे इंडिया ए से सिर्फ 30 रन पीछे हैं।

होल्डन और हेन्स की दमदार शुरुआत

सुबह के सत्र में टॉम हेन्स और मैक्स होल्डन ने कुछ ओवरों तक विकेट की परख की लेकिन फिर होल्डन ने लगातार दो चौकों के साथ रनगति तेज कर दी। होल्डन पहले घंटे में अधिक आक्रामक रहे और

हर्षित राणा की गेंदबाज़ी पर खासतौर से हावी दिखे। उन्होंने महज 99 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। वहीं हेन्स ने भी शार्दुल ठाकुर की गेंदों को ऑफ साइड में दो बार बाउंड्री तक पहुंचाया।

मुकेश कुमार की वापसी से इंडिया ए को राहत

मैक्स होल्डन को मुकेश कुमार ने विकेट के पीछे कैच आउट करवाकर 281 रनों की साझेदारी तोड़ी। इसके बाद उन्होंने जेम्स रिउ को भी एलबीडब्ल्यू आउट कर पवेलियन भेजा। रेहान अहमद को ऊपर भेजने का फैसला भी कारगर नहीं रहा क्योंकि मुकेश ने उन्हें भी जल्दी निपटा दिया और शानदार स्पेल में तीन विकेट झटके।

माउसली की संयमित शतकीय पारी

इसके बाद डैन माउसली ने आक्रमण का संकेत हर्ष दुबे की गेंद पर चौका मारते हुए अपना शतक पूरा किया। हालांकि दिन की अंतिम गेंद पर करुण नायर ने उन्हें आउट कर इंडिया ए को राहत दी। हेन्स ने क्लासिकल बल्लेबाज़ी करते हुए 150 रन पूरे किए, लेकिन फिर शार्दुल ठाकुर ने उन्हें सरफराज के हाथों कैच करवा दिया।

अख्तर और माउसली की उपयोगी साझेदारी

छह विकेट गिरने के बाद ज़मान अख्तर ने माउसली का अच्छा साथ निभाया। अख्तर ने शुरुआत में रक्षात्मक बल्लेबाज़ी की और बाद में दुबे की गेंद पर छक्का जड़ा। दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से रन बटोरे और 50 रन की साझेदारी पूरी की।

माउसली ने मुकेश कुमार की गेंद पर छक्का जड़कर दिया। हेन्स और माउसली ने मिलकर स्कोर को 400 के पार पहुंचाया।

राजीव शुक्ला को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी, बन सकते हैं BCCI के कार्यवाहक अध्यक्ष

नई दिल्ली। रोजर बिन्नी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला क्रिकेट निकाय के कार्यवाहक अध्यक्ष बनेंगे। शुक्ला जुलाई से तीन महीने के लिए कार्यवाहक अध्यक्ष बनेंगे।

सूत्रों ने कहा कि सितंबर में होने वाली वार्षिक आम बैठक के साथ यह पूर्णकालिक अध्यक्ष पद के लिए चुनावों में प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

पीकेएल-12 नीलामी का धमाका: पहले दिन 10 करोड़पति खिलाड़ी, दूसरे दिन अनिल मोहन ने रचा इतिहास

एजेंसी

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 की दो दिवसीय प्लेयर ऑक्शन ने कई रिकॉर्ड तोड़ते हुए एक नया इतिहास रच दिया। इस बार कुल 37.90 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई और खिलाड़ियों की कीमतों ने नई ऊंचाइयां छुईं।

नीलामी के पहले दिन 10 खिलाड़ियों ने एक करोड़ से अधिक की बोली पाकर 'करोड़पति क्लब' में जगह बनाई। सबसे महंगी बोली दो बार के चैंपियन मोहम्मदरेजा शादलू को मिली, जिन्हें गुजरात जायंट्स ने ₹2.23 करोड़ में खरीदा। वहीं, पीकेएल 11 के सर्वश्रेष्ठ रेडर देवांक दलाल को बंगाल वॉरियर्ज़ ने ₹2.205 करोड़ में साइन किया।

एफबीएम नीति का पहला प्रभाव इस बार लागू हुई नई फाइनल बिड मैच (एफबीएम) नीति के तहत टीमें पांच खिलाड़ियों को दो सीजन के लिए दोबारा साइन करने में सफल रहीं। इनमें आशु मलिक (दबंग दिल्ली), दीपक सिंह (पटना पाइरेट्स), मोहम्मद आमान (पुनेरी पल्टन), हरदीप और घनश्याम रोका मगर (हरियाणा स्टीलर्स) शामिल हैं।

कैटेगरी डी में धमाका: अनिल मोहन की ऐतिहासिक बोली

दूसरे दिन सबसे बड़ी सुर्खी बने अनिल मोहन, जिन्हें कैटेगरी डी में यू मुंबा ने ₹78 लाख में खरीदा। यह कैटेगरी डी की अब तक की सबसे ऊंची बोली है। हिमाचल के इस ऑलराउंडर ने अपनी नीलामी को सपना सच होने जैसा बताया।

अन्य बड़ी बोलियां और ट्रेंड

आशु मलिक को दबंग दिल्ली ने 1.90 करोड़ में, अर्जुन देशवाल को तमिल थलाइवाज़ ने 1.405 करोड़ में, नवीन कुमार को हरियाणा स्टीलर्स ने 1.20 करोड़ में खरीदा। जबकि योगेश दहिया को बेंगलुरु बुल्स ने ₹1.125 करोड़ में साइन कर पीकेएल इतिहास का सबसे महंगा भारतीय डिफेंडर बना दिया।

मशाल स्पोर्ट्स के बिजनेस हेड और लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा कि पीकेएल-12 की नीलामी में संतुलित बाजार देखने को मिला। करोड़पति खिलाड़ियों की संख्या हो या कैटेगरी-डी से अनिल मोहन की ऐतिहासिक बोली, हर स्तर पर प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता देखने को मिली है।

शीर्ष टॉप खिलाड़ी:-

कैटेगरी ए - टॉप 5

मोहम्मदरेजा शादलू - ₹2.23 करोड़ - गुजरात जायंट्स

देवांक दलाल - ₹2.205 करोड़ - बंगाल वॉरियर्ज़

आशु मलिक - 1.90 करोड़ - दबंग दिल्ली

आईपीएल 2025: श्रेयस अय्यर की तूफानी पारी से मुंबई को हराया

एजेंसी

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) को एक नया विजेता मिलने जा रहा है। दूसरे क्वालिफायर में पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 5 विकेट से हराकर 11 साल बाद फाइनल में जगह बना ली है। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद 87 रन की विस्फोटक पारी खेलते हुए टीम को 201 से ज्यादा रन के लक्ष्य तक पहुंचाया। इसके साथ ही अय्यर तीन अलग-अलग फ्रेंचाइज़ियों को आईपीएल फाइनल में पहुंचाने वाले पहले कप्तान बन गए हैं।

मुंबई ने रखा था 204 रनों का विशाल लक्ष्य

बारिश की वजह से थोड़ी देर से शुरू हुए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 203/6 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव (44), तिलक वर्मा (44) और नमन धीर (37) ने अहम पारियां खेलीं। मुंबई ने पावरप्ले में 65 रन बनाए, लेकिन मिडल ओवर्स में सूर्यकुमार और तिलक वर्मा ने पारी को संभाला। आखिरी पांच ओवरों में कोई छक्का नहीं लगा, फिर भी टीम ने 200 का आंकड़ा पार कर लिया।

बुमराह के खिलाफ 20 रन लेकर पंजाब ने पकड़ी लय

पंजाब की शुरुआत भी तेज रही। जोश इंग्लिस ने जसप्रीत बुमराह के एक ओवर में 20 रन ठोक दिए और पावरप्ले में टीम ने 64 रन बना लिए। मिडल ओवर्स में नेहाल वढेरा (48) और श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। श्रेयस ने रीस टॉप्ली और ट्रेंट बोल्ट के ओवरों में ताबड़तोड़ रन बटोरे, जिससे मैच पंजाब के पक्ष में झुक गया।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी और बल्लेबाज़ी ने किया कमाल

अंत के ओवर्स में अय्यर ने अपना गियर बदला और चार छक्के जड़कर 19वें ओवर में ही मैच खत्म कर दिया। उन्होंने 41 गेंदों में 87 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें 6 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। इस शानदार जीत के साथ पंजाब ने पहली बार 200 से ज्यादा रन के लक्ष्य का पीछा कर मुंबई को हराया।

क्या है आगे?

अब मंगलवार को आईपीएल 2025 का फाइनल खेला जाएगा, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और पंजाब किंग्स की टीमें आमने-सामने होंगी। दोनों टीमों ने आज तक एक भी खिताब नहीं जीता है, ऐसे में इस बार लीग को एक नया विजेता मिलेगा।

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइकिंग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखने को मिलती हैं। यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखने को मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्न अरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे -नीचे पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तान और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थानी कल्चर देखने के कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉपेज आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे।

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

साफ-सुंदर बीच

पानी से अठखेलियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनाना बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूबा डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से एर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंग, बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मज़ा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मज़ा ले सकते हैं।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेज में से एक है। सितंबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे।

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियों की छुट्टियां

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा ड्यूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले विमान में बैठ गई।

सुपारी के पेड़ों वाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशों के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ों के कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशों में ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्र बना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशों से पर्यटक यहां वर्ष भर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षों तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय देते हैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीले मैदान व नारियल के पेड़ों की कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षों से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दर्शनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशों से प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेते और यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुर की ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पुर जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थ है चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदारियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुर्शिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आईं। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शों को तोड़ दिया गया और इसका उद्घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्ष से भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटे हुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिभा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह ईपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पुर देखने की उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं। 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पुर में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं। इस्लाम के पांच स्तंभों से प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पुर सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप भी। क्वालालम्पुर में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पुर भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पुर तथा क्लैंग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्ट भोजन का मजा लेते हुए आप क्वालालम्पुर की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं। क्वालालम्पुर टॉवर दूरसंचार नेटवर्क, रेडियो व टीवी स्टेशन की ट्रांसमिशन टॉवर भी है।

कौन हैं राजस्थान की

नंदिनी गुप्ता

मिस वर्ल्ड का ताज तो नहीं पर दिल जीत ले गईं

72वें मिस वर्ल्ड का ग्रैंड फिनाले तेलंगाना के हैदराबाद के हाइटेक्स प्रदर्शनी सेंटर है. ये केवल एक ब्यूटी पेजेंट ही नहीं बल्कि उससे कहीं ज्यादा है. इस मंच पर ना सिर्फ बाहरी खूबसूरती, बल्कि इंटेलिजेंस, ग्रेस और पर्सनालिटी की सच्चाई का भी प्रदर्शन होता है. इस मंच में इस बार सबकी निगाहें नंदिनी गुप्ता पर टिकी थीं, जो मिस वर्ल्ड 2025 के फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही थीं. हालांकि, इस बार भारत का ये सपना, सपना ही रह गया.

72वें मिस वर्ल्ड के ग्रांड फिनाले में इस बार भारत का सपना टूट गया. देश की तरफ से प्रतिनिधित्व कर रही नंदिनी गुप्ता क्राउन तक तो नहीं पहुंच पाई, लेकिन दिल जरूर जीत ले गईं. नंदिनी ने अपनी खूबसूरत मुस्कुराहट और हाजिर जवाबी से लोगों का दिल जीत लिया. आइए आपको बताते हैं, राजस्थान की इस खूबसूरत लड़की के बारे में कुछ खास बातें.

कोटा की रहने वाली हैं नंदिनी

नंदिनी गुप्ता राजस्थान के कोटा की रहने वाली हैं. उनके पिता का नाम सुमित गुप्ता है, जो बिजनेसमैन हैं और उनकी मां का नाम रेखा गुप्ता है, जो हाउस मेकर हैं. नंदिनी ने कोटा के ही सेंट पॉल सीनियर सेकेंडरी स्कूल से अपनी स्कूलिंग पूरी की. उसके बाद उन्होंने अपने राज्य के ही लाला लाजपत राज्य कॉलेज से बिजनेस मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन किया है. नंदिनी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वो जब 10 साल की थीं, उस समय से ही उनका सपना मिस इंडिया बनने का था. साल 2023 में उन्होंने अपने इस सपने को सच कर दिखाया था.मिस इंडिया बनने से पहले उसी साल उन्होंने मिस राजस्थान का टाइटल भी जीता था. नंदिनी गुप्ता एशिया महाद्वीप के टॉप 2 कंटेस्टेंट में अपनी जगह नहीं बनाई हैं और वो इस रेस से बाहर हो गईं हैं. मिस वर्ल्ड बनने का उनका सपना टूट गया, लेकिन उन्होंने सभी का दिल जीत लिया.

ट्रैवल करना पसंद करती हैं नंदिनी

नंदिनी के आइडल के बारे में बात करें तो वो प्रियंका चोपड़ा को अपना आइडल मानती थीं. प्रियंका ने साल 2000 में मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया था. नंदिनी को डांस करना, फिल्में देखना और ट्रैवल करना काफी पसंद है. जब कभी भी उन्हें उनके बिजी शेड्यूल से समय मिलता है, तो वो ये सब चीजें करना पसंद करती हैं. नंदिनी कई तरह के सोशल वर्क से भी जुड़ी हैं. वो क्राउन नहीं जीत पाई, लेकिन अपना ये काम जारी रखेंगी.

तलाक के बाद अरबाज ने मलाइका को दी मुंह मांगी कीमत से भी ज्यादा रकम, इतने करोड़ में हुआ था समझौता

मशहूर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा 51 साल की उम्र में सिंगल लाइफ जी रहीं हैं. वो कई सालों तक अर्जुन कपूर के साथ रिलेशन में रहीं, लेकिन 2024 में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया था. इससे पहले मलाइका ने अभिनेता अरबाज खान से शादी की थी. दोनों करीब 19 साल तक साथ रहे. लेकिन इसके बाद कपल के रिश्ते का तलाक के साथ अंत हो गया था.

मलाइका अरोड़ा और अरबाज तलाक लेकर अपनी राहें साल 2017 में ही अलग कर चुके हैं. हालांकि क्या आप ये जानते हैं कि मलाइका और अरबाज के बीच तलाक का समझौता कितने करोड़ में हुआ था. मलाइका ने जो रकम मांगी थी अरबाज ने उस रकम से भी डेढ़ गुना ज्यादा की एलिमनी मलाइका को दी थी.

तलाक के बाद मलाइका को मिले इतने करोड़

मलाइका और अरबाज का रिश्ता टूटने से उनके फैंस को तगड़ा झटका लगा था. दोनों ने साल 2017 में तलाक लिया था. रिपोर्ट्स के मुताबिक मलाइका ने तलाक के बाद एलिमनी के रूप में 10 करोड़ रूपये की मांग की थी और वो इससे कम पर राजी नहीं होने वाली थीं. लेकिन अरबाज ने मलाइका को 15 करोड़ रुपये बतौर एलिमनी दिए थे.

1998 में हुई थी शादी

मलाइका और अरबाज ने एक दूसरे को करीब पांच साल तक डेट किया था. इसके बाद एक्ट्रेस ने 6 साल बड़े अरबाज से साल 1998 में शादी रचा ली थी. फिर 2002 में दोनों ने बेटे अरहान का वेलकम किया. लेकिन बेटे के जन्म के 15 साल बाद अरबाज और मलाइका अलग हो गए थे.

अर्जुन को 6 साल तक किया डेट

अरबाज से अलग होने के बाद मलाइका की लाइफ में अभिनेता अर्जुन कपूर की एंट्री हुई. दोनों ने साल 2019 में अपने रिश्ते का ऐलान सोशल मीडिया पर किया था. अर्जुन और मलाइका एक दूसरे के प्यार में पूरी तरह से कैद थे और सीरियस रिलेशन में थे. हालांकि करीब छह साल के बाद दोनों का अचानक ब्रेकअप हो गया था. वहीं मलाइका से अलग होने के बाद अरबाज ने दूसरी बार घर बसा लिया था. उन्होंने शूरा खान से 2023 में शादी की थी. वो शादीशुदा लाइफ जी कर रहे हैं, जबकि मलाइका एक बार फिर से अपनी पर्सनल लाइफ में अकेली पड़ चुकी हैं.

वो यंग है उसे जल्द... शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी पर आया कंगना रनौत का रिएक्शन, बंगाल सरकार से की बड़ी अपील

पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर लॉ की स्टूडेंट और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली चर्चा में हैं. उन्हें हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप है. सोशल मीडिया पर अपने कमेंट्स की वजह से चर्चा में रहने वाली शर्मिष्ठा पनोली को कोलकाता पुलिस ने हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया. हालांकि इसके लिए वे पहले ही माफी मांग चुकी हैं और उन्होंने अपना वो पोस्ट डिलीट भी कर दिया है. अब इसके बाद से ही कई लोग शर्मिष्ठा का विरोध कर रहे हैं वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो उनके सपोर्ट में उतरे हैं. अब ऐसे में बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने भी शर्मिष्ठा का सपोर्ट किया है.

कंगना ने शर्मिष्ठा पर क्या कहा ?

कंगना रनौत ने हालिया इंटरव्यू के दौरान शर्मिष्ठा का सपोर्ट किया और कहा कि वे अभी यंग हैं और उन्हें अपनी गलती का एहसास भी है. ऐसे में उसके खिलाफ इतना सख्त रवैया अपना ज्यादा सही नहीं है. एक्ट्रेस ने कहा– किसी को लॉ एंड ऑर्डर के नाम पर इतना हैरास करना सही बात नहीं है. जब किसी ने माफी मांग ली है और पोस्ट भी डिलीट कर दिया है. लेकिन इसके बाद भी उसे जेल में रखना, टॉर्चर करना, उसका करियर खत्म करना और उसके कैरेक्टर पर सवाल उठाना बहुत गलत है. ये किसी भी बेटी के साथ नहीं होना चाहिए.

इसके बाद उन्होंने लिखा– मैं कोलकाता सरकार से ये दरख्वास्त करना चाहती हूं कि वे कोलकाता को नॉर्थ कोरिया ना बनाएं. सभी के पास लोकतांत्रिक अधिकार है. उसने अपने असभ्य बयान पर माफी मांग ली है. उसने सब कुछ ज्यों का त्यों बस कह दिया है और आज कल की जनरेशन तो आमतौर पर ऐसे ही शब्दावली का इस्तेमाल कर रही हैं. चाहें आप इंग्लिश में देख लें या फिर आप हिंदी में देख लें. उसे जल्द से जल्द छोड़ दिया जाना चाहिए क्योंकि अभी वो एक युवा लड़की है. उसके सामने अभी पूरा करियर और जीवन पड़ा है.

कौन हैं शर्मिष्ठा पनोली ?

शर्मिष्ठा की बात करें तो वे एक फेमस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं और उनके वीडियोज खूब वायरल भी होते हैं. वे खुलकर अपनी बात रखने के लिए जानी जाती हैं. लेकिन वे अभी भाषा में अपमनाजनक शब्दों का भी इस्तेमाल करती हैं जो एक तबके के लोगों को बर्दाश्त नहीं हो रहा है और वे उनका विरोध करते भी नजर आती हैं. एकेडमिक की बात करें तो शर्मिष्ठा ने लॉ की पढ़ाई की है.

आप जान ही ले लो...'अंबरसरिया' गाने पर भोजपुरी एक्ट्रेस

अक्षरा सिंह

ने दिखाई अदाएं

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस अक्षरा सिंह पिछले दिनों अमेरिका गई थीं. वहां उन्हें अप्रैसिएशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था. इस इवेंट को अटेंड करने के अलावा अक्षरा अमेरिका में अपनी मेकअप आर्टिस्ट कशिश जैन के साथ खूब मस्ती करती भी दिखीं थीं. अक्षरा अभी भी अमेरिका में ही हैं और वहां से उनका एक लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर आया है.अक्षरा सिंह ने

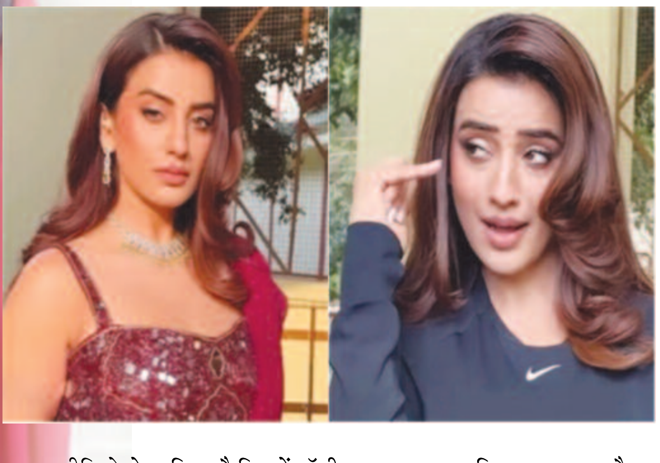

एक वीडियो शेयर किया है जिसमें बॉलीवुड का एक सुपरहिट गाना लगाया है जिसमें वो अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं. फैंस अक्षरा सिंह की इन्हीं अदाओं पर फिदा हैं और अक्षरा के ऐसे ही वीडियो पर फैंस अपना दिल हारते हैं. इस वीडियो को भी फैंस पसंद कर रहे हैं जिसे आपको भी देखना चाहिए.

अक्षरा सिंह ने शेयर किया नया वीडियो

अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर ये वीडियो शेयर किया है. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'काजल लगाएं या ना लगाएं, निगाहें वैसे ही काम तमाम कर देती हैं.' अक्षरा सिंह ने इस पोस्ट के साथ आउटफिट तैयार करने वाली और पीआर की इंस्टाग्राम आईडीज को भी टैग किया है.

अक्षरा सिंह ने ये जो रील बनाई है, इसमें फिल्म फुकरे (2013) का सुपरहिट गाना 'अंबरसरिया' गाना लगाया है. अक्षरा सिंह के इस वीडियो के कमेंट बॉक्स में ढेरों फैंस ने हार्ट इमोजी शेयर की है. वहीं एक फैन ने लिखा, 'आपकी जैसी सुंदर एक्ट्रेस मैंने आज तक नहीं देखी.' वहीं दूसरे फैन ने लिखा, 'आप इस दुनिया में सबसे ज्यादा खूबसूरत हो मैम.' वहीं एक ने कमेंट में लिखा, 'इन अदाओं से अब आप जान ही ले लो.'

अक्षरा सिंह का आने वाला रियलिटी शो

अक्षरा सिंह पिछले 10 दिनों से अमेरिका में ही हैं और यहां खूब एन्जॉय कर रही हैं. घूमना, शॉपिंग करना और खाने–पीने का वीडियो से लेकर तस्वीरें तक अक्षरा सिंह अपने पोस्ट्स में शेयर कर रही हैं. जिससे उनके फैंस को उनकी अपडेट्स मिलती रहे और अक्षरा ने अमेरिका में मिले बिहार झारखंड एसोसिएशन नॉर्थ अमेरिका से सम्मान के बारे में भी फैंस को बताया था. अगर अक्षरा के वर्कफ्रंट की बात करें तो 8 जून से उनका नया रियलिटी शो 'फोक भारत' शुरू होने वाला है, जिसमें अक्षरा बतौर होस्ट नजर आएंगी.